वार्षिक रिपोर्ट
2016-2017

nbt.india
एकः सूते सकलम्

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
NATIONAL BOOK TRUST, INDIA

2018 (शक 1939)
निदेशक, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज़-II, बसंत कुंज, नई दिल्ली-110 070 द्वारा प्रकाशित

टाइपसेटिंग और प्रिंटिंग डेफ्ट क्रियेशंस, 1740/6, शेरसिंह बाजार, कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली-110003

अनुक्रम

परिचय 5

प्रकाशन 11

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, 2017 18

पुस्तक मेले 26

विदेशों में भारतीय पुस्तकों का प्रोन्नयन 31

वर्ष 2016-17 के दौरान आयोजित साहित्यिक गतिविधियाँ 39

भारत-चीन अनुवाद कार्यक्रम 46

59वाँ स्थापना दिवस समारोह 48

पूर्वोत्तर में गतिविधियाँ 50

जम्मू-कश्मीर में आयोजित गतिविधियाँ 52

राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र (एनसीसीएल) 54

न्यास की विभिन्न पुस्तक मेलों/प्रदर्शनियों में भागीदारी की क्षेत्रवार सूची 57

विक्रय एवं विपणन 62

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत वित्तीय सहायता कार्यक्रम (एनबीटी एफएपी) 64

सचल प्रदर्शनी वाहनों से पुस्तकों का प्रोन्नयन एवं बिक्री 66

पुस्तक प्रकाशन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 72

पुस्तकों के प्रकाशन के लिए सहायता 74

पुस्तक प्रोन्नयन गतिविधियों के लिए अनुदान-योजना के तहत लाभार्थियों की सूची 75

न्यास के पदाधिकारी 80

कार्यकारिणी समिति के सदस्य 83

न्यासधारी मंडल के सदस्य 84

वर्ष 2016-17 के दौरान प्रकाशित पुस्तकें 86

अंकेक्षित वार्षिक लेखा परीक्षा 109

परिचय

पुस्तक प्रोन्नयन एवं लोगों में पढ़ने की आदत को बढ़ावा देने हेतु सन् 1957 में स्थापित राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय की अधीनस्थ एक शीर्षस्थ संस्था है।

वर्ष 2017 में, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने अपना 60वाँ स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2017 में एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन कर बीते छह दशकों से पठन संस्कृति को बढ़ावा देने की एनबीटी की यात्रा का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर ने न्यास को पश्चावलोकन के साथ-साथ इसके विश्व भर में लोकप्रिय नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले सहित इसके प्रकाशनों, देश भर में, विशेष रूप से स्कूलों व कॉलेजों में, आयोजित की जाने वाली सचल पुस्तक प्रदर्शनियों, पुस्तक मेलों और उत्सवों में नए क्षेत्रों का द्वार खोलते हुए, प्रगतिशील कार्यशालाओं का आयोजन कर पाठक वर्ग का विस्तार करने के प्रयासों समेत कुछ अन्वेषणात्मक कार्यक्रम आरंभ करते हुए जागरूकता का संचार करने को प्रेरित किया।

इसके अतिरिक्त, पैनल परिचर्चाओं और विशेष पुस्तक मेलों के साथ-साथ न्यास ने 'भारतीय साहित्य में राष्ट्रीयता का बोध' शीर्षक एक दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन भी किया।

60 वर्षों की यात्रा के समारोह के अंग के रूप में आरंभ किए गए कुछ नए अभिनव कार्यक्रमों में पंचायत और संस्कृत पुस्तक मेले, भारतीय डायस्पोरा लेखन को प्रोत्साहन, कन्या छात्रों के लिए पाठ्यक्रम का प्रकाशन, डिजिटल प्रकाशन कार्यशालाओं और पुस्तकालयों के माध्यम से पुस्तक प्रोन्नयन के लिए भारतीय सार्वजनिक पुस्तकालय आंदोलन से सहयोग शामिल हैं।

प्रकाशन

प्रकाशन न्यास की एक प्रमुख गतिविधि है। यह बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार की सचित्र पुस्तकों समेत, समाज के सभी तबकों और आयु वर्गों के पाठकों के लिए

वाजिब मूल्य पर कथा साहित्य, चिकित्सा विज्ञान और प्रौद्योगिकी की उच्च गुणवत्ता की पुस्तकों के साथ-साथ विभिन्न प्रकार की उच्च कोटि की पुस्तकें प्रकाशित करता है। बीते वर्षों में प्रकाशन के प्रति एक ठोस और स्थायी नीति के साथ न्यास दृष्टि-अक्षम एवं नवसाक्षरों के लिए विभिन्न प्रकार की पुस्तकों का प्रकाशन भी करता रहा है।

न्यास सभी प्रमुख भारतीय भाषाओं में पुस्तकें प्रकाशित करता है जिनमें असमिया, बांग्ला, अंग्रेजी, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, मलयालम, मणिपुरी, मैथिली, मराठी, नेपाली, ओड़िया, पंजाबी, सिंधी, तमिल, तेलुगु और उर्दू शामिल हैं। इनके अतिरिक्त, न्यास ने आओ, नगा, भोजपुरी, भीली, भतरी, हल्बी, हिमाचली, कोकबोरक, खासी, गारो, लेपचा, भुटिया, मगही, मिसिंग, लिंबू, मिजो, नेवारी, बोडो और तिब्बती आदि में भी पुस्तकें प्रकाशित की हैं।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान न्यास ने 512 पुस्तकें प्रकाशित कीं। इनमें 81 मूल, 65 अनूदित, 359 पुनर्मुद्रित और 7 संशोधित पुस्तकें हैं।

अभिनव प्रयास

देश में और विदेशों में पुस्तकों के साथ-साथ पढ़ने की आदत को बढ़ावा देने के अपने प्रयासों के एक अंग के रूप में, न्यास ने वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान कुछ नए कार्य आरंभ किए। कुछ मुख्य नए कार्यों में शामिल हैं :

पुस्तक संस्कृति

अपने प्रयासों के अंग के रूप में, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत हिंदी में 'पुस्तक संस्कृति' शीर्षक एक त्रैमासिक पत्रिका का प्रकाशन कर रहा है। पत्रिका का उद्देश्य न केवल पूरे देश में आयोजित होने वाले वर्तमान साहित्यिक और प्रकाशन कार्यक्रम से पाठकों को अवगत कराना है, बल्कि सभी आयु वर्गों के पाठकों को, विशेष रूप से युवाओं को, भारतीय लेखन की समृद्ध परंपरा से जोड़ना है। न्यास की गतिविधियों के अतिरिक्त, पत्रिका में अन्य विषयों के अलावा लेखकों के अप्रकाशित, मूल लेखन—कहानी, निबंध, कविताएँ, यात्रा-वृत्तांत, पुस्तक समीक्षा का प्रकाशन भी किया जाता है।

युवा महिला लेखक प्रोत्साहन योजना

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने युवा महिला लेखकों को प्रोत्साहित करने की एक नई योजना शुरू की है। इस योजना के अनुरूप, न्यास ने देश भर से 40 वर्ष से कम आयु की युवा लेखिकाओं से संविधान में मान्यताप्राप्त 22 भारतीय भाषाओं में से किसी भी भाषा और अंग्रेजी में प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं। योजना में भागीदारी के लिए निर्धारित मानदंडों के अनुरूप प्रेषित पांडुलिपि लेखिका की प्रथम, मूल और अप्रकाशित रचना होनी चाहिए; रचनाओं में उपन्यास, यात्रा वृत्तांत, संस्मरण, दैनंदिनी, कहानी, नाटक और व्यंग्य शामिल हैं। न्यास निर्णायक मंडल द्वारा चयनित पांडुलिपियाँ प्रकाशित करेगा।

शोध यात्री कार्यक्रम

शोध यात्री कार्यक्रम, मानव संसाधन विकास मंत्रालय की पूर्व मंत्री सुश्री स्मृति जूबिन ईरानी द्वारा आरंभ एक विशिष्ट कार्यक्रम है जिसमें छात्रों को पड़ोसी देशों को भारत के योगदानों और प्रभावों तथा उनके बीच संबंधों पर शोध के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इस प्रक्रिया में, शोध के परिणामों में उनकी संस्कृति और परंपरा के विकास में भारत के स्रोत का पता लगाना भी शामिल है।

इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाने में भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड और राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के सहयोग से मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने कार्यक्रम में शामिल होने वाले छात्रों का चयन करने के लिए इंटरनेट पर एक अखिल भारतीय प्रतियोगिता का आयोजन किया।

प्रतियोगिता में स्कूली शिक्षा के सभी बोर्डों और स्कूलों के कक्षा 10 और 11 के छात्र भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिता में निर्धारित विषय पर वेबसाइट mygov.in पर एक निबंध लिखना था। स्काइप के माध्यम से संचालित साक्षात्कार के लिए चालीस छात्रों (20 बालक और 20 बालिकाओं) का चयन किया गया, जिसमें विजेता के रूप में दस छात्र चुने गए। इंटरनेट पर आयोजित शोध यात्री प्रतियोगिता के लिए नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में एक अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। विजेताओं को एक प्रमाणपत्र, अशोक स्तंभ की काष्ठ प्रतिकृति और 10,000/- रुपये भेंट कर सम्मानित किया गया। न्यास शीघ्र ही निबंधों का संकलन के रूप में प्रकाशन करेगा।

ब्रह्मपुत्र साहित्य उत्सव

असम के गुवाहाटी स्थित श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत की एक पहल के रूप में 28 से 30 जनवरी 2017 तक ब्रह्मपुत्र साहित्य उत्सव का आयोजन किया गया। उत्सव में भारत और अन्य देशों के विभिन्न क्षेत्रों की विभिन्न भाषाओं के लेखकों ने भाग लिया। माननीय केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री प्रकाश जावड़ेकर ने उत्सव का उद्घाटन किया। इस अवसर पर, असम के माननीय मुख्यमंत्री श्री सर्वानंद सोनोवाल, असम के शिक्षा मंत्री डॉ. हिमंत बिश्व शर्मा, असम सरकार के मुख्य सचिव श्री विनोद कुमार पिपरसेनिया, एनबीटी अध्यक्ष श्री बल्देव भाई शर्मा, एनबीटी निदेशक डॉ. रीता चौधरी, आयुक्त एवं असम सरकार के उच्चतर शिक्षा सचिव श्री अजय तिवारी भाप्रसे, जानीमानी कवयित्री सुश्री ममंग दाई, प्रसिद्ध कोंकणी लेखक श्री दामोदर मौजो और जापान की जानीमानी लेखिका सुश्री रैंडी तागुची भी उपस्थित थे। इस तीन दिवसीय उत्सव के कार्यक्रम में अन्य विषयों के अलावा मीडिया, लोकतंत्र, बाल लेखन, पूर्वोत्तर साहित्य, बांग्ला साहित्य, हिंदी साहित्य, मौखिक साहित्य और वन्यजीव पर लेखन जैसे समकालीन समय के विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर कतिपय परिचर्चाओं, वार्तालापों और पठन सत्रों का आयोजन किया गया।

पुस्तक प्रोन्नयन गतिविधियाँ

न्यास देश भर में पुस्तक मेलों/प्रदर्शनियों का आयोजन करता है। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास प्रतिष्ठित नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का आयोजक है। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास ने अब तक 25 विश्व पुस्तक मेलों, 40 राष्ट्रीय पुस्तक मेलों तथा 230 से अधिक क्षेत्रीय पुस्तक मेलों का आयोजन किया है।

भारत में पुस्तक मेले

अप्रैल 2016 से मार्च 2017 तक की अवधि के दौरान, न्यास द्वारा देश में ग्रेटर नोएडा पुस्तक मेला (12-10 सितंबर, 2016); कलबुर्गी पुस्तक मेला (17-25 सितंबर, 2016); पटियाला पुस्तक मेला (3-9 अक्टूबर, 2016); ग्वालपारा पुस्तक मेला (22-30 अक्टूबर, 2016), परंबलूर पुस्तक मेला (27 जनवरी से 5 फरवरी, 2017), ब्रह्मपुत्र साहित्य उत्सव (28-30 जनवरी, 2017), राँची पुस्तक मेला (4-10 मार्च, 2017), ऐजल पुस्तक उत्सव (6-11 मार्च, 2017), राष्ट्रीय पुस्तक मेला (18-28 मार्च, 2017) और उदयपुर-गोमती राष्ट्रीय पुस्तक मेला (18-26 मार्च, 2017) समेत 10 पुस्तक मेलों का आयोजन किया गया।

पूर्वोत्तर राज्यों में विभिन्न पुस्तक मेलों, साहित्यिक गतिविधियों और विशेष विक्रय अभियानों के जरिये न्यास ने अपनी पुस्तक प्रोन्नयन गतिविधियों को भी आगे बढ़ाया। समीक्षाधीन अवधि के दौरान न्यास ने ग्वालपारा पुस्तक मेले, ब्रह्मपुत्र पुस्तक उत्सव, ऐजल पुस्तक मेले, उदयपुर-गोमती राष्ट्रीय पुस्तक मेले और बोडो भाषा अनुवाद कार्यशाला का आयोजन किया।

पुस्तक-प्रेम का संचार और घाटी के लोगों को न्यास द्वारा प्रकाशित पुस्तकें उपलब्ध कराने के लिए न्यास ने जम्मू और कश्मीर में भी अपनी गतिविधियों का विस्तार किया है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान न्यास ने अन्य कार्यक्रमों के अतिरिक्त बाल साहित्य उत्सव और सचल प्रदर्शनी का आयोजन किया।

अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले

भारतीय प्रकाशन को बढ़ावा देने के लिए भारतीय प्रकाशकों की चुनिंदा पुस्तकों का प्रदर्शन करते हुए न्यास विभिन्न अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेलों में भाग लेता है। वर्ष 1970 से अब तक न्यास 365 से अधिक अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेलों में भाग ले चुका है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान न्यास ने प्रतिष्ठित बोलोना बाल पुस्तक मेला (4-7 अप्रैल, 2016), लंदन पुस्तक मेला (12-14 अप्रैल, 2016), अबूधाबी अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला (27 अप्रैल से 3 मई, 2016); एशियन फेस्टिवल ऑफ चिल्ड्रेंस कंटेंट, सिंगापुर (25-29 मई, 2016), नेपाल अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला (27 मई से 4 जून, 2016), बीजिंग अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला (24-28 अगस्त, 2016), कोलंबो अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला (16-25 सितंबर, 2016), फ्रैंकफुर्त पुस्तक मेला (19-23 अक्टूबर, 2016), शारजाह अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला (2-12 नवंबर, 2016) और लंदन पुस्तक मेला (14-16 मार्च, 2017) जैसे अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेलों में भाग लिया।

सचल पुस्तक प्रदर्शनियाँ

न्यास सचल पुस्तक प्रदर्शनियों के माध्यम से लोगों के घरों तक पुस्तकें उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत रहा है। अब तक इसने पूर्वोत्तर राज्यों समेत देश भर में 15,000 से ज्यादा सचल प्रदर्शनियों का आयोजन किया है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान, न्यास ने आंध्र प्रदेश में तथा उसके आसपास, छत्तीसगढ़, दमण, दिल्ली/राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (राराक्षे), गुजरात, गुवाहाटी, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू व कश्मीर, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल में लगभग 1,326 स्थानों पर सचल पुस्तक प्रदर्शनियों का आयोजन किया।

वित्तीय सहायता कार्यक्रम

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने न्यास को पुस्तक प्रोन्नयन गतिविधियों से जुड़े परिसंवादों/प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों/कार्यशालाओं/वार्षिक सम्मेलनों/पुस्तक मेलों के आयोजन के लिए स्वयंसेवी/निजी संस्थाओं को वित्तीय सहायता देने की योजना का भार सौंपा था। विभिन्न पुस्तक प्रोन्नयन गतिविधियों के आयोजन हेतु वित्तीय सहायता के लिए विभिन्न संस्थाओं ने आवेदन किया था। ऐसे पुस्तक मेलों, परिसंवादों आदि के लिए अनुमोदित व्यय के 75 प्रतिशत अंश को पूरा करने हेतु वर्ष 2016-17 के दौरान न्यास द्वारा 85 संस्थाओं को अनुदान दिया गया। इसके अतिरिक्त, न्यास वाजिब मूल्य पर विश्वविद्यालय स्तरीय पाठ्य सामग्री एवं संदर्भ पुस्तकों के साथ-साथ चिकित्सा विज्ञान की पुस्तकों के प्रकाशन हेतु लेखकों और प्रकाशकों को सहायता योजना के तहत सहायता देता है।

साहित्यिक गतिविधियाँ

देश के प्रकाशन उद्योग के विकास हेतु न्यास पुस्तक संबंधी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता है। पुस्तकों के विकास, उत्पादन एवं वितरण से जुड़े लोगों के लिए यह कार्यशालाओं और परिसंवादों का आयोजन करता है। समय-समय पर यह लेखक सम्मेलनों और पुस्तक लोकार्पण समारोहों जैसी साहित्यिक गतिविधियों का आयोजन भी करता है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान, न्यास ने ऐसी लगभग 150 गतिविधियों का आयोजन किया।

राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र (रा.बा.सा.कें.)

न्यास का एक राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र (रा.बा.सा.कें.) भी है, जो विभिन्न भारतीय भाषाओं में बाल साहित्य के प्रकाशन की निगरानी, संयोजन, योजना निर्माण करने और इस कार्य में सहायता देने वाला केंद्रीय अभिकरण है। रा.बा.सा.कें. ने बाल साहित्य के एक पुस्तकालय-सह-प्रलेखन केंद्र का निर्माण किया है। देश के बाल साहित्य के विकास के लिए यह कार्यशालाओं, संगोष्ठियों तथा प्रदर्शनियों का आयोजन करता है। यह स्कूल स्तर पर पठन-वृत्ति को बढ़ावा देने के लिए देश भर में स्कूलों में पाठक-मंचों की स्थापना को बढ़ावा देने के साथ-साथ बाल साहित्य संबंधी सर्वेक्षण और अनुसंधान कार्य भी करता है। अब तक देश भर में 35,000 से अधिक पाठक-मंचों की स्थापना की जा चुकी है। देश के विभिन्न हिस्सों में रा.बा.सा.कें. ने लेखक से मिलिए कार्यक्रमों, कथा-वाचन सत्रों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, पाठक-मंच अभिमुखीकरण कार्यक्रमों और अन्य बाल गतिविधियों का आयोजन भी

किया। इसके अतिरिक्त, बच्चों में पढ़ने की आदत को बढ़ावा देने के लिए प्रकाशित की जा रही द्विभाषिक पत्रिका रीडर्स क्लब बुलेटिन (पाठक-मंच बुलेटिन) के चार त्रैमासिक अंकों का प्रकाशन भी किया गया।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा पुस्तक प्रोन्नयन गतिविधियों का आयोजन

नई दिल्ली में मुख्यालय स्थित उत्तर क्षेत्रीय कार्यालय के अतिरिक्त, न्यास के बेंगलुरु, मुंबई और कोलकाता में तीन क्षेत्रीय कार्यालय हैं। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का विपणन और विक्रय इन क्षेत्रीय कार्यालयों का मुख्य दायित्व है। ये क्षेत्रीय कार्यालय न्यास तथा अन्य अभिकरणों द्वारा देश भर में आयोजित विभिन्न पुस्तक मेलों में भी भाग लेते हैं। ये क्षेत्रीय कार्यालय अपने-अपने क्षेत्रों में विभिन्न स्थानों पर न्यास की पुस्तकों की प्रदर्शनियों का आयोजन भी करते हैं। न्यास द्वारा प्रकाशित पुस्तकों की बिक्री के लिए वितरक और एजेंट तैयार करना भी इन क्षेत्रीय कार्यालयों का दायित्व है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, 23 नए एजेंट/वितरक बनाए गए। न्यास ने 3,634 नए पाठक-मंच सदस्य भी बनाए।

पुस्तक प्रकाशन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

प्रकाशन उद्योग के लिए प्रशिक्षित व्यावसायियों का एक प्रतिभावान वर्ग तैयार करने के उद्देश्य से देश के विभिन्न भागों में न्यास अल्पकालिक पुस्तक प्रकाशन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन भी करता है। दिल्ली में प्रति वर्ष पुस्तक प्रकाशन के चार सप्ताह के पाठ्यक्रम प्रशिक्षण के अतिरिक्त, यह देश के अन्य भागों में भी एक से दो सप्ताह के अल्पकालिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का संचालन भी करता है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान, दिल्ली में चार सप्ताह के प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के अतिरिक्त शिलांग, मेरठ और वाराणसी में तीन अन्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का आयोजन किया गया।

आय-व्यय का ब्योरा

अप्रैल 2016 से मार्च 2017 के दौरान, न्यास द्वारा प्रकाशित रु. 1163.19 लाख रुपये मूल्य की पुस्तकों की बिक्री हुई। इस अवधि के दौरान 2203.40 लाख रु. के राजस्व की प्राप्ति हुई।

वर्ष 2016-17 के दौरान आय-व्यय का ब्योरा यहाँ प्रस्तुत है :

		योजना			
	योजनोत्तर (लाख ₹ में)	सामान्य (लाख ₹ में)	पूर्वोत्तर (लाख ₹ में)	अनुसूचित जाति (लाख ₹ में)	जनजातीय (लाख ₹ में)
व्यय	**3554.20**	**2795.94**	**85.51**	106.09	**117.01**
अपने स्रोतों से अर्जित राजस्व	**1246.00**	**926.38**	**1.99**	19.88	**8.78**
सहायता अनुदान के रूप में प्राप्त शेष	2307.83	1869.66	83.52	86.21	108.23

प्रकाशन

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास अपने पाठकों की मांग और बाजार में मांग के उतार-चढ़ाव के मद्देनजर सभी आयुवर्ग के पाठकों के लिए सभी विषयों पर विभिन्न प्रकार की पुस्तकें उपलब्ध कराता है। विभिन्न पुस्तकमालाओं और प्रत्येक पुस्तकमाला के अंतर्गत वर्ष 2016-2017 में प्रकाशित पुस्तकों का एक संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है :

भारत--देश और लोग

इस पुस्तकमाला की पुस्तकें विभिन्न भौतिक वातावरण, विविध सांस्कृतिक परंपराओं और वनस्पति तथा जीव जगत का परिचय देती हैं, जिन्होंने भारत के समन्वित और बहुरंगी चरित्र को समृद्ध बनाया है। संबद्ध विशेषज्ञों द्वारा गैर-तकनीकी और सुग्राह्य शैली में लिखी गई ये पुस्तकें अपने-अपने विषय पर प्रामाणिक और अद्यतन जानकारी प्रदान करती हैं।

इस वर्ष इस पुस्तकमाला में 1 मूल, 4 अनुवाद, 28 पुनर्मुद्रण और 4 संशोधित पुस्तकों का प्रकाशन किया गया। इनमें 12 अँग्रेजी, 22 हिंदी, 2 मराठी और 1 कन्नड़ की पुस्तकें हैं।

इस वर्ष इस पुस्तकमाला के तहत प्रकाशित पुस्तकों में *उत्तराखंड, भारत के भूजल संसाधन, ग्रोथ एंड डिवेलपमेंट ऑफ मास कम्युनिकेशन* और *पॉलिसी एंड गवर्नेंस ऑफ देल्ही* शामिल हैं।

लोकोपयोगी विज्ञान

इस पुस्तकमाला का उद्देश्य औसत शिक्षित पाठक को उसके आस-पास की दुनिया को समझने, विज्ञान की प्रगति का मूल्यांकन करने और रोजमर्रा के जीवन में विज्ञान

और प्रौद्योगिकी की भूमिका का ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम बनाना है। पुस्तकमाला में विज्ञान के क्षेत्र में भारत के योगदान पर यथासंभव बल दिया गया है। इस पुस्तकमाला की पुस्तकें सुगम, सुग्राह्य और सरल शैली में लिखी जाती हैं और इनमें दैनिक जीवन में घटने वाली घटनाओं और वृत्तांतों के उदाहरण और दृष्टांत दिए जाते हैं। मूल पाठ को सुस्पष्ट बनाने के लिए चित्रों, रेखाचित्रों तथा छायाचित्रों की सहायता ली जाती है।

इस वर्ष इस पुस्तकमाला में 6 मूल, 3 अनूदित, 1 संशोधित और 37 पुनर्मुद्रित पुस्तकों का प्रकाशन किया गया। इनमें 7 असमिया, 16 अँग्रेजी और 24 हिंदी भाषा की पुस्तकें थीं।

नई पुस्तकें इस प्रकार हैं : *ए टच ऑफ ग्लास, सेलिऐक डिजीज : ए कंप्रिहेंसिव गाइड, एक्स्टिंक्शंस : नो कमबैक्स, मर्क्युरी इन मेडिसिन, फिजिक्स इन एन्सिएंट इंडिया* और *प्रकृति के बदलते रंग*।

तरुण भारती

तरुण भारती पुस्तकमाला के अंतर्गत 18 वर्ष आयु वर्ग के युवा पाठकों के लिए पुस्तकों का प्रकाशन किया जाता है। इन पुस्तकों का मुख्य उद्देश्य उन्हें उन सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक अवधारणाओं, मुद्दों और विकल्पों से परिचित कराना है जिनका सामना उन्हें भविष्य में करना पड़ेगा। इस पुस्तकमाला में साहसिक उपक्रमों तथा यात्राओं की कहानियां और रोजगार के अवसरों से संबंधित पुस्तकें भी शामिल की जाती हैं।

इस वर्ष इस पुस्तकमाला के अंतर्गत 25 पुस्तकें प्रकाशित की गईं, जिनमें से 4 मूल, 5 अनुवादित और 16 पुनर्मुद्रित पुस्तकें थीं। भाषावार विवरण इस प्रकार है : असमिया में 4, बांग्ला में 1, अंग्रेजी में 3, हिंदी में 12, ओड़िया में 2, तमिल में 2 और उर्दू में 2। इनमें कुछ महत्वपूर्ण पुस्तकें इस प्रकार हैं : *माइ लाइफ माइ होराइजन, जो खुद कसौटी बन गए, निशानों के नायक, तरुणों के लिए कहानियाँ* और *चेंदेर पहर ओ मोरोनेर डंका बाजे*।

आदान-प्रदान

अलग-अलग क्षेत्रों के रचनात्मक साहित्य के आदान-प्रदान के माध्यम से राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा दिए जाने के कारण आदान-प्रदान पुस्तकमाला विशेष महत्वपूर्ण है। इसमें भारतीय भाषाओं के लोगों के लिए किसी भाषा विशेष की प्रसिद्ध रचनाएँ, मुख्यतया उपन्यास, कहानियाँ, लोकप्रिय कविताओं के संग्रह, संस्मृतियाँ आदि अन्य भारतीय भाषाओं में प्रकाशित किए जाते हैं।

इस वर्ष इस पुस्तकमाला में कुल 43 पुस्तकों का प्रकाशन किया गया। इनमें से 6 मूल, 4 अनुवाद और 33 पुनर्मुद्रण थे। इनमें से असमिया में 2, अँग्रेजी में 3, हिंदी में 24, कन्नड़ में 1, मराठी में 1, ओड़िया में 4, तमिल में 2, सिंधी में 1 और उर्दू में 1 पुस्तकें थीं। इस पुस्तकमाला में प्रकाशित पुस्तकों में महत्वपूर्ण हैं : *दि क्विल्ट फ्रॉम दि फ्ली मार्केट, जीवन काँटा या फूल, कलार केरी छपरी, पंजाबी प्रवासियों की कहानी, भुवनेश्वर बेहेरनका श्रेष्ठ गल्प, फतुरानंदनका श्रेष्ठ गल्प*।

भारतीय साहित्य निधि

आदान-प्रदान पुस्तकमाला में केवल समकालीन रचनाएं प्रकाशित की जाती हैं, इसलिए इस पुस्तकमाला के अंतर्गत श्रेष्ठ भारतीय साहित्य का प्रकाशन किया जाता है।

समीक्ष्य वर्ष के दौरान 1 मूल और 1 पुनर्मुद्रण समेत 2 पुस्तकों का प्रकाशन किया गया। इनमें से 1 असमिया और 1 मराठी की पुस्तक थी। *गाव-गदा* पुस्तक महत्वपूर्ण थी।

लोक-संस्कृति और साहित्य

लोक-संस्कृति और साहित्य पुस्तकमाला का उद्देश्य देश के किसी क्षेत्र विशेष के पाठकों को उस लोक-साहित्य से परिचित कराना है जिसने अन्य क्षेत्रों के लोगों की सांस्कृतिक पहचान को आकार दिया हो। इस पुस्तकमाला की पुस्तकों में क्षेत्रों, लोगों, मिथकों, मिथकशास्त्र, धर्म, प्रथाओं, परंपराओं, मेलों और त्योहारों, संगीत, नृत्य, नाटक, कला एवं शिल्प और लोक साहित्य का वर्णन भी शामिल किया जाता है।

इस वर्ष 10 पुस्तकों का प्रकाशन किया गया जिनमें 2 मूल और 8 पुनर्मुद्रण थे। इनमें अँग्रेजी में 2, हिंदी में 7 और पंजाबी में 1 पुस्तक थी। इनमें महत्वपूर्ण पुस्तकें इस प्रकार थीं : *इक्कीस जापानी लोक कथाएँ* और *महक पंजाब दी*।

राष्ट्रीय जीवनचरित

राष्ट्रीय जीवनचरित पुस्तकमाला का उद्देश्य भारत के उन स्त्री-पुरुषों के जीवनचरित को प्रकाशित करना है जिन्होंने भारतीय समाज, संस्कृति, विज्ञान, अर्थव्यवस्था और राजनीतिक व्यवस्था के साथ-साथ आधुनिक भारतीय संवेदना के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इसमें संबंधित व्यक्तियों के जीवन और समय का एक प्रामाणिक, वस्तुनिष्ठ, व्यापक और विश्लेषणात्मक विवरण प्रस्तुत किया जाता है।

इस पुस्तकमाला के अंतर्गत इस वर्ष 37 पुस्तकें प्रकाशित की गईं। इनमें 3 मूल, 6 अनुवाद और 28 पुनर्मुद्रण शामिल हैं। पुस्तकों का भाषावार विवरण इस प्रकार है : असमिया : 6, बांग्ला : 5, अँग्रेजी : 4, हिंदी : 16, मणिपुरी : 1, मैथिली : 1, ओड़िया : 1, तेलुगु : 1 और उर्दू : 1। महत्वपूर्ण पुस्तकें इस प्रकार हैं : *महाजीवन श्यामाप्रसाद, लाल बहादुर शास्त्री* और *विनोद कानूनगो*।

नेहरू बाल पुस्तकालय

नेहरू बाल पुस्तकालय पुस्तकमाला का उद्देश्य ऐसे आनंददायी और ज्ञानवर्द्धक साहित्य का सृजन करना है जिसे पढ़ने में बच्चे खुद अभिरुचि ले सकें। यह भारत भर के बच्चों को उनकी मातृभाषा में विविध विषयों पर साझा

पठन सामग्री उपलब्ध कराते हुए राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा भी देता है। इस पुस्तकमाला में प्रकाशित पुस्तकें चार आयु वर्गों अर्थात स्कूल जाने के पहले की आयु के बच्चों के साथ-साथ 6-8, 9-11 और 12-14 वर्ष के बच्चों की आवश्यकताओं की पूर्ति करती हैं। पुस्तकों की साज-सज्जा के लिए विशेष तौर पर चित्र बनवाए जाते हैं और सभी पुस्तकों में रंगीन और/या श्वेत-श्याम चित्र, रेखाचित्र आदि होते हैं। स्कूल जाने की आयु के पहले के बच्चों की पुस्तकों में यदि कुछ शब्द दिए जाते हैं तो वे बहुरंगी तस्वीरों के सहायक मात्र होते हैं, जो अपनी कहानी स्वयं कहती हैं।

इस वर्ष के दौरान इस पुस्तकमाला के तहत 178 पुस्तकों का प्रकाशन किया गया। इनमें 27 मूल, 35 अनुवाद, 114 पुनर्मुद्रण और 2 संशोधित पुस्तकें शामिल हैं। भाषावार विवरण इस प्रकार है : असमिया : 28, बांग्ला : 4, भोजपुरी : 1, अँग्रेजी : 33, हिंदी : 59, मैथिली : 1, मलयालम : 8, मराठी : 1, नेपाली : 12, ओड़िया : 5, तेलुगु : 4, कन्नड़ : 3, तमिल : 2, तिब्बती : 4 और उर्दू : 3। इनमें कुछ महत्वपूर्ण पुस्तकें इस प्रकार हैं : ए लेसन *फ्रॉम ग्रैंडमा, गोवा : ए स्टोरी ऑफ माइ वंडरलैंड, सेवेन स्टेयर्स टु सन, दि वीवर बड्र्स नेस्ट, अमर गोस्वामी की चुनिंदा बाल कथाएँ, गोनू का कुआँ, विष्णु प्रभाकर की चुनिंदा बाल कथाएँ*।

नवसाक्षर साहित्यमाला

इस पुस्तकमाला के अंतर्गत प्रकाशित अधिकांश पुस्तकें ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित कार्यशालाओं में स्थानीय लोगों की भागीदारी से तैयार की जाती हैं। नवसाक्षरों की आवश्यकताओं के अनुरूप पुस्तकें उनके लिए सुपरिचित शैली में लिखी जाती हैं और उनका क्षेत्र-परीक्षण किया जाता है। कहानियों, जीवनचरितों, उपन्यासिकाओं, लोककथाओं, समकालीन विषयों पर रचनाओं और व्यावहारिक रूप से उपयोगी सूचनाओं का प्रकाशन इस तरह किया जाता है कि नवसाक्षर उनके प्रति आकर्षित हों और स्वेच्छा से पढ़ सकें।

इस वर्ष इस पुस्तकमाला के अंतर्गत 3 मूल, 3 अनुवाद और 17 पुनर्मुद्रणों समेत कुल 23 पुस्तकों का प्रकाशन किया गया। इनमें कन्नड़ की 3, हिंदी की 18, मराठी की 1 और असमिया की 1 पुस्तक शामिल है। इनमें कुछ महत्वपूर्ण पुस्तकें हैं : *हम भी इंसान हैं, जय स्वच्छता, पॉलिथीन अब नहीं, लालटेन* और *पंछीपुर की परमेसरी*।

सृजनात्मक शिक्षा

इस पुस्तकमाला का उद्‍देश्य शिक्षा की नई अवधारणाओं और सहायक सामग्री पर पुस्तकें प्रकाशित करना है, जिनका स्कूल-पूर्व और प्राथमिक शिक्षा में सक्रिय उपयोग किया जा रहा है। व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाकर इन पुस्तकों का प्रकाशन शिक्षकों तथा शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े अन्य लोगों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए किया जाता है।

इस वर्ष इस पुस्तकमाला के तहत 16 पुस्तकों का प्रकाशन किया गया। भाषावार विवरण इस प्रकार है : अँग्रेजी में 5, गुजराती में 1, हिंदी में 7, मलयालम में 2 और मराठी में 1।

लोकोपयोगी सामाजिक विज्ञान

इस पुस्तकमाला में सामान्य पाठक वर्ग के लिए लोकप्रचलित अवधारणाओं और समाज विज्ञान से संबंधित विचारों की पुस्तकें प्रकाशित की जाती हैं। इस पुस्तकमाला का मुख्य उद्देश्य स्त्री-पुरुष अध्ययन, जनजाति अध्ययन, शांति और संघर्ष अध्ययन, विकासपरक अर्थशास्त्र, सामाजिक संरचना आदि जैसे उभर रहे विविध विषय क्षेत्रों से संबंधित पुस्तकें प्रकाशित करना है।

इस पुस्तकमाला के तहत छब्बीस पुस्तकें प्रकाशित की गईं। इनमें 3 मूल, 1 अनुवाद और 24 पुनर्मुद्रण थे। इनमें से 7 पुस्तकें अँग्रेजी और 19 हिंदी में थीं। इनमें *भारत की मौलिक एकता, काकोरी से पहले काकोरी के बाद* और *पंचायत में महिलाएँ* मुख्य हैं।

विविध

ऊपर वर्णित पुस्तकमालाओं में जो पुस्तकें प्रकाशित नहीं हो पातीं, उनका प्रकाशन विविध पुस्तकमाला में किया जाता है। इसके अंतर्गत प्रकाशित पुस्तकें संबद्ध विषय का गहन अध्ययन प्रस्तुत करती हैं। इन पुस्तकों का उपयोग प्रामाणिक संदर्भ सामग्री के रूप में किया जाता है।

इस वर्ष इस पुस्तकमाला में 10 मूल, 1 अनुवाद और 17 पुनर्मुद्रण समेत 28 पुस्तकों का प्रकाशन किया गया। भाषावार विवरण इस प्रकार है : अँग्रेजी में 2, हिंदी में 23, मराठी में 2 और उर्दू में 1। इनमें कुछ महत्वपूर्ण पुस्तकें हैं : *बुलेट ट्रेंस, सरदार स्वर्ण सिंह : ऐन एबल पार्लियामेंटेरियन, भारत राष्ट्र और उसकी शिक्षा पद्धति, एक प्रयास धरती के छोर पर, ढब्बूजी की धमाल, हिमायलय में विवेकानंद, मौलाना अबुल कलाम आजाद : विचार यात्रा* और *संस्कृत आलोचना की भूमिका*।

सतत शिक्षा पुस्तकमाला

इस पुस्तकमाला का उद्देश्य सतत शिक्षा कार्यक्रम से जुड़े लोगों के लिए सभी प्रमुख भारतीय भाषाओं में पुस्तकें प्रकाशित करना है। इसमें देशभक्ति गीतों का संग्रह तथा भारतीय संस्कृति, राजनीति, उद्योग, कृषि आदि से संबंधित विषयों पर पुस्तकें प्रकाशित की जाती हैं। इनके अतिरिक्त इस पुस्तकमाला में लक्षित पाठक वर्ग के लिए संक्षिप्त जीवनचरित और भारतीय साहित्य के उपन्यास भी प्रकाशित किए जाते हैं।

इस वर्ष इस पुस्तकमाला के अंतर्गत 18 पुस्तकों का प्रकाशन किया गया। इनमें 1 मूल, 1 अनुवाद और 16 पुनर्मुद्रण थे। भाषावार विवरण इस प्रकार है : असमिया में 4, बांग्ला में 1, भोजपुरी में 1, हिंदी में 11 और उर्दू में 1। इनमें *सम स्ट्रीट गेम्स* और *बी अम्माँ* महत्वपूर्ण हैं।

विश्व साहित्य

इस पुस्तकमाला के अंतर्गत एशियाई, अफ्रीकी और लैटिन अमेरिकी देशों के समकालीन श्रेष्ठ उपन्यास तथा संग्रह प्रकाशित किए जाते हैं।

इस पुस्तकमाला के अंतर्गत 1 मूल और 1 पुनर्मुद्रण समेत दो पुस्तकों का प्रकाशन किया गया। इनमें *अल्बर्ट स्वाइट्ज़र* महत्वपूर्ण पुस्तक है।

स्वर्ण जयंती माला

वर्ष 2007 में न्यास की स्वर्ण जयंती के दौरान, विभिन्न भारतीय भाषाओं में स्वातंत्र्योत्तर साहित्य के संग्रहों की एक विशेष माला शुरू की गई।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, एक पुस्तक का पुनर्मुद्रण किया गया।

हिंदी नवजागरण के अग्रदूत

इस पुस्तकमाला में उन जानेमाने लेखकों की चुनिंदा कृतियों का प्रकाशन किया जाता है, जिन्होंने 19वीं शताब्दी के दौरान और 20वीं शताब्दी के आरंभिक दिनों के भारत में हिंदी साहित्य के पुनर्जागरण में महती भूमिका निभाई।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, एक पुस्तक का पुनर्मुद्रण प्रकाशित किया गया।

भारतीय साहित्य पुस्तकमाला

इस पुस्तकमाला के अंतर्गत समकालीन भारतीय लेखकों की प्रसिद्ध रचनाओं का विभिन्न भाषाओं में प्रकाशन किया जाता है।

इस वर्ष के दौरान इस माला के अंतर्गत, 10 मूल और 4 पुनर्मुद्रण समेत हिंदी की 14 पुस्तकें प्रकाशित की गईं। इनमें *अब्दुल बिस्मिल्लाह श्रेष्ठ कहानियाँ, भीष्म साहनी : संकलित कहानियाँ, नरेंद्र कोहली : श्रेष्ठ व्यंग्य* और *सुभाष चंदर : श्रेष्ठ हास्य व्यंग्य* महत्वपूर्ण पुस्तकें हैं।

नवलेखन माला

इस माला के अंतर्गत, विभिन्न भाषाओं में उन युवा लेखकों की रचनाएँ प्रकाशित की जाती हैं, जिनकी आयु चालीस वर्ष से कम हो और जिनकी रचनाएँ पूर्व में प्रकाशित नहीं हुई हों।

इस वर्ष इस माला के अंतर्गत 3 मूल और 2 अनूदित पुस्तकों समेत 5 पुस्तकें प्रकाशित की गईं। इनमें तमिल की 1, तेलुगु की 2 और ओड़िया की 2 पुस्तकें थीं।

महत्वपूर्ण पुस्तकों में *नवलेखन : ओड़िया लेखिकनका क्षुद्रगल्प, नवलेखन तेलुगु कथालु, नवलेखन : बांग्ला गल्प संकलन* और *नवलेखन कन्नड़ स्टोरीज* शामिल हैं।

क्र.सं.	भाषा	मूल	अुन.	पुन.	संशो.	कुल
1.	असमिया	0	0	67	0	67
2.	बाँग्ला	1	5	5	0	11
3.	भोजपुरी	0	2	0	0	2
4.	अँग्रेजी	17	2	61	7	87
5.	गुजराती	0	0	1	0	1
6.	हिंदी	42	19	198	0	260
7.	कन्नड़	1	6	1	0	8
8.	मलयालम	0	8	2	0	10
9.	मणिपुरी	0	1	0	0	1
10.	मगही	0	1	0	0	1
11.	मैथिली	0	2	0	0	2
12.	मराठी	1	0	8	0	9
13.	नेपाली	12	0	0	0	12
14.	ओड़िया	4	6	3	0	13
15.	पंजाबी	1	0	0	0	1
16.	सिंधी	0	1	0	0	1
17.	तमिल	1	3	4	0	8
18.	तेलुगु	1	5	0	0	6
19.	तिब्बती	0	4	0	0	4
20.	उर्दू	0	0	9	0	9
	कुल	81	65	359	7	512

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, 2017

भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आइटीपीओ) के सहयोग से न्यास ने 7 से 15 जनवरी, 2017 तक नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला (एनडीडब्ल्यूएफ) का आयोजन किया। एनडीडब्ल्यूएफ 2017 का उद्घाटन भारत सरकार के मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय ने किया। उद्घाटन समारोह में प्रख्यात ओड़िया लेखिका और ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त डॉ. प्रतिभा राय सम्मानित अतिथि थीं। भारत में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधि मंडल के राजदूत महामहिम टोमाश कौज़लौस्की इस अवसर पर विशेष अतिथि थे।

एनडीडब्ल्यूएफ 2017 में 30 विदेशी प्रदर्शकों के अतिरिक्त देश के लगभग 1000 प्रकाशकों/पुस्तक विक्रेताओं ने 1,700 स्टॉलों के साथ भाग लिया।

थीम प्रस्तुति : महिला लेखन की भारत में एक सुदीर्घ परंपरा है। महिला लेखकों की भूमिका और योगदान को उद्घाटित करने और स्त्री-पुरुष मुद्दों की एक बेहतर समझ कायम करने के मद्देनजर, नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2017 का थीम 'मानुषी : राइटिंग्स ऑन एंड बाई वीमेन' (मानुषी : महिलाओं पर केंद्रित महिला लेखन) था। थीम मंडप में सभी प्रमुख भारतीय भाषाओं की विभिन्न विधाओं में महिलाओं पर महिलाओं द्वारा लिखित 600 से अधिक पुस्तकें प्रदर्शित की गईं। मंडप में प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक भारत की प्रमुख महिला लेखकों, संत-कवियों, दार्शनिकों, समाज सुधारकों आदि पर पैनलों और पोस्टरों का प्रदर्शन भी किया गया। इसके अतिरिक्त, विशेष रूप से निर्मित थीम मंडप में महिला लेखकों के साथ कतिपय पैनल परिचर्चाओं और संवाद आदान-प्रदान सत्रों का आयोजन किया गया। थीम पर आधारित कैलेंडर 2017 का विमोचन भी किया गया। कैलेंडर में प्राचीन भारत की 12 महान महिला हस्तियों को स्थान दिया गया है, जिन्होंने अपनी बुद्धि-बल, लेखनों और शास्त्रार्थों से अपनी छाप छोड़ी तथा भारतीय दर्शन के विकास में योगदान दिया, जिनमें

ललद्यद, गार्गी, गंगासती, अक्क महादेवी, बहिणाबाई, जनाबाई, अटुकुटि मोला, गुलबदन बेगम, चंद्राबती, मीराबाई, अंडाल और अवैयार शामिल हैं। कैलेंडर एक कार्यशाला में देश भर के विभिन्न महाविद्यालयों के स्नातकोत्तर ललित कला के चयनित छात्रों द्वारा तैयार किया गया।

बाल मंडप : मेले में बाल मंडप में आगंतुकों की सर्वाधिक भीड़ देखी गई। विभिन्न स्कूलों के हजारों बच्चों ने बाल मंडप में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिताओं, कथावाचन सत्रों, स्किटों, अपने प्रिय लेखकों से मिलिए, परिचर्चाओं आदि जैसी विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। इसके अतिरिक्त, मंडप में बच्चों के लिए देश भर से हाल में प्रकाशित कुछ उत्कृष्ट पुस्तकों का प्रदर्शन भी किया गया।

मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी वार्तालाप (सीईओ स्पीक) : सीईओ वार्ता प्रमुख नेटवर्किंग कार्यक्रमों में से एक है। इस कार्यक्रम में पुस्तक व्यापार के विभिन्न प्रकाशन गृहों और संगठनों के 100 से अधिक मुख्य कार्यकारी अधिकारी, भारतीय और अंतरराष्ट्रीय पुस्तक व्यापार के प्रति विचारों के आदान-प्रदान हेतु एकत्र होते हैं। कार्यक्रम में एनबीटी के अध्यक्ष द्वारा अल्पाहार की व्यवस्था की गई।

नई दिल्ली राइट्स टेबल (प्रतिलिप्यधकार मंच) : सामग्री के व्यापार की एक व्यवसाय सभा नई दिल्ली राइट्स टेबल भारतीय और विदेशी दोनों प्रकाशकों के लिए आज एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। अपने पाँचवें संस्करण में, एनडीआरटी व्यवसाय का एक नया परिवेश प्रस्तुत करती है। यह विशिष्ट प्ररूप सहभागियों को अपनी राइट्स टेबल सुरक्षित कराने, एक–दूसरे से मिलने और उनके उत्पादों व विचारों को प्रस्तुत करने का अवसर दिलाता है। सामग्री के व्यापार मंच के रूप में एनडीआरटी भारत और विदेशों से कुछ उत्कृष्ट सामग्रियों के व्यापार के लिए एक सहायक मंच का कार्य करती है। इस वर्ष, राइट्स टेबल के 9 और 10 जनवरी, 2017 को आयोजित होने वाले कार्यक्रम में भारत व विदेशों के 50 से अधिक सहभागियों ने अपना पंजीकरण कराया।

अन्य विशेषताएँ : पिछले वर्ष की तरह, इस वर्ष भी प्रसिद्ध लेखकों और साहित्यकारों के लिए पाठ सत्रों का आयोजन किया गया जिन्होंने लेखकों के निर्धारित स्थलों (ऑथर्स कॉर्नर्स) अर्थात रिफ्लेक्शंस, कन्वर्सेशंस, लेखक मंच जैसे कार्यक्रम कॉर्नरों, प्रकाशक सम्मेलनों, बी2बी परिसंवादों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में पुस्तक प्रेमियों से बातचीत की। इसके अतिरिक्त, हंसध्वनि नाट्यशाला में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया जहाँ देश के विभिन्न हिस्सों से आए कलाकारों ने भारत के विभिन्न राज्यों के लोक नृत्य, लोक गीत और शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत किए।

विशेष आकर्षण : एनबीटी की यात्रा के 60 वर्ष पूरे होने के मद्देनजर, एनडीडब्ल्यूएफ 2017 में एक विशेष स्टॉल लगाया गया, जहाँ प्रकाशन, पुस्तक एवं पठन संस्कृति के प्रोन्नयन, प्रदर्शनियों और विश्व पुस्तक मेलों में एनबीटी की जन्म से अब तक की यात्रा की झाँकी का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनी में एनबीटी द्वारा प्रकाशित कुछ महत्वपूर्ण और लोकप्रिय पुस्तकों के साथ-साथ उसके विभिन्न विशिष्ट कार्यक्रमों के छाया चित्रों का प्रदर्शन भी किया गया।

7 जनवरी, 2017

1. राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने थीम-मंडप में एक सत्रिया नृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया।

2. 'प्रवक्ता डॉट कॉम' के सहयोग से राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने साहित्य मंच पर वेब पत्रकारिता पर एक परिचर्चा का आयोजन किया।

3. राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने बाल मंडप में बाल कवियों से मिलिए (मीट चिल्ड्रें'स पोएट्स), नव प्रभात जनसेवा संस्थान के बच्चों के काव्य पाठ, 'स्टॉप चाइल्ड लेबर' ('बाल मजदूरी रोको') पर माता दनकौर पब्लिक स्कूल के स्किट कार्यक्रम, 'ग्लोबल वार्मिंग' ('वैश्विक तापन') पर एवरग्रीन पब्लिक स्कूल के स्किट कार्यक्रम चित्रकला पर बस्तर के बच्चों के एक सत्र, बचपन सोसाइटी फॉर चिल्ड्रें'स लिटरेचर के बच्चों के एक स्किट कार्यक्रम, जयदित्य प्रकाशन द्वारा पुस्तकालयाध्यक्षों और बच्चों के साथ एक वार्तालाप सत्र तथा सुश्री मालिनी अवस्थी के साथ वार्तालाप सत्र समेत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया।

8 जनवरी, 2017

4. राष्ट्रीय पुस्तक न्यास ने थीम मंडप में 'माइ लाइफ माइ लिटरेचर' शीर्षक एक कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें सुश्री यशोधरा मिश्रा ने जानीमानी ओड़िया लेखिका सुश्री प्रतिभा राय से बातचीत की।

5. भारत लेखक संघ के सहयोग से राष्ट्रीय पुस्तक न्यास ने संगोष्ठी भवन में महिला लेखन पर एक परिसंवाद का आयोजन किया।

6. थीम मंडप में वेदों से महाभारत तक की महिलाओं की कथाओं पर एक संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. टीना दोषी मंडली ने किया।

7. थीम मंडप में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने डॉ. सोनल मानसिंह पर एक वार्ता का आयोजन किया।

8. ऑथर्स कॉर्नर में एनबीटी की एक पुस्तक 'सेलिएक डिजीज : ए कॉम्प्रिहेंसिव गाइड' पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया।

9. सुरुचि प्रकाशन के सहयोग से राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने लेखक मंच पर बालासाहब देवरस पर एक परिचर्चा का आयोजन किया।

10. लेखक मंच पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने 'वीरगाथा : हिमाद्रि तुंग शृंग से' विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन किया। इस अवसर पर वक्ताओं के रूप में जेनरल जी डी बक्षी और ब्रिगेडियर बी डी मिश्रा उपस्थित थे।

11. न्यास से प्रकाशित पुस्तक 'एक प्रयास धरती के छोर पर' पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने साहित्य मंच पर एक पुस्तक लोकार्पण-सह-परिचर्चा का आयोजन किया। इसके अतिरिक्त, एनबीटी की पुस्तक 'ढब्बूजी का धमाल' का लोकार्पण भी किया गया। पुस्तक का लोकार्पण मध्य प्रदेश के उच्चतर शिक्षा मंत्री श्री जय भान सिंह ने किया।

12. राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने बाल मंडप में एक कथावाचन सत्र 'ऑनटु दि वंडरलैंड', सेवा कुटीर के एक काव्य पाठ : 'अंधेरे से उजाले की ओर', कला संस्कृति की स्वच्छ भारत पर चित्रकला प्रतियोगिता, ज्ञान

ज्योति शिक्षा अभियान की लोक नृत्य प्रस्तुति और असम के तिनसुकिया के बच्चों की एक नृत्य प्रस्तुति समेत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया।

9 जनवरी, 2017

13. राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने थीम मंडप में लेखक से मिलिए कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें बांग्ला, हिंदी और मलयालम भाषाओं के लेखकों ने श्रोताओं से बातचीत की। इस अवसर पर उपस्थित लेखिकाएँ थीं : बांग्ला की डॉ. स्वाति गुहा, हिंदी की डॉ. अनामिका और मलयालम की सुश्री वी एम गिरिजा।

14. थीम मंडप में सुश्री कलईवाणी राजामोहन व मंडली ने तमिल अलवार संत कवि अंडाल के तिरुप्पवई पर आधारित एक कार्यक्रम का आयोजन किया।

15. थीम मंडप में 'साहित्य एवं समाज निर्माण में महिलाओं की भूमिका' विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वक्ता थे : श्री संजीव कुमार, डॉ. ममता त्रिपाठी और सुश्री कुमुद ग्रोवर।

16. मीडिया स्कैन ट्रस्ट के सहयोग से राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने लेखक मंच पर 'नेशनलिज्म एंड जर्नलिज्म इन दि प्रेजेंट सिनारियो' ('वर्तमान परिदृश्य में राष्ट्रीयता एवं पत्रकारिता') विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन किया।

17. साहित्य मंच पर संस्कार भारती के सहयोग से राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने बच्चों के लिए नैतिक कहानियों पर एक परिचर्चा का आयोजन किया।

18. राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने बाल मंडप में 'इनैक्टिंग ए स्टोरी', माध्यम साहित्यिक संस्थान के 'ह्यूमरस एंड फनी पोएम्स', आनंद विहार स्थित सर्वोदय विद्यालय के 'मीट दि ब्रेवरी अवॉर्ड विनर्स', बटरफ्लाइज के 'किताबें कुछ कहती हैं' पर एक स्किट, डिस्कोर्स एकेडमी के 'रीडिंग हैबिट एमंग चिल्ड्रेन' पर परिसंवाद और प्रो. कामेश के 'मैजिक ऑन बुक्स' समेत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया।

10 जनवरी, 2017

19. थीम मंडप में 'दि आइडिया ऑफ नेशनलिज्म इन वीमेन राइटिंग्स इन इंडिया' पर एक परिचर्चा आयोजित की गई। इस अवसर पर वक्ताओं के रूप में उपस्थित थे : डॉ. मीनाक्षी भरत, डॉ. शॉर्मिष्ठा पांजा और डॉ. अवधेश कुमार सिंह। कार्यक्रम में एनबीटी निदेशक डॉ. रीता चौधरी भी उपस्थित थीं।

20. थीम मंडप में प्रणव वछरजनी व मंडली द्वारा संत कवि गंगासती पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

21. थीम मंडप में डॉ. महीपाल लिखित एनबीटी की हिंदी पुस्तक 'पंचायत में महिलाएँ : चुनौतियाँ और संभावनाएँ' के लोकार्पण-सह-परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं में डॉ. महीपाल, डॉ. मंजू पंवार, सुश्री पामेला सिंगला, सुश्री नजमा खान और सुश्री सुषमा यादव शामिल थीं।

22. इतिहास संकलन समिति के सहयोग से राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने साहित्य मंच पर सन् 1857 के विद्रोह के विभिन्न पहलुओं पर एक परिचर्चा का आयोजन किया।

23. जर्मन बुक इंटरनेशनल कॉर्नर ने 'ग्लोबलोकल : फ्रांस, गेस्ट ऑफ ऑनर ऐट फ्रैंकफुर्त बुक फेयर' शीर्षक से एक प्रस्तुति का आयोजन किया।

24. राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने बाल मंडप में बाल लेखकों से मिलिए (मीट चिल्ड्रें'स ऑथर्स), राहें फाउंडेशन के स्किट, स्वर समर्पण के एवरी चाइल्ड सिंग, सावन किरपाल रूहानी मिशन के कथावाचन सत्र, कंसोर्टियम ऑक्टेट और आइजीएनओयू (इग्नू) के 'बेस्ट प्रैक्टिसेज इन डिवेलपिंग रीडिंग स्किल्स' पर राष्ट्रीय परिसंवाद और एमिटी यूनिवर्सिटी प्रेस के 'इन्कल्केटिंग रीडिंग हैबिट एमंग यंग रीडर्स' पर संगोष्ठी समेत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया।

11 जनवरी, 2017

25. थीम मंडप में पंजाबी अकादमी के सहयोग से राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने जानीमानी पंजाबी लेखिकाओं सुश्री सुखविंदर कौर और सुश्री चंदन नेगी के साथ एक मीट दि ऑथर एंड रीडिंग सेसन (लेखक से मिलिए और पठन सत्र) कार्यक्रम का आयोजन किया।

26. थीम मंडप में मीनू ठाकुर व मंडली द्वारा संत कवयित्री मीराबाई पर आधारित एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

27. थीम मंडप में 'हिंदी साहित्य और नारी चेतना' पर एक पैनल परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं के रूप में सुश्री शशिप्रभा तिवारी और डॉ. अवनिजेश अवस्थी उपस्थित थे।

28. ऑथर्स कॉर्नर में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने सुश्री अचला मौलिक लिखित 'डैंजेरस डिस्पैचेज' शीर्षक अपनी पुस्तक पर एक परिचर्चा का आयोजन किया।

29. राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने लेखक मंच पर महिलाओं से संबद्ध मुद्दों पर एक वार्ता का आयोजन किया।

30. शैक्षिक फाउंडेशन के सहयोग से राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने साहित्य मंच पर इफेक्ट्स ऑफ डीमॉनिटाइजेशन (नोटबंदी के प्रभाव) पर एक वार्ता का आयोजन किया।

31. दीनदयाल शोध संस्थान के सहयोग से राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने साहित्य मंच पर दत्तोपंत ठेंगड़ी पर एक वार्ता का आयोजन किया।

32. इंटरनेशनल इवेंट्स कॉर्नर में जापान फाउंडेशन द्वारा जापानीज मिनिमलिज्म एंड दि आर्ट ऑफ कीपिंग टाइडी पर एक वार्ता का आयोजन किया गया। वार्ता में कोरू मियामोतो वक्ता थे।

33. राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने बाल मंडप में ए ब्रश विद क्रिएटिविटी : इलस्ट्रेशन वर्कशॉप, प्रथम के भारत

माता के पाँच रूप, निधि पब्लिक स्कूल के लेट अस नो अवर सोलर सिस्टम, नेशनल मॉनुमेंट अथॉरिटी (राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण) की 'नेशनल मॉनुमेंट्स : ह्वाट आई नो' पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, जागो टीन्स के सेफ डिजिटल पेमेंट पर कठपुतली कार्यक्रम और टेल ट्रंक के वर्ल्ड ऑफ स्टोरीज समेत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया।

12 जनवरी, 2017

34. थीम मंडप में सुश्री जया मेहता और सुश्री स्वाति चट्टोपाध्याय द्वारा डॉ. प्रतिभा राय के ओड़िया उपन्यास 'सिलपद्मा' के अँग्रेजी अनुवाद पर आधारित ओडिसी नृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

35. साहित्य अकादेमी, दिल्ली के साथ राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने थीम मंडप में 'नारी-चेतना' पर एक परिचर्चा का आयोजन किया। इस अवसर पर उपस्थित वक्ता थीं : डॉ. चंद्रकांता, डॉ. शरद सिंह, सुश्री पंखुरी सिन्हा और डॉ. मृदुला शुक्ला।

36. राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने लेखक मंच पर रमेश पोखरियाल 'निशंक' लिखित पुस्तक 'हिमालय में विवेकानंद' के लोकार्पण-सह-परिचर्चा का आयोजन किया।

37. भारतीय भाषा मंच के साथ संयुक्त रूप से राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने लेखक मंच पर 'जर्नलिज्म एंड इंडियन लैंग्वेजेज' पर एक वार्ता का आयोजन किया।

38. साहित्य मंच पर प्रेरणा मीडिया निपुण्य संस्थान के सहयोग से राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा 'संचार की भारतीय परंपरा' पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया।

39. साहित्य मंच पर विश्व संवाद केंद्र के सहयोग से राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा 'सोशल मीडिया एंड नेशनलिज्म' पर एक परिचर्चा आयोजित की गई।

40. राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने बाल मंडप में 'स्टोरीज फ्रॉम लैंड एंड सी', हरेकृष्ण देवसरे बाल साहित्य न्यास के आओ लिखें एक कहानी, हैप्पी होराइजन ट्रस्ट के फन विद टाइपोग्राफी, जनजातीय शोध एवं विकास संस्थान के ट्राइबल पेंटिंग्स (जनजातीय चित्रकला), देल्ही सोसाइटी फॉर वेल्फेयर ऑफ स्पेशल चिल्ड्रेन (दिल्ली विशेष बाल कल्याण समिति) के वाराणसी सूफी म्यूजिक (वाराणसी सूफी संगीत) और लेखिका संघ के रेलिवैंस ऑफ स्कूल एजुकेशन इन मॉडर्न टाइम्स (वर्तमान समय में स्कूली शिक्षा की प्रासंगिकता) पर संगोष्ठी समेत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया।

13 जनवरी, 2017

41. धर्मेंद्र व मंडली द्वारा थीम मंडप में बृहदारण्यक - गार्गी संवाद पर आधारित एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

42. एनसीपीयूएल के सहयोग से राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने थीम मंडप में उर्दू कवि सम्मेलन का आयोजन

किया, जिसमें अन्य कवियों के अतिरिक्त सुश्री शाइस्ता यूसुफ, सुश्री तरन्नुम रियाज़ और सुश्री वसीम राशिद ने भाग लिया।

43. राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने थीम मंडप में जानीमानी असमिया फिल्मकार सुश्री मंजू बोरा के साथ एक वार्ता का आयोजन किया।

44. राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने साहित्य मंच पर 'साहित्य के प्रतिमान' पर एक परिचर्चा का आयोजन किया।

45. राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने बाल मंडप में प्रेजेंटिंग ए स्टोरी (कथा प्रस्तुति), एलकॉन इंटरनेशनल स्कूल के वीमेन इंपॉवरमेंट (महिला सशक्तीकरण) पर एक नाटक, बाल पुस्तक न्यास (चिल्ड्रेंस बुक ट्रस्ट) के क्रिएटिव जिम, श्रद्धा मंदिर स्कूल के माइम, चेतना इंडिया के बाल कविता कार्यक्रम, और माँ शांति संस्थान (माँ पीस फाउंडेशन) के एक स्किट कार्यक्रम समेत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया।

14 जनवरी, 2017

46. राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने थीम मंडप में 'संस्कृत साहित्य में नारी-चेतना' पर एक परिचर्चा का आयोजन किया, जिसमें वक्ताओं के रूप में अन्य लोगों के अतिरिक्त डॉ. शशिप्रभा कुमार, डॉ. मीरा द्विवेदी, डॉ. श्रीश देवपुजारी उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त, थीम मंडप में डॉ. के. वागीश व मंडली द्वारा कन्नड़ संत कवयित्री अक्क महादेवी के वचनों की एक संगीत प्रस्तुति और 'नारी तू नारायणी' पर एक वार्ता का आयोजन किया गया।

47. लेखक मंच पर माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के सहयोग से राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने इंडियन लैंग्वेजेज (भारतीय भाषाएँ) पर एक परिचर्चा का आयोजन किया।

48. साहित्य मंच पर दिल्ली पत्रकार संघ के सहयोग से राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने 'विचारधारा और सृजन' पर एक परिचर्चा का आयोजन किया।

49. इंटरनेशनल इवेंट्स कॉर्नर में एक परिचर्चा 'इंक्वायरीज ऑन कंटेंपरेरी : डायलॉग ऑन दि ग्रिमनेस' का आयोजन किया गया, जिसमें यूजेनियो वियोला और प्रेमजिश वक्ता के रूप में उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त, मार्कोस जिराल्ट टोरेंटे के साथ मीट दि ऑथर और रूबेन दारियो द्वारा दि रीजन ऑफ अहासुएरस और ब्रिटिश कैबेज तथा बूर्जेस द्वारा दि बुक ऑफ सैंड के साभिनय पाठ का आयोजन किया गया।

50. राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने बाल मंडप में एडब्ल्यूवाइसी के सुनो कहानी, एनबीटी के हाउ टु इंटर्व्यू फॉर ए स्कूल मैगजीन : वर्कशॉप, नवरत्न फाउंडेशन के विविध भारत : म्यूजिक एंड डांस प्रेजेंटेशन, नृत्यांजलि के रवींद्रनाथ टैगोर की चंडालिका पर नृत्य नाटक, एजु हब पब्लिकेशंस के कहानियों पर आधारित नृत्य-नाटक और आरजीएफ के वर्कशॉप : प्रेजेंटिंग ए स्टोरी समेत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया।

15 जनवरी, 2017

51. राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने थीम मंडप में 'मिथिला की बौद्धिक-साहित्यिक परंपरा में स्त्री लेखन' पर एक परिचर्चा का आयोजन किया। परिचर्चा में वक्ता के रूप में अन्य लोगों के अतिरिक्त डॉ. उषाकिरण खान और डॉ. नीरजा रेणु ने भाग लिया।

52. पंचनद शोध संस्थान के सहयोग से राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने साहित्य मंच पर 'भारत की सामरिक तैयारी' विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन किया।

53. इंडिया मीडिया सेंटर के सहयोग से राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने लेखक मंच पर 'डिमॉनिटाइजेशन एंड इंडिया' विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन किया।

54. राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने बाल मंडप में जम्मू-कशमीर कला, संस्कृति एवं भाषा अकादमी के स्टोरीज फ्रॉम जम्मू एंड कश्मीर, संगीत अभिनय कला संस्थान (संगीता'ज इंस्टिट्यूट ऑफ पर्फार्मिंग आर्ट्स) के फॉक, क्लासिकल म्यूजिक एंड डांस (लोक, शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य), विज्ञान एवं पर्यावरण केंद्र के कार्टून वर्कशॉप (कार्टून कार्यशाला) और स्टोरी घर की रोल ऑफ स्टोरीटेलिंग इन एजुकेशन पर संगोष्ठी समेत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया।

पुस्तक मेले

देश में पुस्तक संस्कृति का प्रोन्नयन करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर पुस्तक मेलों/प्रदर्शनियों का आयोजन करता है।

अप्रैल 2016 से मार्च 2017 की अवधि के दौरान न्यास ने नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, 2017 सहित देश के विभिन्न भागों में निम्नलिखित पुस्तक मेलों का आयोजन किया

ग्रेटर नोएडा पुस्तक मेला (12 से 18 सितंबर, 2016)

न्यास ने इंडिया एक्स्पो सेंटर, ग्रेटर नोएडा में 12 से 18 सितंबर, 2016 तक पुस्तक मेला आयोजित किया। इस मेले का आयोजन इंडिया एक्स्पोजीशन मार्ट लि. (आईईएमएल) ग्रेटर नोएडा के सहयोग से किया गया तथा इसमें जिला प्रशासन और जीएनआईडीए ने भी सहयोग प्रदान किया। इस पुस्तक मेले का उदघाटन डॉ.महेश शर्मा, माननीय संस्कृति और पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) द्वारा किया गया। श्री एन. पी. सिंह, जिला मैजिस्ट्रेट, गौतम बुद्ध नगर इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। मेले में लगभग 100 प्रकाशकों, पुस्तक वितरकों तथा पुस्तक विक्रेताओं ने भाग लिया। मेले में विभिन्न साहित्यिक कार्यक्रम और बच्चों और युवाओं के लिए विशेष कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया जिसमें कथा-वाचन के सत्र, चित्रकार कार्यशाला, कथा-मंचन, पुस्तकों और लेखकों पर प्रश्न मंच और जीवन-वृत्ति के रूप में जन-संचार विषय पर विचार-विनिमय सत्र आदि, संस्कृत भाषा और भारतीय संस्कृति पर संगोष्ठी, व्यंग्य पाठ, कहानी पाठ और कवि सम्मेलन भी शामिल थे।

कलबुर्गी पुस्तक मेला (17 से 25 सितम्बर, 2016)

न्यास ने नूतन विद्यालय कलबुर्गी के मैदान में 17 से 25 सितम्बर, 2016 के दौरान कलबुर्गी पुस्तक मेले का आयोजन किया। मेले का आयोजन जिला साहित्य परिषद,

कलबुर्गी के सहयोग से किया गया। मेले का उद्घाटन सुश्री नथोजा गीता नागभूषण, अध्यक्ष जिला साहित्य परिषद, कलबुर्गी द्वारा किया गया। मेले के दौरान 60 के लगभग प्रकाशकों, वितरकों तथा पुस्तक विक्रेताओं ने विभिन्न विधाओं की पुस्तकें प्रदर्शित की। मेले के दौरान कई सांस्कृतिक और साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें 'लेखक से मिलिए' के तीन सत्र सम्मिलित थे और इसमें विख्यात लेखकों डॉ. नटराज हूलियर, डॉ. रहमत तारीकेरा तथा मोगल्ली गणेश ने पुस्तक प्रेमियों के साथ संवाद किया।

पटियाला पुस्तक मेला (03 से 09 अक्टूबर, 2016)

न्यास ने पंजाबी यूनिवर्सिटी के मैदान में 03 से 09 अक्टूबर, 2016 तक पटियाला पुस्तक मेला का आयोजन किया। डॉ. जसपाल सिंह, कुलपति, पंजाबी यूनिवर्सिटी ने इस मेले का उद्घाटन किया। मेले में 100 से अधिक प्रकाशकों ने भाग लिया। डॉ. दिलीप कौर टिवाणा, डॉ. राजेन्द्र प्रशाद मिशर, डॉ. चंद्र प्रकाश देवल तथा डॉ. सुरजीत पातर इस अवसर पर विशेष अतिथि थे। मेले के दौरान कई सांस्कृतिक और साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें कवि सम्मेलन, विशेषज्ञों द्वारा विचार विनिमय आदि शामिल था।

ग्वालपारा पुस्तक मेला (22 से 30 अक्टूबर, 2016)

न्यास ने 22 से 30 अक्टूबर, 2016 तक ग्वालपारा कॉलेज के मैदान में ग्वालपारा पुस्तक मेले का आयोजन किया। मेले का उद्घाटन विख्यात साहित्यकार, लोक-कथा लेखक तथा ग्वालपारा कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य श्री येशे दोरजी ठोंगची ने किया। मेले में 32 के लगभग प्रकाशकों/पुस्तक विक्रेताओं ने भाग लिया तथा मेले में 100 से अधिक स्टालों पर पुस्तकें प्रदर्शित की। मेले के दौरान 'लेखक से मिलिए', कवि सम्मेलन, विशेषज्ञों द्वारा विचार विनिमय, बच्चों की गतिविधियां और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

पेरंबलूर पुस्तक मेला (27 जनवरी से 05 फरवरी, 2017)

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने म्यूनिसिपल मैदान, पेरंबलूर, तमिलनाडु में 27 जनवरी से 05 फरवरी, 2017 तक पेरंबलूर पुस्तक मेले का आयोजन किया। मेला जिला प्रशासन, पेरंबलूर, तमिलनाडु के सहयोग से आयोजित किया गया तथा इसमें देश-भर से 100 से अधिक प्रकाशकों/पुस्तक विक्रेताओं ने भाग लिया तथा 120 से अधिक स्टॉलों पर अपने प्रकाशन प्रदर्शित किए। मेले का उद्घाटन श्री श्रीनिवासन, अध्यक्ष फ्रानलक्ष्मी ग्रुप ऑफ कॉलेजस ने किया। श्री नन्द कुमार, जिलाधीश, पेरंबलूर इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। मेले के दौरान कई साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

ब्रह्मपुत्र साहित्य समारोह (28 से 30 जनवरी, 2017)

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने श्रीमंत संकरदेव कला-क्षेत्र, पंजाबारी गुवाहाटी, असम में 28 से 30 जनवरी, 2017 तक ब्रह्मपुत्र साहित्य समारोह का आयोजन किया। केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री माननीय श्री प्रकाश

जावड़ेकर ने इस समारोह का उदघाटन किया। श्री सर्वानंद सोनोवाल, माननीय मुख्यमंत्री, असम ने भी इस अवसर पर अपना सम्बोधन दिया। इस अवसर पर अन्य वक्ताओं में श्री विनोद कुआर पिपरसेनिया, मुख्य सचिव, असम सरकार, श्री बल्देव भाई शर्मा, अध्यक्ष, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत, डॉ. रीता चौधरी, निदेशक, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, श्री अजय तिवारी (आईएएस), आयुक्त तथा असम सरकार के सचिव, उच्च शिक्षा, सुश्री ममंग दाइ विख्यात कवयित्री, श्री दामोदर मौजो, विख्यात कोंकणी लेखक तथा जापान की विख्यात लेखिका सुश्री रैंडी टागुची शामिल थे।

इस तीन-दिवसीय भव्य आयोजन में मीडिया, लोकतन्त्र, बाल-लेखन, पूर्वोत्तर के साहित्य, बांग्ला साहित्य, हिन्दी साहित्य, मौखिक साहित्य तथा वन्य जीवन पर लेखन सहित विभिन्न सम-सामयिक महत्वपूर्ण मुझों पर चर्चाओं, विचार-विमर्श के कई दौर तथा पठन सत्र आदि आयोजित किए गए। भारत तथा विदेश से अन्य साहित्यकारों के साथ साथ राजीव विजेसिंहा, नरेंद्र कोहली, सुभाष कश्यप, कुल सैकिया, युवन चंद्रशेखर, सुब्रमणि, बल्देव भाई शर्मा, प्रेम जनमेजय, फ्रेंकोइस गौतीर, गियाम्पाओलो सिमी, जाह्नवी बरुआ, जेयन्थी मनोकरण, काइजद गुस्ताद, लिंडा क्रिसताँती, मरिका जोहनस्सन नेयाल हाल ने इन चर्चाओं में भाग लिया।

बॉलीवुड से महत्वपूर्ण लेखक हस्तियों जैसे आशा पारेख, शत्रुघ्न सिन्हा, राकेश ओमप्रकाश मेहरा तथा शफी अहमद ने भी इस समारोह में भाग लिया तथा पुस्तक-प्रेमियों से विचार-विनिमय किया और अपनी पुस्तकों, फिल्मों तथा बॉलीवुड में उनके जीवन के विभिन्न पक्षों के बारे में विचार साझा किए।

समापन दिवस पर, पोत विहार करते हुए पुस्तक पठन (Readings on the Cruise) का आयोजन किया गया जिसमें कवियों ने अपनी कविताओं से पाठकों का मनोरंजन किया। इस कार्यक्रम का संचालन डेस्मंड एल. के. खरमावफ्लांग ने किया।

समापन समारोह दिनांक 30 जनवरी, 2017 को आयोजित किया गया। श्री बनवारी लाल पुरोहित, माननीय राज्यपाल, असम इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। श्री वी. एस. ओबराय, सचिव, उच्च शिक्षा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने भी इस अवसर पर अपना सम्बोधन दिया।

रांची पुस्तक मेला (04 से 10 मार्च, 2017)

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने मोरबाड़ी मैदान, रांची में 04 से 10 मार्च, 2017 तक रांची पुस्तक मेले का आयोजन किया। मेले का आयोजन जिला प्रशासन, रांची के सहयोग से किया गया। देश-भर से लगभग 64 प्रकाशकों/पुस्तक विक्रेताओं ने इसमें भाग लिया तथा 80 से अधिक स्टॉलों पर अपनी पुस्तकें प्रदर्शित की। मेले का उद्घाटन वरिष्ठ पत्रकार और लेखक पद्मश्री श्री बलबीर दत्त ने किया। श्री मुकेश कुमार(आईएएस) राज्य परियोजना निदेशक (शिक्षा), झारखंड इस अवसर पर मुख्य अतिथि तथा सुश्री ऋता शुक्ला, विख्यात लेखिका विशिष्ट अतिथि थे। मेले के दौरान कई साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें पठन की संस्कृति विकसित करने में पुस्तकालयों की उल्लेखनीय भूमिका विषय पर चर्चा, कवि सम्मेलन तथा राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के हाल

ही के प्रकाशन जिसका शीर्षक 'जो खुद कसौटी बन गए' है तथा जिसके लेखक श्री प्रकाश मनु हैं, का विमोचन शामिल था।

आइजोल पुस्तक समारोह (06 से 11 मार्च, 2017)

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने जिला प्रशासन, आइजोल के सहयोग से मिजो हाइ स्कूल के मैदान में 06 से 11 मार्च, 2017 तक आइजोल पुस्तक समारोह का आयोजन किया। मेले का उदघाटन लेफ्टीनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) श्री निर्भय शर्मा, महामहिम राज्यपाल महोदय ने किया। देश भर से 45 से अधिक प्रकाशकों/पुस्तक विक्रेताओं ने 60 से अधिक स्टॉलों/स्टैंड्स पर अपने प्रकाशन प्रदर्शित किए। मेले के दौरान मिजोरम यूनिवर्सिटी ने कई साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए।

राष्ट्रीय पुस्तक समारोह (18 से 28 मार्च, 2017)

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने देशभर में 18 से 28 मार्च, 2017 तक राष्ट्रीय पुस्तक समारोह का आयोजन किया। यह समारोह राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के 60 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। समारोह के विवरण निम्नानुसार हैं :

क्रमांक	नगर	आयोजन स्थल	समारोह की तिथियाँ
1	नई दिल्ली	प्रगति मैदान	18 से 26 मार्च, 2017
2	जालंधर	देशभर यादगार हाल	18 से 26 मार्च, 2017
3	पटना	इन्दिरा गांधी साइन्स कॉम्प्लेक्स प्लेनेटेरीयम	22 से 28 मार्च, 2017
4	मुंबई	साइली इंटरनेशनल स्कूल, बोरीवली	22 से 25 मार्च, 2017
5	बेंगलुरु	बी.ई.एल. स्कूल मैदान, जल्लाहल्ली पोस्ट	22 से 28 मार्च, 2017
6	हैदराबाद	रवीद्र भारती, सैफाबाद	22 से 27 मार्च, 2017
7	सूरत	एम.टी.बी. आर्ट्स कॉलेज, सूरत	18 से 22 मार्च, 2017
8	ओड़ीशा	श्री रामचन्द्र भवन, कटक	23 से 25 मार्च, 2017

उदयपुर-गोमती राष्ट्रीय पुस्तक मेला (18 से 26 मार्च, 2017)

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने, कन्या विद्यालय, उदयपुर, त्रिपुरा के निकट स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 18 से 26 मार्च, 2017 तक उदयपुर-गोमती राष्ट्रीय पुस्तक मेले का आयोजन किया। मेले का आयोजन उदयपुर म्यूनिसिपल काउंसिल, जिला प्रशासन, गोमती तथा त्रिपुरा पब्लिशर्स गिल्ड के सहयोग से किया गया। मेले का उद्घाटन, उदयपुर इंग्लिश मीडियम हायर सेकंडरी स्कूल की नवीं कक्षा की छात्र सुश्री सुंचिता एलिस ने किया। श्री सुब्रत

देब, अध्यक्ष, उदयपुर म्यूनिसिपल काउंसिल, श्री देबानन्दा दाम, सभापति, त्रिपुरा पब्लिशर्स गिल्ड तथा श्री सुभाष बंद्योपाध्याय, एसडीएम, गोमती इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि थे। देश भर से लगभग 50 से अधिक प्रकाशकों/पुस्तक विक्रेताओं ने इसमें भाग लिया तथा 85 स्टॉलों पर अपने प्रकाशन प्रदर्शित किए। उदयपुर म्यूनिसिपल काउंसिल द्वारा मेले के दौरान कई सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं स्कूली बच्चों के लिए प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। उदयपुर म्यूनिसिपल काउंसिल द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में 250 से अधिक स्कूली बच्चों ने भाग लिया।

विदेशों में भारतीय पुस्तकों का प्रोन्नयन

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत विदेशों में भारतीय पुस्तकों के प्रचार-प्रसार हेतु अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेलों में भाग लेता है तथा विभिन्न भारतीय प्रकाशकों की चुनिंदा पुस्तकों की प्रदर्शनियों का आयोजन करता है। एनबीटी कुछ अग्रणी पुस्तक मेलों में भाग लेता है, जिनमें बोलोना बाल पुस्तक मेला, कोलंबो अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला, फ्रैंकफुर्त अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला, शारजाह अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला आदि शामिल हैं।

वर्ष 2016-17 के दौरान राष्ट्रीय पुस्तक न्यास ने निम्नलिखित अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेलों में भाग लिया।

1. बोलोना बाल पुस्तक मेला (4-7 अप्रैल, 2016)

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने इटली के बोलोग्ना स्थित पियाजा डेला कोस्तितुजियोन में 4 से 7 अप्रैल 2016 तक आयोजित बोलोना बाल पुस्तक मेले के 53वें संस्करण में भाग लिया। मेले का थीम 'फ्यूल ऑफ इमैजिनेशन' था। मेले में 70 से अधिक देशों के लगभग 1,200 प्रदर्शकों ने भाग लिया। मेले में बाल साहित्य के सर्वाधिक प्रसिद्ध लेखकों में से एक रोल्ड डहल के जन्म शताब्दी समारोह का आयोजन भी किया गया। मेले में जर्मनी सम्मानित अतिथि देश था। फ्रैंकफुर्त पुस्तक मेले और गेटे इन्स्टिट्यूट, इटालिया ने 'लुक!' शीर्षक एक प्रदर्शनी का आयोजन किया जहां जर्मनी के सर्वश्रेष्ठ समकालीन चित्रकारों की मूल कृतियाँ प्रदर्शित की गईं। पुस्तक मेले में इलस्ट्रेटर्स एग्जिबिशन के 50वें वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में सर्जियो रुज़ियर, तारो मिउरा तथा नाथन फॉक्स समेत एक निर्णायक समिति द्वारा चुनी गई चित्रकारों की कृतियों का प्रदर्शन किया गया। मेले की अन्य विशेषताएँ थीं : डिजिटल मीडिया हॉल, ट्रांसलेटर्स सेंटर और ऑथर्स कैफे। मेले में भारी संख्या में विश्व भर के लेखकों, चित्रकारों, साहित्यिक अभिकर्ताओं, वितरकों, मुद्रकों, पुस्तक

विक्रेताओं और पुस्तकालयाध्यक्षों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास ने मेले में भारत का प्रतिनिधित्व किया। मेले में एक विशेष स्टॉल लगाया गया था जिसमें एनबीटी समेत विभिन्न भारतीय प्रकाशकों द्वारा हिंदी और अँग्रेजी भाषाओं में हाल में प्रकाशित 200 से अधिक पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया। मेले में भारत के पंद्रह से अधिक प्रकाशकों ने भाग लिया।

उत्पादन अधिकारी श्री नरेंद्र कुमार ने मेले में एनबीटी का प्रतिनिधित्व किया।

2. लंदन पुस्तक मेला (12-14 अप्रैल, 2016)

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने 12 से 14 अप्रैल, 2016 तक लंदन में आयोजित लंदन पुस्तक मेले में भाग लिया। लंदन पुस्तक मेला अधिकार समझौता और प्रिंट, ऑडियो, टीवी, फिल्म तथा डिजिटल चैनलों में सामग्री की बिक्री व वितरण का वैश्विक बाजार है।

मेले में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने कैपेक्सिल के माध्यम से भाग लिया।

3. अबूधाबी अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला (27 अप्रैल से 3 मई, 2016)

देश भर के 19 प्रकाशकों के साथ राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने इस मेले में भाग लिया। भारतीय मंडप में अँग्रेजी, हिंदी, मलयालम, तमिल, तेलुगु और उर्दू भाषाओं की 300 से अधिक पुस्तकें प्रदर्शित की गईं। संयुक्त अरब अमीरात में भारत के राजदूत श्री टी. पी. सीताराम ने मेले में एनबीटी के मंडप का उद्‌घाटन किया। अबू धाबी उन तीन शहरों में से एक है जहाँ भारी संख्या में भारतीय आप्रवासी रहते हैं। एनबीटी के स्टॉल पर भारी संख्या में आगुंतकों की भीड़ देखी गई। पुस्तक प्रेमियों ने बाल पुस्तकों तथा उर्दू पुस्तकों के प्रति गहरी अभिरुचि दिखाई।

हिंदी संपादक श्री पंकज चतुर्वेदी एवं सहायक निदेशक (प्रशासन) श्री अमित कुमार सिंह ने भारत का प्रतिनिधित्व किया।

4. एशियन फेस्टिवल ऑफ इंडियन कंटेंट, सिंगापुर (25-29 मई 2016)

न्यास ने नेशनल लाइब्रेरी बिल्डिंग, सिंगापुर में 25 से 29 मई, 2016 तक आयोजित एशियाई बाल साहित्य उत्सव में भाग लिया। जापान एफसीसी में केंद्र-बिंदु था। सिंगापुर और जापान ने अपने बीच राजनयिक संबंधों की 50वीं वर्षगाँठ का समारोह मनाया। जापान के 17 लेखकों, अनुवादकों, चित्रकारों और अन्य उद्योग विशेषज्ञों के एक प्रतिनिधिमंडल ने जापानी बाल साहित्य के इतिहास और बाल पुस्तकों के प्रकाशन में नवीनतम रुझानों और विकास की सूक्ष्म जानकारी दी। 'दि हिस्ट्री ऑफ जैपेनीज पिक्चर बुक्स : फ्रॉम दि ई-इंगक्यो टु दि फैमिली ऑफ फोर्टीन' (जापान के चिहिरो आर्ट म्यूजियम के सहयोग से) शीर्षक एक विशेष प्रदर्शनी में आरंभिक हियान काल (8 वीं

शताब्दी) से आधुनिक काल तक की चित्र पुस्तकों के जापानी सचित्र कथावाचन के सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किए गए।

भारत के लिए एक विशेष स्टॉल का प्रबंध किया गया था, जिसमें राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने देश भर के विभिन्न प्रकाशकों द्वारा अंग्रेजी और हिंदी में प्रकाशित 150 से अधिक पुस्तकों का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी में भारी संख्या में पहुँचे पुस्तक प्रेमियों ने भारत के बाल साहित्य में गहरी रुचि प्रदर्शित की।

उत्सव में सहायक संपादक (अंग्रेजी) श्री द्विजेन्द्र कुमार ने एनबीटी का प्रतिनिधित्व किया।

5. नेपाल अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला (27 मई से 4 जून, 2016)

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने काठमांडू (नेपाल) में 27 मई से 4 जून, 2016 तक आयोजित नेपाल अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले में भाग लिया। नेपाल अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला प्रकाशकों, वितरकों, पुस्तक विक्रेताओं, मुद्रकों, अनुवादकों, कलाकारों, लेखकों, मल्टमीडिया के आपूर्तिकर्ताओं और प्रकाशन उद्योग के अन्य संबद्ध लोगों तथा संस्थाओं के लिए व्यापार के अवसरों का पता लगाने का एक आदर्श मंच है। पाठकों, शिक्षाविदों, पुस्तकालयाध्यक्षों और जनसाधारण के लिए भी यह एक आदर्श मंच है जहां विभिन्न विषयों की पुस्तकों की उनकी खोज और जिज्ञासा पूरी होती है।

मेले में लेखा पदाधिकारी श्री श्याम लाल कोरी (एनआरओ) और सहायक (प्रदर्शनी) श्री सुरिंदर कुमार आर्य ने एनबीटी का प्रतिनिधित्व किया।

6. बीजिंग अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला (24 से 28 अगस्त, 2016)

न्यास ने चीन अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र में 24 से 28 अगस्त, 2016 तक आयोजित बीजिंग अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले (बीआईबीएफ) में भाग लिया। मेले में मध्य एवं पूर्वी यूरोपीय देश (सीईईसी) सम्मान्य देश थे। सीईसीई के प्रतिनिधिमंडल में अन्य देशों के साथ-साथ सर्बिया, स्लोवाकिया, चेक, लिथुआनिया, स्लोवेनिया, रोमानिया, मैसेडोनिया, मांटेनेग्रो, क्रोएशिया, एस्टोनिया, पोलैंड, लैटविया शामिल थे। सीईईसी देशों को आमंत्रण चीन के 'वन बेल्ट, वन रोड' प्रयास का अंग था, जो व्यापार सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदानों के माध्यम से पूर्व सिल्क रोड के समानांतर देशों से संबंध स्थापित करने का प्रयास है। प्रसंगवश, नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, 2016 में चीन सम्मानित अतिथि देश था। 78,600 वर्ग मीटर के भूभाग पर फैले बीआईबीएफ में करीब 1400 विदेशी प्रदर्शकों समेत लगभग 3,000 प्रकाशकों ने भाग लिया। मेले में कतिपय साहित्यिक कार्यक्रमों, लेखकों से मिलिए और बच्चों तथा रसोई संबंधी विषयों के आदान-प्रदान का आयोजन भी किया गया।

मेले में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने विभिन्न वर्गों के प्रकाशकों की हाल में प्रकाशित अंग्रेजी और हिंदी की 300 से अधिक पुस्तकों के साथ भाग लिया। पुस्तकों में कथा साहित्य, कथेतर साहित्य, उच्चतर शिक्षा की पाठ्य पुस्तकें और बड़ी संख्या में बाल पुस्तकें शामिल थीं। मेले में भारतीय पुस्तकों के प्रति गहरा आकर्षण था। एनबीटी ने

हमारी कई बाल पुस्तकों को चीनी में उपलब्ध कराने की संभावनाओं का पता लगाया।

अपनी 30वीं वर्षगांठ के इस अवसर पर, बीआईएफएफ ने एनबीटी को विशेष मानद प्रदर्शक पुरस्कार (स्पेशल ऑनरेरी एग्जिबिटर अवॉर्ड) से सम्मानित किया। एनबीटी निदेशक डॉ. रीता चौधरी ने पुरस्कार प्राप्त करते हुए कहा कि एक दूसरे के पुस्तक मेलों में भाग लेना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे कई विविधतापूर्ण लेखनों का मार्ग प्रशस्त होता है। आज बीआईबीएफ विस्तृत एशियाई बाजार का एक महत्वपूर्ण गवाक्ष है। यह उत्तरोत्तर अधिकार व्यापार और व्यावसायिक आदान-प्रदानों के एक मंच का रूप ले चुका है।

निदेशक डॉ. रीता चौधरी और सहायक संपादक (अंग्रेजी) श्री बिन्नी कुरियन ने मेले में एनबीटी का प्रतिनिधित्व किया।

7. कोलंबो अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला (16 से 25 सितंबर, 2016)

न्यास ने श्रीलंका के कोलंबो स्थित सिरीमावो भंडारनायक मेमॉरियल एग्जिबिशन सेंटर (सिरीमावो भंडारनायक स्मारक प्रदर्शनी केंद्र) और बीएमआईसीएच में 16 से 25 सितंबर, 2016 तक आयोजित 18वें कोलंबो अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले में भाग लिया। मेले का उद्घाटन श्रीलंका सरकार के संसदीय सुधार एवं जनसंचार मंत्री श्री गयंत करुणातिलक ने किया। इस अवसर पर प्रसिद्ध बाल साहित्य लेखिका एवं चित्रकार सुश्री कला कीर्ति सिबिल वित्रासिंघे विशिष्ट अतिथि थीं।

श्रीलंका लेखक संगठन द्वारा आयोजित साहित्यिक कार्यशालाओं में श्रीलंका साहित्य के विभिन्न पहलुओं पर आयोजित सत्रों में सिंहल और तमिल लेखकों, कवियों व शिक्षाविदों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त, कई पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रमों, परिसंवादों और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। वहीं, पठन सत्रों, चित्रकला पर सृजनात्मक कार्यशालाओं समेत बाल गतिविविधियों में अन्य लोगों के अलावा युवा पाठकों ने भाग लिया। कविता लेखन को बढ़ावा देने के एक प्रयास के रुप में संपत बैंक के 'कथापथ पवुरा' में आगंतुकों ने सिंहल में कविताएँ लिखकर उन्हें एक दीवार पर लगाया। मेले में लगभग 60 अंतरराष्ट्रीय और 150 स्थानीय प्रकाशकों ने भाग लिया।

मेले में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने अंग्रेजी, हिंदी और तमिल भाषाओं में 220 से अधिक पुस्तकों के साथ भाग लिया। इनमें देश के विभिन्न भागों के 33 प्रकाशकों की पुस्तकें शामिल थीं। एनबीटी स्टॉल पर बड़ी संख्या में गोगों की उपस्थिति दर्ज की गई। अन्य लोगों के अलावा डॉ एम शिवगुरु, एसएस (एचओसी); स्नश्री नुनयजुका, अनुवादक एवं लेखक; विद्वानों, शिक्षकों समेत भारी संख्या में लोगों ने एनबीटी स्टॉल का दौरा किया और टैगोर व महात्मा गांधी पर पुस्तकों के साथ-साथ शैक्षिक पुस्तकों, हिंदी शिक्षण पुस्तकों, रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्यों पर आधारित पुस्तकों, पंचतंत्र जैसी पौराणिक पुस्तकों, बौद्ध धर्म संबंधी पुस्तकों आदि में गहरी रुचि दिखाई।

सहायक संपादक (तेलुगु) श्री पथिपका मोहन ने मेले में एनबीटी का प्रतिनिधित्व किया।

8. फ्रैंकफुर्त पुस्तक मेला (19-23 अक्टूबर, 2016)

न्यास ने जर्मनी के फ्रैंकफुर्त में 19 से 23 अक्टूबर, 2016 तक आयोजित विशालतम अंतरराष्ट्रीय सुस्तक मेले में भाग लिया। इस वर्ष नीदरलैंड्स सम्मानित अतिथि देश रहा। सम्मानित अतिथि का थीम 'दिस इज ह्वाट वी शेयर' था जिसमें डच भाषा, साहित्य एवं संस्कृति की समृद्धि का परिचय दिया गया। उपन्यासों और लघु काहानियों, बालकों और किशोरों की पुस्तकों, कथेतर पुस्तकों, कविता की पुस्तकों, नाटकों और ग्राफिक उपन्यासों समेत डच से जर्मन में अनूदित विभिन्न वर्गों की 400 से अधिक पुस्तकें मेले का मुख्य आकर्षण थीं। जर्मनी भर में आयोजित अन्य कार्यक्रमों के अतिरिक्त विभिन्न साहित्यिक कार्यक्रमों, वाचनों, प्रदर्शनियों में सत्तर फ्लेमिश और डच लेखकों ने भी भाग लिया। इस वर्ष मेले में 100 से अधिक देशों के 7000 से अधिक प्रदर्शकों ने भाग लिया। 'स्कॉर्ली पब्लिशिंग 2020 : इनोवेशन बियांड दि कर्व' को समर्पित एसटीएम फ्रैंकफुर्त सम्मेलन, 2016; सांस्कृतिक नीति के एक मंच 'दि वेल्टेमफैंग'; ब्रसेल्स मीट्स फ्रैंकफुर्त; बिजनेस क्लब 2016 : इन्स्पिरेशन! नेटवर्किंग बिजिनेस; सीईओ टॉक्स; 'ए बुक इज ए फिल्म इज ए गेम' - पुस्तक, फिल्म एवं खेल उद्योगों के लोगों के लिए नेटवर्किंग दिवस; वाचन, कार्य निष्पादन; डच व्यंजन; वैश्विक चित्रकला पुरस्कार मेले के विशेष विषय थे।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा प्रस्तुत एक विशेष रूप से तैयार भारत मंडप मेले का एक मुख्य आकर्षण था। मंडप का उद्घाटन जर्मनी में भारत के राजदूत महामहिम श्री गुरजीत सिंह ने किया। एनबीटी की भागीदारी पर अपनी प्रसन्नता प्रकट करते हुए, राजदूत ने कहा कि विश्व के विशालतम मेलों में से एक होने के कारण फ्रैंकफुर्त पुस्तक मेला भारतीय प्रकाशकों के लिए व्यवसाय का एक अच्छा अवसर है। भारत मंडप में लगभग 30 भारतीय प्रकाशकों द्वारा अंग्रेजी और हिंदी में प्रकाशित 200 से अधिक पुस्तकें प्रदर्शित की गईं। मंडप में बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ देखी गई, जिन्होंने भारतीय पुस्तकों में गहरी रुचि का प्रदर्शन किया। मेले में उपस्थित एनबीटी निदेशक डॉ. रीता चौधरी ने विभिन्न देशों के कई प्रकाशकों और प्रतिनिधियों से चर्चा-परिचर्चा की। उन्होंने उन्हें 2017 में होने वाले नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले की जानकारी दी। नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2017 में भागीदारी के महत्व को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि मेला दक्षिण एशिया की सामग्री के स्रोत का पता लगाने का एक महत्वपूर्ण द्वार है, जिसमें प्रकाशकों को व्यवसाय के अच्छे अवसर मिलते हैं। उन्होंने उन्हें न्यास की अन्य प्रकाशन गतिविधियों की जानकारी भी दी।

मेले में उप निदेशक (कला) श्री देवव्रत सरकार ने भी एनबीटी का प्रतिनिधित्व किया।

9. शारजाह अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला (2 से 12 नवंबर, 2016)

न्यास ने शारजाह के शारजाह एक्सपो केंद्र में 2 से 12 नवंबर, 2016 तक आयोजित 35वें शारजाह अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले में भाग लिया। सुप्रीम काउंसिल और शारजाह के शासक महामहिम शेख डॉ. सुल्तान बिन मुहम्मद अल क़ासिम ने 'रीड मोर' थीम पर केंद्रित एसआईबीएफ के 35वें संस्करण का उद्?ाटन किया। युद्ध, संघर्ष एवं

प्राकृतिक आपदाओं से पीड़ित देशों में शिक्षा और संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रयासों को मान्यता प्रदान करते हुए संयुक्त राष्ट्र शैक्षिणिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यू.नई,ससीओ) को इस वर्ष के एसआईबीएफ का सम्मानित अतिथि धोषित किया गया। शारजाह के साथ अपने हित साझा करते हुए यूनेस्को ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। मेले में 2.31 मिलियन से अधिक लोगों की भीड़ देखी गई। मेले में एईडी 176 मिलियन पुस्तकों की बिक्री हुई, जो उसके साढ़े तीन दशकों के इतिहास में सर्वाधिक थी। एसआईबीएफ में 60 देशों के 1681 प्रकाशन गृहों ने लगभग 1.5 मिलियन पुस्तकों का प्रदर्शन किया। वहीं, मेले के बाल गतिविधि कार्यक्रम सांस्कृतिक गतिविधि कार्यक्रम, कल्चरल ऐक्टिविटीज प्रोग्राम, कल्चरल कैफे, कुकरी कॉर्नर और सोशल मीडिया कैफे ने विभिन्न सत्रों का आयोजन किया।

एसआईबीएफ 2016 में जानेमाने मिस्री अभिनेता इज्जत अल अलैली, अल्जीरियाई कवि एवं उपन्यासकार अहलाम मोस्तेगनीमी, सऊदी कवि डॉ. मोहम्मद अल मुक्रिन, फिलिस्तीनी कवि इब्राहिम नस्रल्लाह, इराकी शोधकर्ता व लेखक रशीद अल ख्यून, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के विशेषज्ञ डॉ. पराग खन्ना, बॅालीवुड अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा और शिल्पा शेट्टी तथा भारतीय फिल्म अभिनेता व निर्माता मम्मूटी और भारतीय सेलिब्रिटी शेफ मारिया गोरेती समेत सांस्कृतिक हस्तियों और मीडिया जक्रत के प्रसि) लोद्रों ने भाग लिया। भाग लेने वाले प्रसि) लेखकों में फंतासी उपन्यास दि मोर्टल इंस्ट्रुमेंट्स की लेखक कसांद्रा क्लेयर और न्यू यॉर्क टाइम्स के बेस्टसेलिंग और दि बर्न सीरिज के दस उपन्यासों के लेखक एरिक वान लस्टबेडर शामिल थे।

एनबीटी और एसबीए के बीच दीर्घ संबंध के मद्देनजर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत एसआईबीएफ द्वारा किरा, में दी गई छूट की दर पर सब्सिडी प्रदान कर एनबीटी के माध्यम से भाग लेने वाले भारतीय प्रकाशकों की एएसआईबीएफ में भागीदारी में सहायता करता है जहाँ प्रत्येक प्रकाशक संबद्ध पुस्तक मेलों में भाक्र लेता और प्रकाशन उद्योग व पुस्तक पठन को बढ़ावा देता है। इस वर्ष एनबीटी ने मेले में 30 भारतीय प्रकाशकों की भागीदारी में सहायता की। एनबीटी स्टॉल पर एनबीटी और देश भर के अन्य भारतीय प्रकाशकों की लगभग 350 पुस्तकें प्रदर्शित की गईं। भारतीय मंडप का उद्धाटन दुबई में भारत के वाणिज्य दूतावास की एचओसी एवं वाणिज्यदूत सुश्री दीपा जैन ने किया। एनबीटी स्टॉल पर बड़ी संख्या में मीडिया जगत के लोगों, आगंतुकों, स्कूली छागों, शिक्षकों, प्रसिद्ध व्यक्तियों और पुस्तक प्रेमियों की भीड़ देखी गई।

एनबीटी अध्यक्ष श्री बल्देव भाई शर्मा ने शारजाह बुक अथॉरिटी (एसबीए) के अध्यक्ष महामहिम अहमद बिन रक्काद अल अमीरी से भेंट की और एसआईबीएफ में भारत मंडप के साथ-साथ इस बात पर चर्चा की कि एसआईबीएफ में भारतीय पुस्तक उद्योग को कैसे आगे बढ़ाया जा सकता है, क्योंकि शारजाह और दुबई में भारी संख्या में भारतीय रहते हैं, जिन्होंने एसआईबीएफ में बढ़-चढ़कर पुस्तकें खरीदीं। श्री शर्मा ने दुबई में सीजीआई के महावाणिज्यदूत श्री अनुराग भूषण से भी मुलाकात की और दुबई व शारजाह में भारतीय स्कूलों के लिए एनबीटी की विभिन्न पुस्तकों, विशेष रूप से हाल में प्रकाशित परमवीर चक्र माला, पर चर्चा की। श्री शर्मा ने मीडिया जगत के लोगों, एसबीए के प्राधिकारियों एवं मेले में आगंतुकों के साथ भी कई बैठकें कीं।

उप निदेशक श्री कुमार समरेश और सहायक निदेशक सुश्री कंचन वांचू शर्मा ने भी एसआईबीएफ 2016 में एनबीटी का प्रतिनिधित्व किया।

10. लंदन पुस्तक मेला (14-16 मार्च, 2017)

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने 14 से 16 मार्च 2017 तक आयोजित लंदन पुस्तक मेले में भाग लिया। भारत की पुस्तकों की एक सामूहिक प्रदर्शनी लगाने के अतिरिक्त, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने भारत में ब्रिटेन के भारतीय डायस्पोरा के लेखकों के कार्य की योजना तैयार करने पर उनके विचार जानने हेतु भारतीय डायस्पोरा के लेखकों की एक बैठक का आयोजन किया। एनबीटी अध्यक्ष श्री बल्देव भाई शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित इस चर्चा में ब्रिटेन के विभिन्न भागों में बसे 15 से अधिक भारतीय लेखकों ने भाग लिया। श्री शर्मा ने एनबीटी के पुस्तक प्रकाशन और पुस्तक प्रोन्नयन कार्यक्रमों तथा भारतीय डायस्पोरा लेखकों से जुड़ने के प्रयास पर विस्तार से विमर्श किया। इस अवसर पर बोलते हुए, ब्रिटेन में भारतीय उच्चायोग के मंत्री (समन्वय) श्री ए राजन ने ब्रिटेन में भारतीय डायस्पोरा समाज की संरचना पर एक संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया, और कहा कि हालाँकि ब्रिटेन की जनसंख्या में इस समाज का अंश केवल 1 प्रतिशत है, किंतु ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद में इसका योगदान 3 प्रतिशत से अधिक है।

इस अवसर पर उपस्थित लेखकों ने बैठक के आयोजन को ''एक अभूतपूर्व कार्य'' बताते हुए एनबीटी की पहल का स्वागत किया। कुछ लेखकों ने एनबीटी के साथ जारी परियोजनाओं पर चर्चा की और यात्र वृत्रांत, बाल पुस्तकों, भारतीय वनस्पति एंव जीवजंतु जैसे विषयों पर पुस्तकों तथा भारतीय डायस्पोरा के लेखकों द्वारा लिखित काहानियों के संकलन व पद्य रचना के प्रकाशन का सुझाव भी दिया। बैठक में उपस्थित लेखकों में श्री तेजेंद्र शर्मा, सुश्री अरुणा सभरवाल, सुश्री शिखा वार्ष्णेय, सुश्री इंदु बेरोट, और सुश्री गीता शर्मा (लंदन), श्री मोहन राणा (बाथ), श्रीमती वंदना शर्मा और श्री मुकेश शर्मा (बर्मिंघम), जया वर्मा और डॉ. महिपाल वर्मा (नॉटिंघम), दिव्या माथुर (हर्टफोर्डशायर), गुरचरण सिंह (लफबॉरो), कादंबरी मेहरा (सरे) और नॉर्वे के ऑस्ले से आए श्री सुरेश चंद्र शुक्ला शामिल थे। लेखकों के अतिरिक्त, साहित्य अकादमी के सचिव श्री के एस राव, प्रकाशन विभाग के निदेशक श्री राजिंदर चौधरी, भारतीय उच्चायोग में हिंदी अधिकारी श्री तरुण कुमार और एनबीटी के पदाधिकारियों ने भी चर्चा में भाग लिया।

इसके पूर्व, लंदन पुस्तक मेले के स्पॉटलाइट ऑन इंडिया कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए, ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त माननीय श्री वाई के सिन्हा ने भारतीय प्रकाशन और संस्कृति तथा वर्ष 2017 में मनाए जा रहे भारत-ब्रिटेन संस्कृति वर्ष के अंतर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि लंदन पुस्तक मेले में भारत के लगभग 75 प्रदर्शकों और प्रकाशन जगत के अनेकानेक व्यावसायियों की भागीदारी से, भारत और ब्रिटेन के प्रकाशकों के बीच सहयोग के एक नए युग की शुरुआत होगी। तदंतर, माननीय उच्चायुक्त के साथ एनबीटी अध्यक्ष की भेंट में भारत में ब्रिटेन के भारतीय डायस्पोरा के लेखन के संस्थानीकरण और आयोजन पर चर्चा की गई, जिस पर माननीय उच्चायुक्त ने पूरा सहयोग देने का वचन दिया।

लंदन पुस्तक मेला अधिकार वार्ता और प्रिंट, ऑडियो, टीवी, फिल्म व डिजिटल चैनलों में सामग्री की बिक्री और वितरण का वैश्विक बाजार है। लगभग 50 भारतीय प्रकाशकों के कार्यों का प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने मेले में भाग लिया और अंग्रेजी, हिंदी, पंजाबी और गुजराती में 200 पुस्तकों की एक सामूहिक प्रदर्शनी का आयोजन किया। एनबीटी की प्रस्तुति लंदन पुस्तक मेले में 'स्पॉटलाइट ऑन इंडिया' फोकस का अंग थी, जिसका संयोजन एनबीटी, पीडी, साहित्य अकादमी और अन्य निजी प्रकाशकों के साथ सीएपीईएक्सआईएल (कैपेक्सिल) ने किया।

एनबीटी अध्यक्ष श्री बल्देव भाई शर्मा के नेतृत्व में 3 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में संपादक श्री कुमार विक्रम और सहायक निदेशक (प्रदर्शनी) कंचन वांचू शर्मा शामिल थे।

वर्ष 2016–17 के दौरान साहित्यिक गतिविधियाँ

पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम

1. न्यास ने 26 अप्रैल, 2016 को नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में *डैंजेरस डिस्पैचेज* के पुस्तक लोकार्पण समारोह का आयोजन किया। मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) के उच्चतर शिक्षा सचिव श्री विनय शील ओबेरॉय, भाप्रसे ने पुस्तक का लोकार्पण किया। इस अवसर पर भारत में रूस के राजदूत महामहिम श्री अलेक्जेंडर एम कदाकिन मुख्य अतिथि थे। भारत सरकार के पूर्व विदेश सचिव श्री के रघुनाथ, भाप्रसे (सेवानिवृत्त), और एनबीटी निदेशक डॉ. रीता चौधरी ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए।

2. न्यास ने जीवाजी विश्वविद्यालय के गालव सभागार में 19 जून, 2016 को *1857 का लोक संग्राम और रानी लक्ष्मीबाई* पुस्तक के लोकार्पण समारोह का आयोजन किया। विख्यात इतिहासकार और जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. आनंद मिश्रा ने पुस्तक का लोकार्पण किया। इस अवसर पर वक्ताओं के रूप में श्री प्रमोद भार्गव, डॉ. सोमदत्त गौतम, प्रसिद्ध गीतकार श्री रामप्रकाश अनुरागी, इतिहास विभाग की अध्यक्ष डॉ. संध्या भार्गव और प्रसिद्ध पत्रकार श्री देव श्रीमाली उपस्थित थे। इस अवसर पर एनबीटी अध्यक्ष श्री बल्देव भाई शर्मा भी उपस्थित थे।

3. राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने मेरठ में 10 जुलाई, 2016 को *1857 : क्रांति और क्रांतिधरा* तथा *कोमगाता मारू* नामक हिंदी की दो पुस्तकों के लोकार्पण समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के कुलपति प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा

मुख्य अतिथि थे। समारोह में उपस्थित वक्ताओं में प्रख्यात वकील डॉ. नीलकमल शर्मा, प्रसिद्ध इतिहासकार डॉ. अमित पाठक, भाप्रसे श्री आर के भटनागर और श्री ए के गांधी शामिल थे। इस अवसर पर एनबीटी के अध्यक्ष श्री बल्देव भाई शर्मा भी उपस्थित थे।

4. राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने 30 अगस्त, 2016 को हैदराबाद स्थित एनबीटी पुस्तक प्रोन्नयन केंद्र में *रानी रुद्रम्मा देवी* पुस्तक के लोकार्पण समारोह का आयोजन किया। पुस्तक का लोकार्पण तेलंगाना सरकार राजभाषा समिति के अध्यक्ष श्री देवुलपल्ली प्रभाकर राव ने किया। इस अवसर पर एनबीटी तेलुगु सलाहकार पैनल के पूर्व सदस्य और आंध्र एवं तेलंगाना बृहत इतिहास (आंध्र एंड तेलंगाना कॉम्प्रिहेंसिव हिस्ट्री) के संपादक प्रो. वकुलभरणम रामकृष्ण; प्रज्ञा भारती के अध्यक्ष श्री त्रिपुरनेनि हनुमान चौधरी तथा पुस्तक के लेखक डॉ. अलेख्य पुंजला वक्ता थे। एनबीटी अध्यक्ष श्री बल्देव भाई शर्मा ने समारोह की अध्यक्षता की। इस अवसर पर एनबीटी निदेशक डॉ. रीता चौधरी भी उपस्थित थीं।

5. न्यास ने पटना स्थित पटना संग्रहालय के कर्पूरी ठाकुर संगोष्ठी सभागार में 5 सितंबर, 2016 को एक पुस्तक लोकार्पण समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर पद्मश्री श्रीमती उषा किरण खान, भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति श्री रिपुसूदन प्रसाद श्रीवास्तव और मगही अकादमी के पूर्व निदेशक श्री उदय शंकर शर्मा तथा एनबीटी अध्यक्ष श्री बल्देव भाई शर्मा भी उपस्थित थे। समारोह में *सरदार बल्लाभभाई पटेल, गली मोहल्लों के कुछ खेल, बैजू मामा, रस्टी के कारनामे, सबका साथी सबका दोस्त, बिरसा की कहानी* और *समता के समर्थक अम्बेडकर* समेत भोजपुरी, मगही और मैथिली भाषाओं में अनुवादित एनबीटी की 15 पुस्तकों का लोकार्पण किया गया।

डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर की 125वीं जयंती

1. न्यास ने 13 अप्रैल 2016 को अहमदाबाद स्थित राष्ट्रीय जनसंचार एवं पत्रकारिता संस्थान (नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन एंड जर्नलिज्म/एनआईएमसीजे), में 'डॉ बीआर अंबेडकर और उनका शिक्षा दर्शन' विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन किया। इस अवसर पर प्रसिद्ध लेखक श्री किशोर मकवाना मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर एनआइएमसीजे के निदेशक डॉ. शीरीष काशीकर, निदेशक और संकाय सदस्य श्री कौशल उपाध्याय तथा एनबीटी अध्यक्ष श्री बल्देव भाई शर्मा भी उपस्थित थे।

2. विजयनगर श्रीकृष्णदेवराय विश्वविद्यालय के सहयोग से राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने 14 अप्रैल, 2016 को कर्नाटक के बेल्लारी में डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर की 125वीं जयंती समारोहों के अंग के रूप में 'भारत के संविधान को डॉ. बी आर अंबेडकर की देन : एक विचार' पर एक परिसंवाद का आयोजन किया। प्रसिद्ध विद्वान प्रो. जीबी नंदन ने परिसंवाद का उद्घाटन किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एम एस सुभाष ने समारोह की अध्यक्षता की। इस अवसर

पर विख्यात शिक्षाविद् डॉ. बी सरोजा, प्रसिद्ध वकील श्री वीरेंद्र पाटिल, प्रो. टी एम भास्कर, विश्वविद्यालय के कुलसचिव, डॉ. राजेंद्र प्रसाद और डॉ. शांता नाइक ने भी अपने–अपने विचार रखे।

3. भद्रक साहित्य–संस्कृति परिषद के सहयोग से राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने 14 अप्रैल, 2016 को ओडिशा के भद्रक स्थित डीआरडीए के सभागार में 'भारत के बहुभाषावाद पर अंबेडकर के विचार' पर एक परिचर्चा का आयोजन किया। इस अवसर पर हाल में ओड़िया में प्रकाशित एनबीटी की पुस्तक *स्वामी विवेकानंद : युवशक्तिरा चिरंतन प्रेरणा* का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर प्रख्यात भाषाविद् डॉ. देवेप्रसन्ना पटनायक; वाणी विहार स्थित उत्कल विश्वविद्यालय के प्रो. बसंत कुमार मलिक और भुवनेश्वर स्थित अंबेडकर अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. ब्रजमोहन मिश्रा; ओडिशा के लोकप्रिय विज्ञान लेखक प्रो. डॉ. नित्यानंद स्वाइन तथा साहित्य–संस्कृति परिषद के अध्यक्ष डॉ. दुर्योधन दास वक्ताओं के रूप में उपस्थित थे।

राष्ट्रीय पुस्तक उत्सव

1. राष्ट्रीय पुस्तक उत्सव के अंग के रूप में, तेलंगाना सरकार के भाषा एवं संस्कृति विभाग के सहयोग से राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने 22 से 27 मार्च, 2017 तक हैदराबाद के सैफाबाद स्थित रवींद्र भारती में राष्ट्रीय पुस्तक उत्सव के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। साहित्य अकादेमी पुरस्कार विजेता और एनबीटी तेलुगु सलाहकार पैनल के सदस्य ने उत्सव का उद्घाटन किया। उत्सव के दौरान *नवलेखन तेलुगु कथा संकलन, झूठ का थैला* और *नन्हे खरगोश की बुद्धिमानी* समेत एनबीटी की कई पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए पुस्तक समीक्षा पर एक कार्यशाला तथा स्कूली बच्चों के लिए निबंध और चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रमों में विभिन्न विद्यालयों और कॉलेजों के 200 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

2. राष्ट्रीय पुस्तक उत्सव के अंग के रूप में, न्यास ने 23 से 25 मार्च, 2017 तक ओडिशा के कटक स्थित श्रीरामचंद्र भवन में तीन दिवसीय साहित्य उत्सव का आयोजन किया। प्रख्यात साहित्यकार और ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता डॉ. प्रतिभा रे ने उत्सव का उद्घाटन किया। इस अवसर पर एनबीटी द्वारा ओड़िया भाषा में प्रकाशित पुस्तकों *फतुरानंदनका श्रेष्ठ हास्यगल्प, बायॉग्राफी ऑफ विनोद कानूनगो; नवलेखन : ओडिया लेखिका क्षुद्रगल्प* और *नवलेखन : बांग्ला गल्प संकलन* तथा *सिंपल लाइफ ऑफ स्वामी विवेकानंद* के ओड़िया अनुवाद का लोकार्पण किया गया। उत्सव के दूसरे दिन, 24 मार्च, 2017 को 'ओड़िया बाल साहित्य : दि फ्लाइट ऑफ इमैजिनेशन' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। *फ्रॉम पंपकिन्स टु पिक्ल्स, आँखों देखी, रिंटू एंड हिज* कंपास सहित बच्चों के लिए एनबीटी पुस्तकों के चार ओड़िया अनुवाद और *दि लॉस्ट* एंट का भी इस अवसर पर लोकार्पण भी किया गया। समापन दिवस पर, राज्य के ओड़िया गीतकारों के एक संगठन ओड़िया गीतिकवि समाज के साथ 'ओडिया लिरिक : ए क्वेस्ट फॉर म्युजिकल ब्यूटी' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

3. राष्ट्रीय पुस्तक उत्सव के अंग के रूप में, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने 23 मार्च, 2017 को प्रगति मैदान में बच्चों के लिए 'कथावाचन एवं सृजनात्मक लेखन' पर एक सत्र का आयोजन किया। इस अवसर पर प्रसिद्ध बाल साहित्य लेखक श्री प्रकाश मनु और विख्यात कथावाचक सुश्री फौजिया विशेष अतिथि थे। कार्यक्रम में पीतमपुरा केंद्रीय विद्यालय व आनंद विहार सर्वोदय विद्यालय के 200 से अधिक छात्रों और विभिन्न गैर–सरकारी संगठनों ने भाग लिया।

4. राष्ट्रीय पुस्तक उत्सव के अंग के रूप में, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने कर्नाटक के बेंगलुरु में 24–25 मार्च, 2017 तक एक दो दिवसीय साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान, एनबीटी द्वारा कन्नड़ में प्रकाशित पुस्तक *एजुकेशन इन इंडिया* का लोकार्पण और 'अचीवर्स स्पीक ऑन बुक कल्चर' विषय पर एक चर्चा/गोष्ठी का आयोजन किया गया। वक्ताओं में डॉ. कमला हंपन, श्री अब्दुल रहमान पाशा, डॉ. महाबालेश्वर राव, डॉ. ए. एन. येल्लप्पा रेड्डी, डॉ. एम. एस. मूर्ति और श्री पिचल्ली श्रीनिवास शामिल थे।

5. राष्ट्रीय पुस्तक उत्सव के अंग के रूप में, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने गुजरात के सूरत में 18 से 22 मार्च 2017 तक एक पाँच दिवसीय साहित्यिक कार्यक्रत का आयोजन किया। उद्घाटन समारोह में वीएनएसजी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. दक्षेश ठाकर, प्रसिद्ध लेखक डॉ. केशूभाई देसाई और दूरदर्शन की सहायक निदेशक डॉ. रूपा मेहता सम्मानित अतिथि थे। समारोह की अध्यक्षता सूरत स्थित एसईएस के अध्यक्ष श्री यतीश पारेख ने की। कार्यक्रम के दौरान, कवि सम्मेलन और 'गुजरात लिटरेचर', 'ईबुक्स एंड प्रिंटेड बुक्स', 'सिनेमा एंड लिटरेचर' और 'फॉक लिटरेचर' विषयों पर चार परिचर्चाओं का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त, विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 141वीं जयंती

1. सरदार वल्लभभाई पटेल की 141वीं जयंती समारोह के अंग के रूप में, 5 नवंबर, 2016 को गुजरात के वडोदरा स्थित दर्शनम सेंट्रल पार्क ऑडिटोरियम में 'राष्ट्रीय एकता में सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमिका' पर एक चर्चा/गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन वडोदरा स्थित कमलाशंकर संस्थान के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर जानेमाने शिक्षाविद् एवं पत्रकार प्रो. हरि देसाई मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम में कमलाशंकर फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप पांड्या भी उपस्थित थे।

परिसंवाद

1. न्यास ने 20–21 जून, 2016 को नई दिल्ली स्थित एम्स के चिकित्सा विभाग में 'योग एवं मानसिक स्वास्थ्य' पर एक दो दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया। कार्यक्रम में वक्ताओं के रूप में उपस्थित थे : डॉ. ए मुखोपाध्याय, डॉ. एस. एन. मिश्रा, डॉ. संतोष शुक्ला और डॉ. धनराज शर्मा। इस अवसर पर न्यास अध्यक्ष श्री बल्देव भाई शर्मा भी उपस्थित थे।

2. न्यास ने 15 सितंबर 2016 को नोएडा–ग्रेटर नोएडा पुस्तक मेले में लेखक कोना में 'संस्कृत लिटरेचर एंड इंडियन कल्चर' पर एक परिसंवाद का आयोजन किया। इस अवसर पर वक्ताओं के रूप में कालिदास संस्कृत अकादमी के पूर्व निदेशक जानेमाने विद्वान और साहित्यकार डॉ. बलदेवानंद सागर, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के वेद विभाग के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार मिश्र; और दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. बलराम शुक्ल उपस्थित थे। सत्र की अध्यक्षता जानेमाने संस्कृत विद्वान पद्मश्री डॉ. रवींद्र नागर ने की। इस अवसर पर न्यास निदेशक डॉ. रीता चौधरी भी उपस्थित थीं।

विविध

1. राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने 15 जुलाई, 2016 को नई दिल्ली के न्यास परिसर में 'महिला लेखन प्रोत्साहन' पर बैठक का आयोजन किया। बैठक में भाग लेने वालों में सुश्री चित्रा मुद्‌गल, डॉ. कमल किशोर गोयनका, डॉ. के. श्रीनिवास राव, डॉ. रवि टेकचंदानी, सुश्री सूर्यबाला, सुश्री मैत्रेयी पुष्पा, सुश्री चंद्रकांता, सुश्री क्षमा कौल, श्री बलराम, डॉ. अवनिजेश अवस्थी, श्री विवेक मिश्र और डॉ. विशेष कुमार गुप्त ने भाग लिया। इस अवसर पर न्यास अध्यक्ष श्री बल्देव भाई शर्मा और न्यास निदेशक डॉ. रीता चौधरी भी उपस्थित थीं।

2. राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने 1 से 15 सितंबर, 2016 तक 'हिंदी पखवाड़ा' का आयोजन किया। पखवाड़ा के दौरान न्यास के कर्मचारियों के लिए हिंदी सामान्य ज्ञान, निबंध लेखन और पद्य लेखन सहित तीन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पखवाड़ा के समापन दिवस पर, 'हिंदी – राजभाषा, जनभाषा और विश्वभाषा' विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जानेमाने कवि डॉ. लक्ष्मी शंकर वाजपेयी और दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अवनिजेश अवस्थी विशेष अतिथि थे।

3. न्यास ने 6–7 अक्टूबर, 2016 को पंजाब के बठिंडा में दो दिवसीय साहित्य उत्सव का आयोजन किया, जिसमें श्री मनजीत सिंह, डॉ. सतनाम सिंह जसल, श्री खुशवंत वेरगारी, श्री अतर सिंह, श्री जोरा सिंह संधू और श्री जसपाल मनखेरा समेत जानेमाने लेखकों और साहित्यकारों ने भाग लिया।

4. राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने 16 अक्टूबर, 2016 को गाजियाबाद में 'समस्या और संवेदना का सशक्त माध्यम : पत्र लेखन साहित्य' विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन किया। परिचर्चा में वक्ताओं के रूप में श्री जगदीश गोवर्धन, डॉ. रामावतार शर्मा, डॉ. डी के बहल, श्री मोहन स्वरूप भाटिया, डॉ. राजेश चंद पांडेय, डॉ. अरविंद श्रीवास्तव, श्री अशोक बंसल और डॉ. भावना शुक्ला ने भाग लिया। इस अवसर पर न्यास अध्यक्ष श्री बल्देव भाई शर्मा भी उपस्थित थे।

5. सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंग के रूप में, न्यास ने 31 अक्टूबर, 2016 को न्यास सम्मेलन कक्ष में 'पब्लिक पार्टिसिपेशन इन प्रमोटिंग इंटेग्रिटी एंड इरैडिकेटिंग करप्शन' विषय पर एक

व्याख्यान का आयोजन किया। इस अवसर पर केंद्रीय सतर्कता आयोग के पूर्व सचिव श्री ए. के. गर्दे मुख्य अतिथि थे।

6. राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने 18 नवंबर, 2016 को उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में 'इंटरनेट के युग में पुस्तक का महत्व' (इंपॉर्टेंस ऑफ बुक इन दि एज ऑफ इंटरनेट) पर एक परिचर्चा का आयोजन किया। इस अवसर पर वक्ता थे : श्री संजय शेखर, डॉ. वीर सिंह, श्री प्रदीप नारायण, श्री संजय चतुर्वेदी, श्री सोनी चौरसिया व श्री विजयशंकर चतुर्वेदी।

7. राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह समारोह के अंग के रूप में, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने 19 नवंबर 2016 को कर्नाटक के चिक्कमगलुरु में 'सेलिब्रेशन ऑफ बुक' विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन किया। सुश्री इंदिरा बी. कृष्णप्पा, श्री कलकुलि विट्ठल हेगड़े, प्रो. एच. एम. रुद्रस्वामी, श्री एन. राजू, सुश्री पद्मा तिम्मेगौड़ा और सुश्री ज्योति प्रकाश समेत विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध व्यक्तियों ने पुस्तक संस्कृति पर अपने विचार साझा किए।

8. न्यास के 2017 कैलेंडर के लिए भारत की महिला संत, कवियों–दार्शनिकों के चित्रों के चित्रांकन हेतु राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने एक पाँच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का आयोजन 21 से 25 नवंबर, 2016 तक नई दिल्ली में न्यास–सभाकक्ष में किया गया। इस अवसर पर प्राचीन भारत के विशेषज्ञ विद्वान श्री विष्णु सक्सेना मुख्य अतिथि थे। न्यास–अध्यक्ष श्री बल्देव भाई शर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर प्रसिद्ध चित्रकार सुश्री अलका रघुवंशी विशेष अतिथि थीं। इस अवसर पर न्यास– निदेशक डॉ. रीता चौधरी और संयुक्त निदेशक (उत्पादन) श्री सतीश कुमार भी उपस्थित थे।

9. अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर, 21 फरवरी 2017 को छत्तीसगढ़ के भिलाई में एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं में डॉ. सुशील त्रिवेदी, श्री दिविक रमेश, श्री सुधीर शर्मा और श्री संदीप तिवारी शामिल थे। वक्ताओं ने मातृभाषा के महत्व पर अपने विचार साझा किए।

10. राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में 25 और 26 फरवरी, 2017 को एक दो दिवसीय साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन हिमाचल प्रदेश के हिमाचल भाषा संस्कृति विभाग के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि थे : डॉ. सुदर्शन वशिष्ठ, श्री अशोक गौतम, श्री प्रत्यूष गुलेरी।

11. राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने पंजाब में जालंधर के लाडोवाली स्थित गुरु नानक देव कॉलेज में 1 और 2 मार्च, 2017 को एक दो दिवसीय साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान, 'शब्द के सामने चुनौतियाँ और समाधान' विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन किया

गया। इस अवसर पर वक्ताओं के रूप में श्री सुरेश सेठ, श्री सैनी बलजीत, श्री धरमपाल साहिल, सुश्री किरण वालिया और डॉ. जसपाल सिंह उपस्थित थे।

12. राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने 4 और 5 मार्च 2017 को राजस्थान के श्रीगंगानगर स्थित चौधरी रामजस कला सदन में एक दो दिवसीय साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर डॉ. मंगत बादल, डॉ. सत्य नारायण, श्री कश्मीरी लाल और श्री संदेश त्यागी विशेष अतिथि थे।

13. राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने 21 मार्च, 2017 को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया। श्री लक्ष्मी शंकर वाजपेयी, श्री सुरेश पांडेय, श्री राकेश पांडेय और सुश्री निवेदिता दिनकर समेत प्रसिद्ध साहित्यकारों ने भाग लिया।

14. राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने 24 और 25 मार्च, 2017 को छत्तीसगढ़ के चांपा–जांजगीर में एक दो दिवसीय साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान व्यंग्य, कविता और कथाओं पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें अन्य लोगों के अतिरिक्त श्री अनूप श्रीवास्तव, डॉ. दिविक रमेश और श्री तनवीर हसन ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

15. राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने पंजाब के जालंधर में 17 से 25 मार्च 2017 तक आयोजित जालंधर पुस्तक उत्सव के दौरान साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन किया।

भारत-चीन अनुवाद कार्यक्रम

सांस्कृतिक राजनय की एक उल्लेखनीय पहल के तौर पर भारत सरकार और चीन गणतंत्र की सरकार ने एक महत्वाकांक्षी अनुवाद कार्यक्रम का प्रस्ताव रखा है जिसमें 25 चुनिन्दा प्राचीन और समकालीन कृतियों का चीनी भाषा से हिन्दी में तथा भारतीय साहित्यिक कृतियों का चीनी भाषा में अनुवाद किया जाना शामिल है। इस पहल को प्रभावी बनाने हेतु भारत सरकार के विदेश मंत्रालय तथा चीनी गणतंत्र के प्रेस, पब्लिकेशन, रेडियो, फिल्म एवं टेलीविजन राज्य प्रशासन के बीच प्राचीन और समकालीन साहित्य के परस्पर अनुवाद एवं प्रकाशन सहयोग के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाने की परियोजना राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत को सौंपी गई है। इस परियोजना के कार्यान्वयन हेतु विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के विदेशी प्रचार तथा लोक राजनय प्रभाग तथा राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने 25 चीनी कृतियों का हिन्दी भाषा में अनुवाद करने के लिए दिसम्बर, 2015 में एक सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

वर्ष के दौरान, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के विदेश प्रचार तथा लोक राजनय प्रभाग के साथ मिलकर दिनांक 06 मार्च, 2017 को अशोक होटल, नई दिल्ली में 'भारत-चीन अनुवाद कार्यक्रम' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

डॉ. रीता चौधरी, निदेशक, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत तथा श्री एम.एल.के. राजा, विशेष कार्य अधिकारी (विदेश प्रचार तथा लोक राजनय प्रभाग (XPD division), विदेश मंत्रालय, भारत सरकार इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि थे। श्री लिउ हैंग, उपाध्यक्ष, एनसाइक्लोपीडिया ऑफ चाइना पब्लिशिंग हाउस, बीजिंग, श्री तेंग जेनवे, निदेशक, मानविकी तथा सामाजिक विज्ञान शाखा, एनसाइक्लोपीडिया ऑफ चाइना

पब्लिशिंग हाउस, बीजिंग तथा सेंटर फॉर साउथ एशियन स्टडीज, पेकिंग यूनिवर्सिटी के निदेशक प्रो. जियांग जिंगकुल, परियोजना के चीनी पक्ष के मुख्य संपादक ने इस कार्यशाला में चीन का प्रतिनिधित्व किया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता प्रोफेसर बी.आर. दीपक, चीनी और दक्षिण-पूर्व एशियाई अध्ययन केंद्र (सेंटर फॉर चाइनीज एंड साउथ ईस्ट एशियन स्टडीज), जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय ने की।

इस कार्यशाला में उन अनुवादकों ने भाग लिया जिन्हें चुनिन्दा चीनी रचनाओं के हिन्दी में अनुवाद का काम सौंपा गया है जिसमें नालंदा विश्वविद्यालय के कार्यकारी कुलपति प्रोफेसर एन.एम. पंकज, सुश्री दयावन्ती, सहायक प्रोफेसर (चीनी और दक्षिण-पूर्व एशियाई अध्ययन केंद्र) जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, सुश्री तन्वी नेगी, सहायक प्रोफेसर दून विश्वविद्यालय, श्री कौशल कपूर, सहायक प्रोफेसर (चीनी और दक्षिण-पूर्व एशियाई अध्ययन केंद्र) जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, सुश्री अर्पणा राज, सहायक प्रोफेसर, झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय, श्री संदीप बिस्वास, सहायक प्रोफेसर, झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय, श्री इरफान अहमद, सहायक प्रोफेसर सिक्किम विश्वविद्यालय, सिक्किम तथा श्री स्वामी कुन्दन किशोर, सहायक प्रोफेसर, गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय शामिल थे।

कार्यशाला को दो सत्रों 'चीनी प्राचीन साहित्यिक पुस्तकों का अनुवाद' तथा 'आधुनिक चीनी साहित्य का अनुवाद' में विभाजित किया गया था। इन सत्रों में सहभागियों ने चीनी कृतियों का हिन्दी में अनुवाद करते समय उनके समक्ष प्रस्तुत चुनौतियों तथा उनके कार्य की स्थिति पर चर्चा की। अभी तक लगभग 20 चीनी साहित्यिक पुस्तकों को अनुवाद हेतु सौंपा जा चुका है जिसमें से छह उत्पादन के विभिन्न चरणों में हैं।

59वाँ स्थापना दिवस समारोह

डॉ. एन के सिंह ने कहा, ''वर्तमान समय में, हमारे समाज में सामूहिक चेतना पर्याप्त नहीं है क्योंकि हमारे देश की साक्षरता दर अधिक नहीं है।'' वह नई दिल्ली के वसंत कुंज स्थित न्यास–परिसर में 17 अगस्त 2016 को आयोजित 'बुक्स एंड रीडिंग इन टुडेज इंडिया (आज के भारत में पुस्तकें एवं पठन) पर पाँचवाँ एनबीटी स्थापना दिवस व्याख्यान प्रस्तुत कर रहे थे।

डॉ. एन के सिंह ने कहा, ''ज्ञान और साक्षरता की कमी ने हमारे समाज को दुर्बल कर दिया है।'' उनका मानना था कि लोगों की अज्ञानता के कारण बाजार की शक्तियों को लाभ मिलता है। अपने उत्पादों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लोगों की विचार प्रक्रिया को कुंद करने के लिए वे इस कमजोरी का उपयोग करते हैं।

लोगों की, विशेष रूप से भारत के युवाओं की पढ़ने की आदत पर बोलते हुए, डॉ. एन के सिंह ने कहा कि लोग पुस्तकें प्रायः नहीं पढ़ते, किंतु फेसबुक और व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया के विभिन्न प्लैटफॉर्मों पर उपलब्ध लघु अंश पढ़ना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा कि इन प्लैटफॉर्मों के माध्यम से मिलने वाली जानकारी विश्वसनीय नहीं होती, क्योंकि यह अधूरी और अस्पष्ट होती है।

डॉ. एन के सिंह ने कहा, ''इस अधूरी जानकारी तथा ज्ञान ने हमारे समाज को अज्ञान और तर्कहीनता के प्रति प्रेरित कर दिया है।'' इस तरह, हम त्रुटिपूर्ण जानकारी से आसानी से प्रभावित हो जाते हैं जिसके फलस्वरूप समाज में संघर्षों का मार्ग खुल जाता है। उन्होंने इस पर बल दिया कि अपने विचारों को तर्कसंगत बनाने के लिए हमें सही ज्ञान अर्जित करना चाहिए। उनका मानना था कि एनबीटी जैसी संस्थाएँ उचित मूल्य पर अच्छी पुस्तकें उपलब्ध कराते हुए लोगों के बीच जागरूकता का संचार करने में एक अहम भूमिका निभा सकती हैं।

डॉ. एन के सिंह ने अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पुस्तकें ज्ञान प्रदान करती हैं जो जीवन की गुणवत्ता और समाज में लोगों की तर्क क्षमता के संवर्धन में सहायता करता है। समाज में ज्ञान के संवर्धन में सरकारी संस्थाएँ अहम भूमिका निभा सकती हैं। वे हमारे समाज के ज्ञान की आपूरक हैं। उन्होंने कहा कि निजी प्रकाशकों पर बाजार की शक्तियों का प्रभाव होता है, इसलिए यह कार्य उनके लिए कठिन है।

डॉ. एन के सिंह ने कहा कि टेक-सेवी और स्मार्टफोन आदि का इस्तेमाल करने वाले पाठकों तक पहुंच कायम करने के लिए एनबीटी वाजिब मूल्यों पर ई-पुस्तकें भी उपलब्ध करा सकता है।

एक पत्रकार के रूप में अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने समाज के उत्थान में मीडिया की भूमिका का उल्लेख भी किया। उन्होंने कहा कि उदाहरण के लिए दर्शकों तक सही तथ्य पहुँचाने और इन मुद्दों को समझने में उनकी सहायता करने हेतु इलेक्ट्रनिक मीडिया जानेमाने वक्ताओं से परिचर्चा और विमर्श कर समाज से संबद्ध महत्वपूर्ण मुद्दों का प्रसार करते हैं।

सत्र के दौरान, उन्होंने भारतीय नीति में हो रहे परिवर्तनों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आजकल हमारी नीति पर बाजार की शक्तियाँ और उपभोक्तावाद हावी है। उन्होंने कहा कि भारतीय नीति एक सुदृढ़ नीति है और समाज के लिए उत्तम है। हमें इसे बरकरार रखना चाहिए। पुस्तकें ज्ञान प्रदान करने के स्रोतों में से एक हैं, और इसीलिए हमें अच्छी पुस्तकें पढ़ने को प्रोत्साहित करना चाहिए।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में एनबीटी के अध्यक्ष श्री बल्देव भाई शर्मा ने कहा कि किसी समाज का भविष्य ज्ञान के आधार पर निर्भर करता है। एक सच्चा ज्ञान वह है जो लोगों के बीच एकता की भावना उत्पन्न करता है। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत देश के लोगों के बीच जागरूकता का संचार करने में एक महती भूमिका का निर्वाह करता है, जो देश की सेवा के लिए प्रतिबद्धता और ललक तीव्र इच्छा शक्ति से अर्जित की जा सकती है।

इससे पहले, एनबीटी निदेशक डॉ. रीता चौधरी ने इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि पुस्तकें नया दृष्टिकोण और एक नया भारत प्रदान करेंगी जहां लोग न केवल पढ़ सकेंगे बल्कि भारतीय परंपरा की सद्‌भावना को भी समझ पाएंगे और समाज के उत्थान में सहयोग करेंगे।

इस अवसर पर, न्यास की 25 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके कर्मियों को भी सम्मानित किया गया।

एनबीटी स्थापना दिवस व्याख्यानों की शृंखला की यह पांचवीं कड़ी है। यह वार्षिक व्याख्यानमाला वर्ष 2013 में शुरू की गई। व्याख्यानमाला का उद्‌देश्य विद्वान महिलाओं व पुरुषों, पंडितों, बंद्धिजीवियों और प्रकाशन जगत में महत्वपूर्ण योगदान करने वाले अन्य लोगों के बीच से प्रसिद्ध व्यक्तियों को आमंत्रित कर आज के संदर्भ में पुस्तकों और पढ़ने के महत्व को बढ़ावा देना है। इससे पहले डॉ. शशि थरूर, प्रो. आंद्रे बेतिले, सुश्री शशि देशपांडे और प्रो. कपिल कपूर ने व्याख्यान प्रस्तुत किए थे।

पूर्वोत्तर में गतिविधियाँ

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए अपनी विकास परियोजना के अंतर्गत, जो पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए एक विशेष योजना है, वर्ष 2016–17 के दौरान पुस्तक प्रोन्नयन की बहुत सी गतिविधियाँ आयोजित की जहाँ तक पूर्वोत्तर में पुस्तक प्रोन्नयन गतिविधियों में नई प्रवृत्तियाँ स्थापित करने का प्रश्न है, पिछले कुछ वर्षों की भाँति वर्ष 2016–17 भी राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण और सफल वर्ष रहा है। सभी हितधारकों को एक छत के नीचे लाने के राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के प्रयासों में प्रकाशकों, पुस्तक विक्रेताओं, लेखकों, गैर सरकारी संगठनों तथा पुस्तक–प्रेमियों ने सहायता प्रदान की जिससे पूर्वोत्तर में निरंतर गतिशील हो रहे पठन आंदोलन को नया बल मिला है। न्यास पूर्वोत्तर में अपने पाठकों का दायरा बढ़ाने में सफल रहा है।

असम में अनुवाद कार्यशाला

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत ने 29 से 31 जुलाई, 2016 तक ऊपरी असम के गोलाघाट जिले के धनश्री उप–संभाग के मुख्यालय सरुपाथर, में बोडो लेखक अकादमी के सहयोग से तीन–दिवसीय अनुवाद कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का आयोजन नेहरू बाल पुस्तकालय शृंखला के अंतर्गत लाए गए न्यास के बाल–प्रकाशनों में से कुछेक के बोडो भाषा में अनुवाद के लिए किया गया था। यह कार्यशाला बोडो लेखक अकादमी द्वारा आयोजित विशेष साहित्यिक समारोह का अंग थी जिसमें पूरे असम से बोडो लेखक और बुद्धिजीवी एकत्रित हुए थे।

सरुपाथर कॉलेज ऑडिटोरियम में 29 जुलाई, 2016 को इस कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए विख्यात लेखक और अनुवादक तथा धनश्री उप–संभाग के सब डिवीजनल मजिस्ट्रेट श्री नरेन सी. बसुमतरी, एसीएस ने बोडो

बाल–साहित्य को समृद्ध बनाने के लिए कार्यशाला आयोजित करने के लिए न्यास की सराहना की तथा कार्यशाला के सहभागियों का आह्वान किया कि वे बोडो तथा अन्य भारतीय भाषाओं के बीच साहित्यिक आदान–प्रदान में सहायक हों। श्री राजेन बसुमतरी, उप सभापति बोडो लेखक अकादेमी ने भी इस अवसर पर अपना सम्बोधन दिया।

प्रसिद्ध शिक्षाविद्, लेखक और बोडो भाषा के लिए पहली बार साहित्य अकादेमी पुरस्कार विजेता डॉ. मंगल सिंह हजोवारी इस अनुवाद कार्यशाला के लिए विशेषज्ञ थे।

असम के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कोकराझार, धूपगिरि, बिजनी, दांगरीगाँव, धेमाजी, उरियमघाट, घोरामारी, बरमा, माहारीपारा, उदलगुरी आदि से लगभग 30 सहभागियों ने कार्यशाला में भाग लिया। इस कार्यशाला में लगभग 25 अनूदित पाण्डुलिपियों को अंतिम रूप दिया गया जिनमें *बन बन नामर गर पौवलितो* (असमिया), *धनेश पौवालीतो यूरिबोलोई सीकिले* (असमिया), *एक यात्रा* (हिन्दी), *नन्हे सूरज* (हिन्दी) तथा *स्टो अवे* (अँग्रेजी) शामिल थे।

इसके अतिरिक्त, न्यास ने 19 से 23 अक्तूबर, 2016 तक ग्वालपारा पुस्तक मेला, शिलांग में पुस्तक प्रकाशन का प्रशिक्षण कार्यक्रम (15 से 22 नवंबर, 2016), ब्रह्मपुत्र साहित्य समारोह (07 से 15 जनवरी, 2017), आइजोल पुस्तक समारोह (06 से 11 मार्च, 2017), उदयपुर–गोमती राष्ट्रीय पुस्तक मेला (18 से 26 मार्च, 2017) एवं बोडो साहित्य समारोह (19–20 मार्च,2017) का आयोजन भी किया ।

जम्मू-कश्मीर में आयोजित गतिविधियाँ

जनता, विशेष रूप से युवाओं के बीच पुस्तकों के प्रति रुझान उत्पन्न करने तथा पुस्तक प्रेमियों को कम मूल्य पर पुस्तकें उपलब्ध करवाने के लिए राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत, देश भर में पुस्तक मेलों, सचल प्रदर्शनियों तथा पुस्तकों से संबन्धित अन्य गतिविधियां जैसे विशेषज्ञों द्वारा चर्चा, पुस्तक लोकार्पण समारोहों, संगोष्ठियों आदि का आयोजन करता आ रहा है। इस उद्देश्य को बढ़ावा देने के लिए तथा जम्मू व कश्मीर के पुस्तक प्रेमियों की निरंतर बढ़ती माँगों को ध्यान में रखते हुए, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास पिछले कई वर्षों से इस क्षेत्र में ऐसी गतिविधियों का आयोजन करता आ रहा है। समीक्षाधीन अवधि में निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गईं :

जम्मू में बाल पठन सामगी का समारोह (दिनांक 24 से 27 मार्च, 2017 तक)

राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र द्वारा दिनांक 24 से 27 मार्च, 2017 तक जम्मू में बाल पठन सामगी का समारोह आयोजित किया गया था। इस समारोह के दौरान, जम्मू-कश्मीर कला, संस्कृति एवं भाषा अकादमी के सहयोग से 'जम्मू व कश्मीर की भाषाओं में बाल साहित्य की स्थिति' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं में अन्य के अतिरिक्त डॉ. अजीज हजिनी, गुलाम नबी आतिश, डॉ. भैरुंलाल गर्ग, डॉ. आर.एल. शांत, डॉ. प्यारे लाल हताश तथा डॉ कुंजन आचार्य शामिल थे। इस अवसर पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के प्रकाशनों की एक प्रदर्शनी भी के. एल. सहगल हॉल में आयोजित की गई थी।

सचल पुस्तक प्रदर्शनी

स्थानीय प्रशासन तथा बुद्धिजीवियों के सक्रिय सहयोग से राष्ट्रीय पुस्तक न्यास ने निम्नलिखित पुस्तक परिक्रमा (सचल पुस्तक प्रदर्शनी) का आयोजन जम्मू व कश्मीर में किया जिसके दौरान क्षेत्र के विभिन्न दूर-दराज क्षेत्रों के पाठकों को पुस्तकें उपलब्ध करवाई गई।

इसके अतिरिक्त जम्मू व कश्मीर से संबन्धित कई गतिविधियां दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आयोजित की गई जिसमें 15 सितम्बर, 2016 को नोएडा-ग्रेटर नोएडा पुस्तक मेला में कश्मीर की लोक कथाओं पर कथा-वाचन का सत्र भी शामिल था। इसमें अजहर हजिनी कश्मीरी टी.वी. प्रस्तुतकर्ता तथा डीजे ने बच्चों से संवाद किया। 15 जनवरी, 2017 को नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, 2017 के दौरान बच्चों के पवेलियन में ईटीवी उर्दू, हैदराबाद के ईशान शालीमारी द्वारा कहानी सत्र आयोजित किया गया तथा न्यास द्वारा जम्मू व कश्मीर कला, संस्कृति और भाषा अकादमी के सहयोग से पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र द्वारा आयोजित गतिविधियाँ

संगोष्ठी

1. उत्तराखंड के देहरादून स्थित ऑफिसर ट्रांजिट होम में 27 जून, 2016 को एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री नंद किशोर हर्तवाल, मुकेश नॉटियाल, श्री मनोहर चमोली मनु और श्री देवेन मेवाड़ी विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित थे।

अभिमुखीकरण कार्यक्रम

1. उत्तराखंड के देहरादून स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में 28 जून, 2016 को पाठक मंच आंदोलन के एक अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

2. हरियाणा के करनाल में 11 जुलाई 2017 को पाठक मंच आंदोलन पर आधारित एक अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती क्षमा शर्मा और प्रो. नवदीप कौर विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित थीं।

3. नई दिल्ली के द्वारका स्थित सीसीआरटी में 16 फरवरी 2017 को पाठक मंच आंदोलन के एक अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

4. पंजाब के पानीपत स्थित एस. डी. कॉलेज में 4 मार्च, 2017 को पाठक मंच आंदोलन का एक अभिमुखीकरण आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. नासिरा शर्मा, डॉ. सोमा बंद्योपाध्याय और डॉ. गुरुमीत सिंह विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित थे।

कथावाचन

1. दिल्ली पुस्तक मेला 2016 के दौरान 1 सितंबर, 2016 को एक कथावाचन उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें चार लेखकों/कथावाचकों सुश्री नवीन

मेनन, श्री प्रयाग शुक्ल, सुश्री फौजिया और श्री किशोर श्रीवास्तव शामिल थे।

2. ग्रेटर नोएडा पुस्तक मेले के दौरान 15 सितंबर 2016 को कश्मीर की लोक कथाओं पर एक कथावाचन सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कश्मीरी टीवी एंकर और आरजे अजहर हजीनी ने कुछ कहानियाँ पढ़ीं।

3. नई दिल्ली के पटेल चौक मेट्रो संग्रहालय में दिल्ली मेट्रो के सहयोग से 26 सितंबर, 2016 को एक कथावाचन सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दो कथावाचक श्रीमती जयश्री सेठी और फौजिया उपस्थित थीं, जिन्होंने न्यास की 'वीरगाथा' माला पर चर्चा की।

4. प्रगति मैदान में 23 मार्च, 2017 को कथावाचन एवं बाल सृजनात्मक लेखन पर एक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें श्री प्रकाश मनु और एमएस फौजिया ने बच्चों से बातचीत की और अपने अनुभव साझा किए।

कार्यशाला

1. ग्रेटर नोएडा पुस्तक मेले के दौरान 15 सितंबर 2016 को नृत्य नाटक पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का संचालन प्रसिद्ध रंगमंच कलाकार श्री मनीष पांडे और नर्तकी एमएस आरोही लायल ने किया।

2. दिल्ली के जनकपुरी स्थित निगम प्रतिभा विद्यालय में सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती समारोह के अवसर पर 5 नवंबर, 2016 को 'राष्ट्रीय एकता' विषय पर बच्चों एवं शिक्षकों के लिए एक कथा-लेखन कार्यशाला का आयोजन किया गया। सत्र का संचालन श्री प्रकाश मनु और श्री राकेश चक्र ने किया।

3. उदयपुर स्थित एम. एस. विश्वविद्यालय में 21 नवंबर, 2016 को 'हाउ टु राइट फॉर चिल्ड्रेन' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों का 'देश' के संपादक श्री संजय जैन और डॉ. भैरूंलाल गर्ग ने बच्चों से बातचीत की।

4. असम के चिरांग में 19-20 मार्च, 2017 को आयोजित बोडो साहित्य उत्सव के दौरान सृजनात्मक लेखन और चित्रांकन पर बच्चों के लिए दो कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। जानेमाने बोडो लेखक श्री राखाव बासुमतारी और श्री मनेश्वर ब्रह्मा तथा प्रसिद्ध चित्रकार श्री धनसिंग बासुमतारी और श्री उत्पल तालुकदार ने बच्चों से बातचीत की।

वार्तालाप सत्र

1. 2 दिसंबर, 2016 को आजमगढ़ पुस्तक मेले के दौरान बच्चों और युवाओं के साथ लेखक व चित्रकार के एक वार्तालाप सत्र का आयोजन किया गया। सत्र में श्रीमती क्षमा शर्मा और डॉ. मंजुला चतुर्वेदी विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित थीं।

सहयोग

1. जम्मू-कश्मीर कला, संस्कृति एवं भाषा अकादमी के सहयोग से जम्मू में 24-26 मार्च, 2017 तक एनसीसीएल द्वारा जम्मू और कश्मीर की भाषाओं में बाल सामग्री उत्सव का एक आयोजन किया गया। उत्सव में डॉ. अजीज हजीनी, श्री गुलाम नबी आतश, डॉ. भैरूंलाल गर्ग, डॉ. आर एल शांत, डॉ. प्यारेलाल हताश और डॉ. कुंजन आचार्य विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित थे।

प्रकाशन

1. बच्चों की द्विभाषी त्रैमासिक पत्रिका 'रीडर्स क्लब बुलेटिन' (4 अंक) का संपादन और प्रकाशन।

2. एनसीसीएल पुस्तकालय की पुस्तकों की एक आधिकारिक सूची : 'संदर्भ ग्रंथ एवं विश्वकोश 2017'।

पुस्तकालय सदस्यता

राबासाकें पुस्तकालय में 17 नए सदस्यों को नामांकित किया गया है।

गणमान्य व्यक्तियों का राबासाकें पुस्तकालय का निरीक्षण

प्रमुख व्यक्तियों जैसे जेएनयू की प्रोफेसर चित्र हर्षवर्धन, सिंगापुर के शिक्षाविद् श्री लैन यू-जिन, जेआरएस, दक्षिण एशिया के श्री एंटनी अरुलराज, जेआरएस, दक्षिण एशिया; मा शांति संस्थान की अध्यक्ष सुश्री कामना झा, पर्थ, ऑस्ट्रेलिया के डॉ. केन स्पिलमैन, शिक्षाविद् डॉ. अनिल गोयल सवेरा, मिजोरम विश्वविद्यालयय के डॉ. लालंगायजुआली, मिजोरम विश्वविद्यालय के डॉ. मनोज कुमार, गुड़गाँव पीएनबी की वरिष्ठ प्रबंधक सुश्री मीनाक्षी मैनी बत्रा और कालिंदी कॉलेज के प्रॉफेसर राम्या जोसेफ जैसे गणमान्य व्यक्तियों ने राबासाकें पुस्तकालय का दौरा किया।

न्यास की विभिन्न पुस्तक मेलों/प्रदर्शनियों में भागीदारी की क्षेत्रवार सूची

पश्चिमी क्षेत्रीय कार्यालय, मुंबई

क्र.सं.	पुस्तक मेला/प्रदर्शनी	तारीख	
		से	तक
1.	अहमदाबाद पुस्तक मेला	01.05.2016	07.05.2016
2.	जलगांव प्रदर्शनी, जलगांव	09.09.2016	14.09.2016
3.	भावनगर के.वि. प्रदर्शनी, भावनगर	10.09.2016	15.09.2016
4.	अकोला प्रदर्शनी, अकोला	24.09.2016	02.10.2016
5.	अहमदाबाद के.वि. प्रदर्शनी	03.10.2016	05.10.2016
6.	पु.ल. देशपांडे कला अकादमी, मुंबई	15.10.2016	19.10.2016
7.	देवरुख प्रदर्शनी, रत्नागिरी	25.11.2016	27.11.2016
8.	भायंदर प्रदर्शनी, महाराष्ट्र	02.12.2016	04.12.2016
9.	चैत्यभूमि प्रदर्शनी, दादर	05.12.2016	06.12.2016
10.	उर्दू किताब मेला, भिवंडी	17.12.2016	25.12.2016
11.	मंत्रालय प्रदर्शनी, मुंबई	11.01.2017	13.01.2017
12.	सूरत पुस्तक मेला, सूरत	25.01.2017	29.01.2017
13.	ए.बी.मराठी साहित्य सम्मेलन, डोम्बिवली	03.02.2017	05.02.2017
14.	कोल्हापुर प्रदर्शनी, कोल्हापुर	15.12.2016	15.12.2016
15.	केंद्रीय विद्यालय अंबरनाथ	22.02.2017	23.02.2017
16.	केंद्रीय विद्यालय आइएनएस हामला मलाड	16.02.2017	17.02.2017
17.	राष्ट्रीय पुस्तक महोत्सव 2017 बोरीवली, मुंबई	22.03.2017	25.03.2017
18.	राष्ट्रीय पुस्तक महोत्सव 2017 सूरत, गुजरात	18.03.2017	22.03.2017

दक्षिणी क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलुरू

क्र.सं.	पुस्तक मेला/प्रदर्शनी	तारीख	
		से	तक
1	5वाँ होसुर पुस्तक महोत्सव 2016	15.07.2016	24.07.2016
2	12वाँ इरोड़ पुस्तक महोत्सव 2016	05.08.2016	16.08.2016
3	टाइटन स्कूल पुस्तक प्रदर्शनी, 2016 होसुर	25.08.2016	28.08.2016
4	एनबीटी कलबुर्गी पुस्तक मेला 2016	17.09.2016	25.09.2016
5	मैसूर दासारा पुस्तक मेला 2016-केपीपी	01.10.2016	09.10.2016
6	एसएसएम इंग्लिश पब्लिक स्कूल, बेंगलुरु	21.10.2016	22.10.2016
7	सेंट फ्लॉवर हाई स्कूल, विद्यारन नगर	03.11.2016	05.11.2016
8	एसवीबी प्रदर्शनी, के.वि. एमईजी सेंटर, उलसूर	03.11.2016	05.11.2016
9	एसबीबी प्रदर्शनी, के.वि. एयरफोर्स स्टेशन, येलहनका, बेंगलुरु	03.11.2016	05.11.2016
10	एसवीबी प्रदर्शनी, जलहाली, बेंगलुरु	04.11.2016	07.11.2016
11	एसवीबी प्रदर्शनी, जेएसएस स्कूल, बीएसके, बेंगलुरु	04.11.2016	05.11.2016
12	रा.पु.सप्ताह प्रदर्शनी, जवाहर नवोदय विद्यालय	04.11.2016	12.11.2016
13	रा.पु.सप्ताह प्रदर्शनी, के. वि. हेब्बल, बेंगलुरु	17.11.2016	19.11.2016
14	रा.पु.सप्ताह प्रदर्शनी, पोदार इंटरनेशनल स्कूल सीबीएसई चिक्का कोडिगेहल्ली ऑफ मगदी रोड	18.11.2016	19.11.2016
15	कथावना पुस्तक प्रदर्शनी, गवर्नमेंट मॉडल प्राइमरी स्कूल	.	14.11.2016
16	रा.पु.सप्ताह प्रदर्शनी, बोस्टन इंग्लिश स्कूल, राजाजी नगर	15.11.2016	18.11.2016
17	माइनॉरिटी डेवेलपमेंट कमेटी, एमडीसी, भोंगीर, टीएस	11.11.2016	12.11.2016
18	के.वि. स्कूल पुस्तक प्रदर्शनी, खम्मम अनु.जा./अनु.जन.तेलंगाना	14.11.2016	19.11.2016
19	राजामुंदरी पुस्तक महोत्सव, राजामुंदरी, आंध्र प्रदेश	19.11.2016	27.11.2016
20	इडुक्की पुस्तक प्रदर्शनी, तोडुपुजा, केरल	30.11.2016	06.12.2016
21	कन्नड़ साहित्य सम्मेलन, रायचूर	02.12.2016	04.12.2016
22	डिंडीगुल पुस्तक महोत्सव 2016, तमिलनाडु	01.12.2016	11.12.2016
23	कोच्चि अंतरराष्ट्रीय पुस्तक महोत्सव 2016	02.12.2016	11.12.2016
24	सेंट मार्टिन हाई स्कूल, मगदी रोड बेंगलुरु	07.12.2016	10.12.2016
25	प्रवासी भारतीय दिवस प्रदर्शनी, बी आई ई सी, बेंगलुरु 2017	07.01.2017	09.01.2017

26	विशाखापट्टनम पुस्तक महोत्सव 2017	27.01.2017	05.02.2017
27	कन्नड़ संघ शिमोगा 2017	01.02.2017	07.02.2017
28	करिकुलदी पुस्तक महोत्सव 2017 तमिलनाडु	10.02.2017	19.02.2017
29	कालीकट/कोझीकोड लाइब्रेरी कार्उंसिल प्रदर्शनी, केरल	14.02.2017	18.02.2017
30	केपीपी - कन्नड़ पुस्तक प्रदर्शनी	18.02.2017	22.02.2017
31	कोट्टायम लाइब्रेरी काउंसिल प्रदर्शनी, कोट्टायम	17.02.2017	21.02.2017
32	वायनाड लाइब्रेरी काउंसिल प्रदर्शनी, कलपेट्टा, वायनाड	04.03.2017	06.03.2017
33	पलक्कड़ लाइब्रेरी काउंसिल प्रदर्शनी, पलक्कड़	11.03.2017	13.03.2017
34	कन्नूर लाइब्रेरी काउंसिल, कन्नूर	16.03.2017	22.03.2017
35	एर्नाकुलम लाइब्रेरी कार्उंसिल प्रदर्शनी, एर्नाकुलम	28.03.2017	28.03.2017
36	राष्ट्रीय पुस्तक महोत्सव, बी ई एल ग्राउंड, बेंगलुरु	22.03.2017	28.03.2017
37	कासरगोड लाइब्रेरी काउंसिल प्रदर्शनी, कासरगोड	24.03.2017	26.03.2017

उत्तरी क्षेत्रीय कार्यालय, नई दिल्ली

क्र.सं.	पुस्तक मेला/प्रदर्शनी	तारीख	
		से	तक
1	नेपाल पुस्तक मेला	27.05.2016	04.06.2016
2	चंडीगढ़ पुस्तक मेला	जून 2016	
3	भोपाल पुस्तक प्रदर्शनी	अगस्त 2016	
4	बीकानेर पुस्तक मेला	अगस्त 2016	
5	दिल्ली पुस्तक मेला	24.08.2016	04.09.2016
6	भोपाल पुस्तक मेला	17.09.2016	25.09.2016
7	ग्रेटर नोएडा पुस्तक मेला	12.09.2016	18.09.2016
8	हमीरपुर पुस्तक मेला	28.09.2016	02.10.2016
9	फैजाबाद पुस्तक मेला	21.10.2016	27.10.2016
10	सहारनपुर पुस्तक मेला	15.10.2016	23.10.2016
11	लखनऊ पुस्तक मेला	12.10.2016	24.10.2016
12	पटियाला पुस्तक मेला	03.10.2016	09.10.2016
13	बठिण्डा पुस्तक मेला	06.10.2016	12.10.2016
14	रकाबगंज पुस्तक प्रदर्शनी	03.11.2016	16.11.2016
15	कानपुर पुस्तक मेला	05.11.2016	14.11.2016

16	गाजियाबाद पुस्तक प्रदर्शनी	03.11.2016	04.11.2016
17	कुरुक्षेत्र पुस्तक प्रदर्शनी	06.12.2016	10.12.2016
18	जोधपुर पुस्तक महोत्सव	23.12.2016	24.12.2016
19	नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला	07.01.2017	15.01.2017
20	लक्ष्मीबाई कॉलेज प्रदर्शनी	08.02.2017	09.02.2017
21	चंडीगढ़ पुस्तक मेला	28.02.2017	05.03.2017
22	एटा पुस्तक मेला	24.02.2017	26.02.2017
23	तारामंडल पुस्तक प्रदर्शनी पटना	22.03.2017	28.03.2017
24	कैथल पुस्तक मेला	27.03.2017	28.03.2017
25	जालंधर पुस्तक मेला	18.03.2017	26.03.2017
26	राष्ट्रीय पुस्तक महोत्सव	18.03.2017	26.03.2017
27	पंचकुला पुस्तक प्रदर्शनी	17.03.2017	19.03.2017
28	राँची पुस्तक मेला	04.03.2017	10.03.2017
29	पानीपत पुस्तक मेला	04.03.2017	10.03.2017

पूर्वी क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता

क्र.सं.	पुस्तक मेला/प्रदर्शनी	तारीख	
		से	तक
1	के.वी.कंचरापारा	27.04.2016	28.04.2016
2	शिक्षा सत्र एवं बोलपुर कॉलेज पुस्तक प्रदर्शनी	04.08.2016	12.08.2016
3	सारंगाबाद कन्या हाई स्कूल	11.08.2016	12.08.2016
4	ओएसिस अकादेमी ग्वालपारा पुस्तक मेला	07.08.2016	10.08.2016
5	क्रेता सुरक्षा मेला	15.09.2016	17.08.2016
6	केंद्रीय विद्यालय, साल्ट लेक पुस्तक प्रदर्शनी	03.10.2016	14.10.2016
7	डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय पुस्तक मेला	14.10.2016	16.10.2016
8	डिब्रूगढ़ पुस्तक मेला	16.10.2016	27.10.2016
9	ग्वालपारा पुस्तक मेला	22.10.2016	30.10.2016
10	पूर्वोत्तर पुस्तक मेला, गुवाहाटी	03.11.2016	14.11.2016
11	कलिंग पुस्तक मेला	04.11.2016	14.11.2016
12	एकामरा पुस्तक मेला	03.11.2016	13.11.2016
13	गंजम जिला पुस्तक मेला	14.11.2016	23.11.2016

14	ईटानगर पुस्तक मेला	10.11.2016	11.11.2016
15	गोलाघाट पुस्तक मेला	26.11.2016	04.12.2016
16	बटेश्वर पुस्तक मेला	01.12.2016	10.12.2016
17	बांगुर पुस्तक मेला	01.12.2016	10.12.2016
18	कल्याणी पुस्तक मेला	03.12.2016	12.12.2016
19	जोरहाट पुस्तक मेला	05.12.2016	15.12.2016
20	चुरचुरा पुस्तक मेला	10.12.2016	18.12.2016
21	सोनारपुर पुस्तक मेला	09.12.2016	18.12.2016
22	मुरागाचा एवं चकदह पुस्तक मेला	12.12.2016	21.12.2016
23	ठाकुरनगर पुस्तक मेला	16.12.2016	25.12.2016
24	दुलियाजान पुस्तक मेला	18.12.2016	25.12.2016
25	बारीपद पुस्तक मेला	16.12.2016	25.12.2016
26	चन्दन नगर पुस्तक मेला	23.12.2016	01.01.2017
27	साहित्य उत्सव ओ लिटल मैगजीन	12.01.2017	15.01.2017
28	गुवाहाटी पुस्तक मेला	30.12.2016	10.01.2017
29	खड़गपुर पुस्तक मेला	07.01.2017	15.01.2017
30	राजधानी पुस्तक मेला	04.01.2017	15.01.2017
31	नगाँव पुस्तक मेला	20.01.2017	29.01.2017
32	ब्रह्मपुत्र साहित्यिक उत्सव	28.01.2017	30.01.2017
33	कोलकाता पुस्तक मेला	25.01.2017	05.02.2017
34	अगरतला पुस्तक मेला	11.02.2017	22.02.2017
35	राज्य का दर्जा दिवस पुस्तक मेला, ईटानगर	20.02.2017	23.02.2017
36	तलचर पुस्तक मेला	26.02.2017	05.03.2017
37	रायगंज पुस्तक मेला	04.03.2017	11.03.2017
38	आइजोल पुस्तक मेला	06.03.2017	11.03.2017
39	उदयपुर गोमती पुस्तक मेला	18.03.2017	26.03.2017
40	कॉटन कॉलेज पुस्तक मेला	20.03.2017	25.03.2017
41	तेजपुर विश्वविद्यालय पुस्तक मेला	15.03.2017	17.03.2017
42	अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला सह साहित्यिक महोत्सव, चिरांग	16.03.2017	23.03.2017

विक्रय एवं विपणन

न्यास समाज के सभी वर्गों तथा सभी आयु वर्गों के पाठकों के लिए कम मूल्य की पुस्तकें, हिन्दी, अँग्रेजी तथा सभी प्रमुख भारतीय भाषाओं में प्रकाशित करता है। न्यास कई पुस्तक प्रदर्शनियों, पुस्तक मेलों तथा विशेष रूप से निर्मित सचल प्रदर्शनी वाहनों के माध्यम से पुस्तक प्रदर्शनियों का आयोजन करता है ताकि समूचे देश, विशेष तौर पर दूर-दराज के क्षेत्रों, छोटे तथा मझोले नगरों में न्यास के प्रकाशनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। वसंतकुंज स्थित इसके कार्यालय, कश्मीरी गेट तथा विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशनों, नई दिल्ली में दरियागंज तथा बेंगलुरु, कोलकाता और मुंबई के इसके क्षेत्रीय कार्यालय में स्थित बुक-शॉप्स पर भी न्यास की पुस्तकों की बिक्री की जा रही है तथा अगरतला, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, कोच्चि और पटना की बुक-शॉप्स भी परिचालन में आ गई हैं।

इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की पुस्तकें ऑनलाइन खरीद के माध्यम से भी उपलब्ध हैं। व्यक्ति तथा संगठन इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं तथा ऑनलाइन पुस्तकों की खरीद हेतु आदेश दे सकते हैं।

न्यास ने देश भर में अपने अधिकृत पुस्तक विक्रेताओं और एजेन्टों और वितरकों का उत्कृष्ट तंत्र विकसित किया है। वर्ष के दौरान इसने 23 नए पुस्तक विक्रेताओं को इस तंत्र से जोड़ा है।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास किताब क्लब योजना पुस्तकों के विक्रय के संवर्धन तथा पठन की आदत विकसित करने में प्रमुख भूमिका निभा रही है। वर्ष 2016-17 के दौरान 3,634 नए पुस्तक क्लब सदस्य पंजीकृत किए गए हैं।

पुस्तकों के विक्रय तथा पुस्तक पठन की आदत विकसित करने के लिए पुस्तक मेलों

और पुस्तक प्रदर्शनियों के अतिरिक्त सचल पुस्तक प्रदर्शनी (पुस्तक परिक्रमा) भी एक और महत्वपूर्ण माध्यम है। न्यास ने पूरे देश में ऐसी 142 पुस्तक परिक्रमाओं का आयोजन किया है। यह हमारे लिए बहुत हर्ष का विषय है कि न्यास ने रुपये 173,541,067 लाख की सकल बिक्री की है तथा पुस्तकों की बिक्री से रुपये 119,388,426 लाख का राजस्व सृजित किया गया है।

क्षेत्रवार विक्रय का विवरण इस प्रकार है :

क्षेत्र	कुल बिक्री (लाख ₹ में)	निबल बिक्री (लाख ₹ में)	अर्जित राजस्व (लाख ₹ में)
उ.क्षे. का., दिल्ली	67,412,859	47,394,459	52,534,401
पू.क्षे. का., कोलकाता	74,034,388	10,801,645	44,918,699
द.क्षे. का, बेंगलुरू	15,869,176	43,426,939	10,202,618
प.क्षे. का., मुंबई	11,527,549	8,201,802	7,869,034
पुस्तक परिक्रमा	4,292,965	3,863,674	3,863,674
कुल	**173,136,936**	**113,688,518**	**119,388,426**

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
वित्तीय सहायता कार्यक्रम (एनबीटी एफएपी)

भारतीय पुस्तकों के विदेशी भाषाओं में अनुवाद को बढ़ावा देने तथा इस पर आगे कार्रवाई करने के उद्देश्य से न्यास ने विदेशी प्रकाशकों के लिए वित्तीय सहायता कार्यक्रम प्रारम्भ किया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत भारतीय प्रकाशकों द्वारा अँग्रेजी, हिन्दी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में प्रकाशित मूल भारतीय कृतियों का अनुवाद करने के लिए विदेशी प्रकाशकों को वित्तीय सहायता के रूप में समुचित प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत शब्दकोशों, पत्रिकाओं, जर्नलों, स्कूलों/कॉलेजों की पाठ्यक्रम पुस्तकों तथा चिकित्सा, इंजीनियरिंग, विशुद्ध एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान, व्यवसाय प्रशासन जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को छोड़कर कथा-साहित्य, कथेतर साहित्य, विज्ञान और प्रौद्योगिकी एवं बाल पुस्तकों की व्यापक श्रेणियाँ शामिल हैं।

भारतीय भाषाओं में ऐसी रचनाओं, जिनका अँग्रेजी अनुवाद उपलब्ध नहीं है, पर विशेष ध्यान देने तथा विदेशों में ऐसी रचनाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास इनके अँग्रेजी में अनुवाद की सुविधा प्रदान करेगा और ऐसे क्षेत्रों में शुल्क के 50 प्रतिशत का वहन करेगा। विदेशी प्रकाशकों के लिए उपलब्ध इस कार्यक्रम ने भारत और विदेशों दोनों जगह प्रकाशक समूह में गहरी रुचि पैदा की है।

अभी तक यह वित्तीय सहायता निम्नलिखित के लिए प्रदान की गई है :

1. संहिता अरनी द्वारा लिखित 'द मिसिंग क्वीन' (जुबान द्वारा मूल रूप से प्रकाशित) लिट एडीजिओनी एसआरएल द्वारा इटालियन भाषा में प्रकाशित

2. मनोज दास द्वारा लिखित 'माई लिटल इंडिया' (मूल रूप से राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा प्रकाशित) बुकसी पब्लिशिंग द्वारा कोरियन में प्रकाशित

3. 'लुकिंग बॅक इंडिया इन ट्वेंटीथ सेंचुरी' (मूल रूप से राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा प्रकाशित) बुकसी पब्लिशिंग द्वारा कोरियन में प्रकाशित

4. अंबाई द्वारा लिखित 'स्टोरीज बाइ अंबाई' (कलचूवदू द्वारा मूल रूप से प्रकाशित) एडिशन्स जुल्मा द्वारा फ्रेंच में प्रकाशित

इस कार्यक्रम के एक अंग के रूप में न्यास ने नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, 2017 के दौरान पाँचवाँ राइट्स टेबल फोरम आयोजित किया था। नई दिल्ली राइट्स टेबल दो-दिवसीय आयोजन था जो भारत तथा विदेश के प्रकाशकों, अधिकार एजेन्टों तथा संपादकों को एक मंच पर लाया ताकि वे मिलकर, परस्पर संपर्क (नेटवर्क) करके कारोबार के अवसर तलाश सकें। बी टू बी मैच-मेकिंग सत्रों के रूप में आयोजित इस आयोजन ने सहभागियों को अपने राइट्स टेबल सुरक्षित करवाने, बैठक करने तथा अपने उत्पादों और विचारों को प्रस्तुत करने में सहायता की।

नई दिल्ली राइट्स टेबल नामक यह सफल पहल नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का प्रमुख आकर्षण रही। इसने भारत और विदेश से 50 से अधिक प्रकाशकों को आकर्षित किया। समूचे भारत से प्रमुख प्रकाशकों के अतिरिक्त इसमें बांग्लादेश, मिस्र, जार्जिया, केन्या, नेपाल तथा संयुक्त राज्य (यू.के.) के विदेशी सहभागी भी शामिल थे।

सचल प्रदर्शनी वाहनों से पुस्तकों का प्रोन्नयन एवं बिक्री

पूर्वी क्षेत्रीय कार्यालय

क्रम सं.	प्रदर्शनी	अवधि	सकल बिक्री	निवल बिक्री	बिक्री स्थलों की संख्या
1	आर एम एस ए के माध्यम से पश्चिम बंगाल पुस्तक प्रदर्शनी (18 जिलों को शामिल किया गया)	04 अगस्त से 04 अक्टूबर 2016	996,188.00	842,174.00	18
2	ब्रह्मपुत्र साहित्य उत्सव	20 से 30 जनवरी 2017	33,245.00	29,852.00	5
3	ओडिशा (गली) सचल वाहन प्रदर्शनी (8 जिलों को शामिल किया गया)	5–25 मार्च, 2017	118,896.00	59,819.00	8
4	पश्चिम बंगाल (गली) सचल वाहन प्रदर्शनी (6 जिलों को शामिल किया गया)	06 से 25 मार्च, 2017	231,971.00	188,687.00	6
	कुल		**1,380,300.00**	**1,120,532.00**	**37**

पश्चिमी क्षेत्रीय कार्यालय

क्रम सं.	प्रदर्शनी	अवधि	सकल बिक्री	निवल बिक्री	बिक्री स्थलों की संख्या
1	सचल प्रदर्शनी अमरावती बीड महाराष्ट्र	06 से 23 सितंबर, 2016	125,381.00	102,385.00	15
2	सचल प्रदर्शनी पालघर, दमन, महाराष्ट्र	13 से 22 अक्टूबर, 2016	26,318.00	22,800.00	8
	कुल		**151,699.00**	**125,185.00**	**23**

दक्षिण क्षेत्रीय कार्यालय

क्रम सं.	प्रदर्शनी	अवधि	सकल बिक्री	निवल बिक्री	बिक्री स्थलों की संख्या
1	स्थानीय प्रदर्शनी, बेंगलुरु, 2016	06 से 10 सितंबर, 2016	41,361.00	33,227.00	10
2	कर्नाटक सचल प्रदर्शनी 2016	21 सितंबर से 10 अक्टूबर, 2016	148,124.00	131,980.00	20
3	स्थानीय सचल प्रदर्शनी 2016	24 अक्टूबर से 3 नवम्बर, 2016	35,264.00	30,512.00	15
4	बेंगलुरु स्थानीय प्रदर्शनी 2016	19 से 29 दिसम्बर, 2016	37,610.00	33,400.00	11

5	आंध्र सचल प्रदर्शनी 2016	09 से 25 जनवरी, 2017	82,744.00	70,237.00	17
6	केरल राज्य पुस्तकालय परिषद 2016	14 फरवरी से 6 मार्च, 2017	331,005.00	211.492.00	20
	कुल		**676,108.00**	**510,848.00**	**93**

उत्तरी क्षेत्रीय कार्यालय

क्रम सं.	प्रदर्शनी	अवधि	सकल बिक्री	निवल बिक्री	बिक्री स्थलों की संख्या
1	हिमाचल प्रदेश पुस्तक परिक्रमा	17 जून से 07 जुलाई 2016	156342.00	134311.00	52
2	दिल्ली/ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र पुस्तक परिक्रमा	25 जुलाई से 19 अगस्त, 2016	110479.00	87649.00	35
3	जम्मू व कश्मीर पुस्तक परिक्रमा	27 जून से 17 जुलाई, 2016	225323.00	187923.00	33
4	उत्तराखंड पुस्तक परिक्रमा	17 जून से 12 जुलाई, 2016	248599.00	208989.00	50
5	गुजरात पुस्तक परिक्रमा	28 जून से 18 जुलाई, 2016	147577.00	123798.00	55
6	हरियाणा पुस्तक परिक्रमा	16 सितंबर से 06 अक्टूबर, 2016	260987.00	214538.00	45

क्रम सं.	प्रदर्शनी	अवधि	सकल बिक्री	निवल बिक्री	बिक्री स्थलों की संख्या
7	दिल्ली/राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र पुस्तक परिक्रमा	08 अगस्त से 31 अगस्त 2016	106768.00	84032.00	40
8	उत्तर प्रदेश पुस्तक परिक्रमा	9 सितंबर से 29 सितंबर 2016	315906.00	269237.00	55
9	राजस्थान पुस्तक परिक्रमा	2 अक्टूबर से 23 अक्टूबर, 2016	145388.00	120500.00	50
10	दिल्ली/राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र पुस्तक परिक्रमा	01 नवम्बर से 19 नवम्बर, 2016	19815.00	17359.00	29
11	मध्य प्रदेश पुस्तक परिक्रमा	31 जनवरी से 20 फरवरी 2017	236248.00	199121.00	55
12	उत्तर प्रदेश पुस्तक परिक्रमा	16 मार्च से 30 मार्च 2017	121783.00	100354.00	45
13	हरियाणा पुस्तक परिक्रमा	30 जनवरी से 19 फरवरी 2017	221943.00	187525.00	55

क्रम सं.	प्रदर्शनी	अवधि	सकल बिक्री	निवल बिक्री	बिक्री स्थलों की संख्या
14	छत्तीसगढ़ पुस्तक परिक्रमा	01 फरवरी से 21 फरवरी, 2017	371722.00	310750.00	55
15	पंजाब पुस्तक परिक्रमा	16 मार्च 2017 से 28 मार्च, 2017	75063.00	59116.00	36
16	पंजाब पुस्तक परिक्रमा	12 सितम्बर से 08 अक्टूबर 2017	249232.00	188957.00	57
17	उत्तर प्रदेश पुस्तक परिक्रमा	25 नवम्बर 2016 से 03 जनवरी 2017	204611.00	170854.00	65
18	झारखंड पुस्तक परिक्रमा	13 फरवरी से 03 मार्च 2017	241821.00	197096.00	65
19	पंजाब पुस्तक परिक्रमा	16 मार्च से 28 मार्च 2017	75074.00	67567.00	50
20	राजस्थान पुस्तक परिक्रमा	13 फरवरी से 10 मार्च 2017	389410.00	350469.00	55
21	उत्तर प्रदेश (ग्रामीण) पुस्तक परिक्रमा	10 सितंबर से 06 अक्टूबर 2016	271322.00	244190.00	60
22	भोपाल पुस्तक परिक्रमा	अगस्त 16	29735.00	26762.00	40
23	पंजाब पुस्तक परिक्रमा	सितम्बर 16	252893.00	227604.00	55

क्रम सं.	प्रदर्शनी	अवधि	सकल बिक्री	निवल बिक्री	बिक्री स्थलों की संख्या
24	मध्य प्रदेश पुस्तक परिक्रमा	17 मार्च से 30 मार्च, 2017	2140.00	1926.00	35
25	विश्व पुस्तक मेला पुस्तक परिक्रमा	07 जनवरी से 15 जनवरी 2017	175629.00	158067.00	1
	कुल		**4655810.00**	**3938694.00**	**1173**

पुस्तक प्रकाशन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत पुस्तक प्रकाशन को व्यवसाय के रूप में अपनाने में सहभागियों को सहायता देने के लिए देशभर में पुस्तक प्रकाशन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन करता है। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में पांडुलिपियों के विकास, संपादन प्रक्रिया, पुस्तकों के उत्पादन और विपणन, अनुवाद तकनीकों, पुस्तक निर्यात, कॉपीराइट और अन्य कानूनी मुद्दों, अधिकारों की बिक्री, पुस्तक आयात आदि प्रकाशन संबंधी विभिन्न पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया जाता है। प्रशिक्षण के लिए अग्रणी विश्वविद्यालयों, संस्थाओं और प्रकाशन गृहों के विशेषज्ञों का चयन किया जाता है जो संवाद सत्रों के ज़रिए सहभागियों को प्रकाशन उद्योग के गूढ़ विषयों का ज्ञान उपलब्ध कराते हैं।

वित्तीय वर्ष 2016–2017 के दौरान न्यास द्वारा नई दिल्ली, शिलांग, मेरठ तथा वाराणसी में चार प्रकाशन पाठ्यक्रमों का आयोजन किया गया है।

1. पुस्तक प्रकाशन में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, नई दिल्ली (12 जुलाई से 8 अगस्त 2016 तक)

न्यास द्वारा 12 जुलाई से 8 अगस्त 2016 तक दिल्ली में एक माह का पुस्तक प्रकाशन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। पाठ्यक्रम का आयोजन न्यास मुख्यालय, वसंत कुंज में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन न्यास अध्यक्ष, श्री. बल्देव भाई शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न प्रकाशन गृहों के लगभग 45 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम की बहुत सराहना की। 8 अगस्त 2016 को पाठ्यक्रम के समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में सुश्री ऋचा अनिरुद्ध उपस्थित थीं।

2. पुस्तक प्रकाशन में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, शिलांग (15 से 22 नवंबर 2016 तक)

न्यास द्वारा शिलांग, मेघालय में 15 से 22 नवंबर, 2016 तक एक सप्ताह के पुस्तक प्रकाशन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। पाठ्यक्रम का आयोजन पूर्वोत्तर परिषद (एनईसी), शिलांग में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्वोत्तर, परिषद के सचिव, आईएएस, श्री राम मुइवा द्वारा किया गया। इस अवसर पर एडिटर एंड पब्लिशर्स एसोसिएशन, मेघालय के उपाध्यक्ष, डॉ. के.के. झुनझुनवाला; पूर्वोत्तर परिषद के योजना सलाहकार, श्री सी. एच. खेरसिंह; एडिटर एण्ड पब्लिशर्स एसोसिएशन के सचिव, श्री फिलिप मार्विन तथा आइपीआर के निदेशक, श्री एम. आर. महापात्रा उपस्थित थे। इस पाठ्यक्रम में छात्रों, प्रकाशकों तथा विभिन्न कॉलेजों के शिक्षकों सहित 31 सहभागियों ने भाग लिया। प्रकाशन उद्योग और संस्थाओं के लगभग 9 प्रतिष्ठित अनुभवी व्यक्तियों ने पुस्तक प्रकाशन के विभिन्न आयामों पर सहभागियों के साथ अपने–अपने अनुभव साझा किए।

3. पुस्तक प्रकाशन में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, मेरठ (5 से 12 दिसंबर, 2016 तक)

न्यास द्वारा मेरठ, उत्तर प्रदेश में 5 से 12 दिसंबर, 2016 तक एक सप्ताह के पुस्तक प्रकाशन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। पाठ्यक्रम का आयोजन चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन एनबीटी के अध्यक्ष, श्री. बल्देव भाई शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलपति, एन.के.तनेजा; चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अंग्रेज़ी विभाग की पूर्व प्रमुख, प्रोफेसर मनोरमा त्रिखा तथा राष्ट्रवाद पत्रिका के संपादक, श्री अजय मित्तल उपस्थित थे। पाठ्यक्रम में छात्रों, प्रकाशकों तथा विभिन्न कॉलेजों के शिक्षकों सहित 55 सहभागियों ने भाग लिया। प्रकाशन उद्योग तथा संस्थानों के लगभग 9 प्रतिष्ठित अनुभवी व्यक्तियों ने सहभागियों के साथ अपने अनुभव साझा किए।

4. पुस्तक प्रकाशन में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, वाराणसी (15 से 22 फरवरी, 2017 तक)

न्यास द्वारा वाराणसी, उत्तर प्रदेश में 15 से 22 फरवरी, 2017 तक एक सप्ताह के पुस्तक प्रकाशन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय कुलपति, प्रो. गिरीश चंद्र त्रिपाठी तथा एनबीटी के अध्यक्ष, श्री. बल्देव भाई शर्मा द्वारा किया गया। प्रकाशन उद्योग और संस्थानों के 9 जानेमाने अनुभवी व्यक्तियों नें सहभागियों के साथ अपने–अपने अनुभव साझा किए। पाठ्यक्रम में छात्रों, प्रकाशकों तथा विभिन्न कॉलेजों के शिक्षकों सहित 82 सहभागियों ने भाग लिया।

पुस्तकों के प्रकाशन के लिए सहायता

पुस्तकों के प्रकाशन के लिए न्यास द्वारा अपनी सब्सिडी योजना के तहत वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

पुस्तकों के अनुदानित प्रकाशन के लिए योजना

इस सब्सिडी योजना के जरिए, न्यास पुस्तकों के प्रकाशन के लिए लेखकों को रॉयल्टी और प्रकाशकों को वित्तीय सहायता प्रदान करके भारतीय विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों के विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए उचित मूल्य वाली पुस्तकों के प्रकाशन को बढ़ावा देती है, जो किताबें अनुशासन–उन्मुख संदर्भ सामग्री या संदर्भ पुस्तक के रूप में काम कर सकती हैं।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, योजना के तहत कोई शीर्षक नहीं प्रकाशित किया गया था।

पुस्तक संवर्धक गतिविधियों के लिए स्वयंसेवी/निजी संगठनों को सहायता प्रदान करने की योजना

पुस्तक संवर्धन गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता की योजना, जिसमें पंजीकृत गैर–सरकारी संगठनों को निम्नलिखित में से एक अथवा एकाधिक प्रयोजनों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है :

(क) जिन विषयों का भारत में पुस्तक संवर्धन पर प्रत्यक्ष प्रभाव है, उन विषयों पर भारतीय लेखकों/प्रकाशकों/पुस्तक विक्रेताओं के पुस्तक मेलों/संगोष्ठियों का आयोजन करना

(ख) पुस्तक संवर्धन से प्रत्यक्ष रूप से संबद्ध किसी विषय पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करना

(ग) लेखकों/प्रकाशकों/मुद्रकों/पुस्तक विक्रेताओं के वार्षिक सम्मेलन आयोजित करना

(घ) पुस्तक उद्योग से संबंधित शोध/सर्वेक्षण करना

(च) कोई और गतिविधि जो पुस्तक उद्योग आदि के विकास के लिए हितकर पाई जाए आदि।

वित्तीय वर्ष 2016–17 के दौरान निम्नलिखित गैर सरकारी संगठनों को रुपये 31,35,290 (इकतीस लाख पैंतीस हजार दो सौ नब्बे रुपए मात्र) की राशि जारी की गई है :

पुस्तक से संबद्ध गतिविधियों की अनुदान सहायता योजना के तहत अनुदानग्राहियों की सूची

क्र. सं.	स्वयंसेवी संगठनों के नाम	राज्य	प्रदत्त राशि (₹)
1	रितु संघम	आंध्र प्रदेश	30,000.00
2	चांगक्यू बंगांग वी एफ एम सी	अरुणाचल प्रदेश	30,000.00
3	हेयांग मेमोरियल एग्रो इंडस्ट्रियल तथा एजुकेशन ट्रस्ट	अरुणाचल प्रदेश	35,000.00
4	रूपाही कोहिनूर क्लब	असम	37,500.00
5	ज्योतिमय फाउंडेशन	असम	37,500.00
6	कृषक न्यास	असम	25,000.00
7	मोरिगाओं जिला ग्राम्य पुथिभरल संस्था	असम	37,500.00
8	यूनाइटेड रूरल डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन	असम	37,500.00
9	न्यू विजन क्रिएटिव सोसाइटी	असम	37,500.00
10	सदौ असम ग्राम्य पुथिभरल संस्था	असम	37,500.00
11	जन चेतना केंद्र	बिहार	20,000.00
12	तरुण भारत	बिहार	20,000.00
13	एक्सिस वेल्फेयर सोसाइटी	बिहार	12,500.00
14	भारतीय विकास ट्रस्ट	दिल्ली	37,500.00
15	भारतीय एकता विकास मंच	दिल्ली	25,000.00
16	द इंटरनेशनल सेंटर	गोआ	1,50,000.00
17	दिव्य ज्योति फाउंडेशन	गुजरात	37,500.00
18	अभिलक्ष्य एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी	हरियाणा	30,000.00
19	युवा विकास क्लब	हरियाणा	37,500.00
20	सुरभि जन कल्याण समिति	हरियाणा	25,000.00
21	अनिकेत आचार्य चैरिटेबल फाउंडेशन	झारखंड	25,000.00
22	श्री मेकल सुता शिक्षा समिति	मध्य प्रदेश	25,000.00
23	प्रगति युवा विकास केंद्र	मध्य प्रदेश	25,000.00
24	न्यू लक्ष्य सोशल एंड एनवायन्मेंटल डेवलपमेंट सोसाइटी	मध्य प्रदेश	25,000.00

क्र. सं.	स्वयंसेवी संगठनों के नाम	राज्य	प्रदत्त राशि (₹)
25	नव सहभागी विकास संस्थान	मध्य प्रदेश	37,500.00
26	बाल शांति शिक्षा प्रसार समिति	मध्य प्रदेश	89,008.00
27	संदर्भ शिक्षण प्रशिक्षण वेलफेयर सोसाइटी	मध्य प्रदेश	30,000.00
28	समर तनय शिक्षा प्रसार एवं समाज कल्याण समिति	मध्य प्रदेश	25,000.00
29	अभिनव मानव कल्याण समिति	मध्य प्रदेश	25,000.00
30	अर्पण वेलफेयर सोसाइटी	मध्य प्रदेश	25,000.00
31	सुमन शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति	मध्य प्रदेश	20,000.00
32	नरसिंह जन कल्याण सेवाभावी संस्थान	महाराष्ट्र	30,000.00
33	नेहरू युवा क्रीड़ा मण्डल	महाराष्ट्र	25,000.00
34	श्री साई सेवाभावी शिक्षण संस्था	महाराष्ट्र	30,000.00
35	गडगेबाबा ग्राम विकास मिशन	महाराष्ट्र	25,000.00
36	काई वेलजी बेलव्या वाल्वी बहुद्देशीय संस्था	महाराष्ट्र	30,000.00
37	रूरल बैकवर्ड एरिया डवलपमेंट सोसाइटी	मणिपुर	25,000.00
38	एक्शन फॉर सोशल जस्टिस ऑर्गनाइजेशन	मणिपुर	21,778.00
39	चानूरा लेमजिंग कमेटी	मणिपुर	30,000.00
40	रूरल केयर सेंटर	मणिपुर	25,000.00
41	रूरल बैकवर्ड एरिया डेवलपमेंट सोसाइटी	मणिपुर	19,156.00
42	नेटवर्क ऑफ इकॉनामी एंड वेलफेयर सर्विस	मणिपुर	25,000.00
43	चेवांग सोसाइटी	नागालैंड	45,175.00
44	द फेडरेशन ऑफ इंडियन पब्लिशर्स	नई दिल्ली	3,50,000.00
45	पुस्तक मेला समिति	नई दिल्ली	50,000.00
46	भारतीय क्षेत्रीय पत्रकार संघ	नई दिल्ली	50,000.00
47	खुशबू विकास सहयोगी समिति	नई दिल्ली	37,500.00
48	ओड़ीशा मल्टीमेडिकस एंड आल्टरनेटिव एसोसिएशन	ओड़ीशा	25,000.00
49	मगधेश्वर क्लब	ओड़ीशा	20,000.00
50	डेवलपमेंट एक्शन सोसाइटी फाउंडेशन	ओड़ीशा	20,000.00

क्र. सं.	स्वयंसेवी संगठनों के नाम	राज्य	प्रदत्त राशि (₹)
51	आदर्श ग्रामीण शिक्षण समिति	राजस्थान	20,000.00
52	कौशल सेवा संस्थान	राजस्थान	37,500.00
53	सरस्वती विद्यालय शिक्षण संस्थान	राजस्थान	49,140.00
54	इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज	तामिलनाडु	43,779.00
55	श्री सरयू जी मानव सेवा	उत्तर प्रदेश	37,500.00
56	जीवन उत्कर्ष संस्था	उत्तर प्रदेश	25,000.00
57	विकाश भारती सेवा संस्थान	उत्तर प्रदेश	25,000.00
58	बाबा पुरुषोत्तम दास स्मारक समिति	उत्तर प्रदेश	30,000.00
59	ओंकार सेवा संस्थान	उत्तर प्रदेश	30,000.00
60	आनंद ग्रामोद्योग	उत्तर प्रदेश	30,000.00
61	भारतवासी सेवा संस्थान	उत्तर प्रदेश	25,000.00
62	पूर्वांचल विकास संस्थान	उत्तर प्रदेश	25,000.00
63	ठोरा विकास समिति	उत्तर प्रदेश	37,500.00
64	प्रबुद्ध अंबेडकर चेतना एवं जन कल्याण समिति	उत्तर प्रदेश	25,000.00
65	फातिमा ग्रामोद्योग संस्थान	उत्तर प्रदेश	25,000.00
66	शुभकामना सामाजिक सेवा संस्थान	उत्तर प्रदेश	25,000.00
67	सांस्कृतिक सामाजिक समिति	उत्तर प्रदेश	25,000.00
68	अभिनव सेवा समिति	उत्तर प्रदेश	25,000.00
69	ग्राम्य विकास सेवा संस्थान	उत्तर प्रदेश	25,000.00
70	संघर्ष उत्थान, हाथरस	उत्तर प्रदेश	20,000.00
71	जन जागरण खादी ग्रामोद्योग संस्थान	उत्तर प्रदेश	18,838.00
72	महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र	उत्तर प्रदेश	25,000.00
73	नव प्रभात जन सेवा संस्थान	उत्तर प्रदेश	29,532.00
74	किसान मोंटेसरी स्कूल समिति	उत्तर प्रदेश	24,875.00
75	सुसंस्कृति	उत्तर प्रदेश	25,000.00
76	प्रतापगढ़ ग्रामोत्थान समिति	उत्तर प्रदेश	30,000.00

क्र. सं.	स्वयंसेवी संगठनों के नाम	राज्य	प्रदत्त राशि (₹)
77	प्रकाश दीप सेवा संस्थान	उत्तर प्रदेश	11,500.00
78	बीड़ी श्रमिक कल्याण समिति	उत्तर प्रदेश	22,509.00
79	समर्पण सेवा संस्थान	उत्तर प्रदेश	25,000.00
80	परिधि सेवा संस्थान	उत्तराखंड	25,000.00
81	संकल्पना सोशल ऑर्गनाइजेशन	उत्तराखंड	37,500.00
82	कौशल्या ग्रामोद्योग संस्थान	उत्तराखंड	25,000.00
83	कल्याणी बुकफेयर कमेटी	पश्चिम बंगाल	50,000.00
84	सोनारपुर क्लब समन्वय सम्मिलिनी	पश्चिम बंगाल	75,000.00
85	पब्लिशर्स एंड बुकसेलर्स गिल्ड	पश्चिम बंगाल	1,50,000.00
	कुल		**31,35,290.00**

न्यास के पदाधिकारी

श्री बल्देव भाई शर्मा (3 मार्च 2015 से)

निदेशक
डॉ. रीता चौधरी

न्यास के ग्रुप 'ए' के अन्य पदाधिकारी

संयुक्त निदेशक (शासन एवं वित्त)
श्री सतीश कुमार (2.11.2015 से 28.11.2016 तक अतिरिक्त प्रभार)

श्री संदीप जैन (28.11.2016 से 3.03.2017 तक अतिरिक्त प्रभार)

संयुक्त निदेशक (उत्पादन)
श्री सतीश कुमार

मुख्य संपादक एवं संयुक्त निदेशक
श्रीमती नीरा जैन (28.10.2014 से स्थानापन्न)

प्रबंधक (विक्रय एवं विपणन)
श्री सय्यद हैदर एम रिज़वी (31.03.2017 तक)

क्षेत्रीय प्रबंधक
1. श्री एस. आर. वीनेश, दक्षिण क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलुरु
2. श्री ब्रतिन डे, पूर्व क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता
3. श्री राहुल कोसांबी, प्रभारी अधिकारी, पश्चिम क्षेत्रीय कार्यालय, मुंबई

उप निदेशक (कला)
श्री डी सरकार

उप निदेशक
1. श्री मोह. इमरानुल हक़
2. श्री राकेश कुमार
3. श्री कुमार समरेश (18.01.2017 से राष्ट्रपति सचिवालय, राष्ट्रपति भवन में प्रतिनियुक्ति पर)
4. श्री राजीव चौधरी (5.11.2016 से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश में प्रतिनियुक्ति पर)

संपादक (प्रशिक्षण एवं प्रोन्नयन गतिविधि)

श्री एम. आर. महापात्रा (01.03.2016 से एनईसी में प्रतिनियुक्ति पर)

संपादक
1. श्रीमती नीरा जैन
2. श्री एच नागराजप्पा
3. श्री कुमार विक्रम
4. डॉ. मोहम्मद शम्स इक़बाल (24.04.2015 से एनसीपीयूएल में प्रतिनियुक्ति पर)

सहायक निदेशक

1. श्री मयंक सुरोलिया
2. श्री करुण कुमार
3. श्री शुभाशीष दत्ता
4. श्री अमित कुमार सिंह
5. श्रीमती कंचन वांचू शर्मा
6. श्री मुकेश कुमार (8.04.2016 से)

सहायक निदेशक (उत्पादन)

1. श्री सुमित भट्टाचार्जी
2. श्री तरुण दवे
3. श्री अनुज कुमार भारती
4. श्री योगेश आनंद गिरि

सहायक संपादक

1. श्री बी. बी. पटेल (गुजराती)
2. श्री रूबिन डी' क्रूज़ (मलयालम)
3. श्री बिन्नी कुरियन (अंग्रेज़ी)
4. श्री दीप सैकिया (असमिया)
5. श्री टी. मथन राज (तमिल)
6. श्री प्रमोद कुमार सार (ओड़िया)
7. श्री पंकज चतुर्वेदी (हिंदी)
8. डॉ. ललित किशोर मंडोरा (हिंदी)
9. डॉ. पथिपका मोहन (तेलुगु)
10. श्री द्विजेन्द्र कुमार (अंग्रेज़ी)

अध्यक्ष के निजी सचिव

श्रीमती रविंदर चड्ढा

पुस्तकालय-सह-प्रलेखन अधिकारी

श्रीमती मिथलेश अनंत (28.02.2017 तक)

सेवानिवृत्ति/अधिवर्षिता

1. श्रीमती सुनीता धवन, पुस्तकालयाध्यक्ष
2. श्री एस.एस. भट्टाचार्य, सहायक
3. श्री राजपाल सिंह, सहायक
4. श्री सुबीर दत्ता, उपनिदेशक (लागत एवं वित्त)
5. श्रीमती लिली पुरी, सहायक
6. श्रीमती उषा वधवा, वरिष्ठ आशुलिपिक
7. श्री एस. के. आर्या, सहायक
8. श्री वीर चंद, सहायक
9. श्री महेन्द्र पाल, दफ्तरी
10. श्रीमती मिथलेश अनंत, पुस्तकालय-सह-प्रलेखन अधिकारी
11. श्री सय्यद हैदर एम रिज़वी, प्रबंधक (विक्रय एवं विपणन)

वित्तीय समिति के सदस्य

(8 दिसंबर 2016 से)

श्री बल्देव भाई शर्मा

अध्यक्ष

1. वित्तीय सलाहकार
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   शास्त्री भवन
   नई दिल्ली-110001

2. संयुक्त सचिव (पुस्तक प्रोन्नयन)
   उच्चतर शिक्षा विभाग
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   शास्त्री भवन
   नई दिल्ली-110001

3. श्री हृदय नारायण दीक्षित
   बी-88, दारुलशफा, ए-ब्लॉक
   लखनऊ-226061 (उत्तर प्रदेश)

4. डॉ. जनार्दन हेगड़े
   संपादक, संभाषण संदेश
   "अक्षरम"
   8वाँ क्रॉस
   गिरि नगर, फेज़ 2
   बेंगलुरु-560085 (कर्नाटक)

कार्यकारिणी समिति के सदस्य

(8 दिसंबर 2016 से)

श्री बल्देव भाई शर्मा

अध्यक्ष

1. संयुक्त सचिव (पुस्तक प्रोन्नयन)
उच्चतर शिक्षा विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110001

2. वित्तीय सलाहकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110001

3. संयुक्त सचिव
(प्रकाशन विभाग के साथ समन्वयन)
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
शास्त्री भवन, डॉ. राजेंद्र प्रसाद रोड
नई दिल्ली - 110001

4. श्री ब्रज किशोर शर्मा
अध्यक्ष, राजा राममोहन राय पुस्तकालय प्रतिष्ठान
एम-103, धर्मा अपार्टमेंट
2, आईपी एक्सटेंशन (मदर डेयरी के पास)
नई दिल्ली - 110092

5. श्री नंदकुमार ई.एन.
कुजुपिल्ली हाउस
नेत्तूर डाक-घर, कोच्चि - 682040 (केरल)

6. डॉ. सुरेश चंद
बी-4/185 ए, भूतल
सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली - 110029

न्यासधारी मंडल के सदस्य
(8 दिसंबर 2016 से)

श्री बल्देव भाई शर्मा

अध्यक्ष

1. **अतिरिक्त सचिव**
   उच्चतर शिक्षा विभाग
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   शास्त्री भवन
   नई दिल्ली - 110001

2. **डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी**
   अध्यक्ष
   साहित्य अकादेमी
   दस्तावेज़, बेतियाहाता
   गोरखपुर - 273001 (उत्तर प्रदेश)

3. **वित्तीय सलाहकार**
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   शास्त्री भवन
   नई दिल्ली - 110001

4. **संयुक्त सचिव**
   (प्रकाशन विभाग के साथ समन्वयन)
   सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
   शास्त्री भवन
   डॉ. राजेंद्र प्रसाद रोड
   नई दिल्ली - 110001

5. **श्री ब्रज किशोर शर्मा**
   अध्यक्ष, राजा राममोहन राय पुस्तकालय प्रतिष्ठान
   एम-103, धर्मा अपार्टमेंट
   2, आईपी एक्सटेंशन (मदर डेयरी के पास)
   नई दिल्ली - 110092

6. **श्री एन. दिनेश हेगड़े**
   महासचिव
   राष्ट्रोत्थान परिषद्
   केशव शिल्प
   केम्पेगोव्दा नगर
   बेंगलुरु - 560019 (कर्नाटक)

7. **श्री हृदय नारायण दीक्षित**
   बी-88, दारुलशफा, ए-ब्लॉक
   लखनऊ - 226061 (उत्तर प्रदेश)

8. **श्री प्रभात कुमार**
   निदेशक
   प्रभात प्रकाशन
   बिल्डिंग सं. 4/19, आसफ अली रोड
   दिल्ली गेट के पास
   नई दिल्ली - 110002

9. **श्री लीलाधर जगूड़ी**
'सीताकुटी'
7, सरस्वती एन्क्लेव
बद्रीपुर रोड, जोगीवाला
देहरादून - 248005 (उत्तराखण्ड)

10. **श्री अक्किराजू रामपति राव**
2-2-18/47, बी-20, प्लॉट सं. 104
श्री साईं कृपा रेज़िडेंसी, डी. डी. कॉलोनी
हैदराबाद - 500013 (तेलंगाना)

11. **प्रोफेसर त्रिभुवननाथ शुक्ल**
हिंदी के प्रोफेसर
56, अशोक नगर
अधारताल, जबलपुर
(मध्य प्रदेश)

12. **डॉ. नीरजा माधव**
14/598, सारंगनाथ कॉलोनी
सारनाथ, वाराणसी - 221007
(उत्तर प्रदेश)

13. **श्री नामदेव कांबले**
क्लास 4 कॉलोनी
अकोला रोड
होटल रॉयल प्लेस के पीछे
तालुका एवं जिला वाशिम
महाराष्ट्र - 444505

14. **डॉ. जनार्दन हेगड़े**
संपादक, संभाषण संदेश
"अक्षरम"
8वाँ क्रॉस
गिरि नगर, फेज़ 2
बेंगलुरु - 560085 (कर्नाटक)

15. **श्री नंदकुमार ई.एन.**
कुजुपिल्ली हाउस
नेत्तूर डाक-घर
कोच्चि - 682040 (केरल)

16. **डॉ. डी. ज्ञानसुंदरम**
कलाइकम, डब्ल्यू-149, पार्क रोड
अन्ना नगर वेस्ट एक्सटेंशन
चेन्नई - 600101 (तमिलनाडु)

17. **डॉ. सुरेश चंद**
बी-4/185 ए, भूतल
सफदरजंग एन्क्लेव
नई दिल्ली - 110029

वर्ष 2016-17 के दौरान प्रकाशित पुस्तकें

असमिया				
आदान-प्रदान				
1	गंगा मइया	एस एम पुनेकर	55.00	पुन.
2	पत्तुमा की बकरी	बशीर	60.00	पुन.
3	रथचक्र	श्रीपाद नारायण पेंडसे	95.00	पुन.
4	सौरभ चलिहाज स्टोरीज	सौरभ कुमार चलिहा	60.00	पुन.
5	सेलेक्शंस फ्रॉम बेजबरुआ	मैगन सैकिया (संक.)	80.00	पुन.
6	तशर घर	मुप्पल रंगानाइकम्मा	75.00	पुन.
क्लासिक्स				
7	सतकत्रया	कालीनाथ शर्मा	60.00	पुन.
राष्ट्रीय जीवनचरित				
8	आर. जी. भंडारकर	एच. ए. फड़के	40.00	पुन.
9	रमण एंड हिज इफेक्ट	जी. एच. केशवाणी	60.00	पुन.
10	सत्येंद्र नाथ बोस	शांतिमय एवं एणाक्षी चट्टोपाध्याय	50.00	पुन.
11	शंकराचार्य	टी. एम. पी. महादेवन	55.00	पुन.
12	सिस्टर निवेदिता	वसुधा चक्रवर्ती	40.00	पुन.
13	श्रीनिवास रामानुजन	सुरेश राम	40.00	पुन.
नेहरू बाल पुस्तकालय				
14	ए स्टोरी एबाउट टी	अरुप कुमार दत्ता	35.00	पुन.
15	अलामेलू'ज एपेटाइट	जया परमाशिवम	35.00	पुन.
16	ऐन एनशिएंट टेल फ्रॉम अंडमान	अन्विता अब्बी	35.00	पुन.
17	अपुर कहिनि	नवकृष्ण महंता	60.00	पुन.
18	बनत रंगर मेला	शांतनु तामुली	45.00	पुन.
19	बिपोदर बंधु	गुनामोनि नाथ	35.00	पुन.
20	बिरजु एंड फ्लाइंग हॉर्स	दीपा अग्रवाल	30.00	पुन.
21	बॉन बॉन नानोर गोर पोवालितो	शक्तिरूपा पराशर	65.00	पुन.
22	बुक्स फॉरएवर	मनोज दास	40.00	पुन.
23	चंदा गिनती भूल गया	संजीव जायसवाल 'संजय'	55.00	पुन.
24	चीयरफुल स्पिरिट्स	गीता आयंगर	50.00	पुन.

25	इंडिया'ज यंग हीरोज	सिगरुन श्रीवास्तव	35.00	पुन.
26	जलियाँवाला बाग	भीष्म साहनी	35.00	पुन.
27	जेने कुकुर तेने तंगन	केंग्सम केंग्लंग	30.00	पुन.
28	क्यों	मीनाक्षी स्वामी	40.00	पुन.
29	मोरोमोर बंधु	दीपक कुमार कलिता	50.00	पुन.
30	नन्हे सूरज	जसवंत सिंह विरदी	35.00	पुन.
31	रेड एंड ब्लू पेंसिल्स	इंटरनेशनल सेंटर फॉर लिट्रेसी एंड कल्चर	35.00	पुन.
32	रोमांस ऑफ पोस्टेज स्टैंप्स	एस.पी. चटर्जी	40.00	पुन.
33	रूपा द एलिफेंट	मिकी पटेल	45.00	पुन.
34	स्नेक ट्रबल	रस्किन बॉन्ड	30.00	पुन.
35	स्टोरीज फ्रॉम बापू'ज लाइफ	उमाशंकर जोशी	45.00	पुन.
36	स्वामी एंड हिज फ्रेंड्स	आर. के. नारायण	75.00	पुन.
37	टेल्स फॉर ऑल टाइम्स	शांता रंगाचारी	35.00	पुन.
38	द ब्रिज ऐट बोरिम	सुरेखा पाणंदीकर	35.00	पुन.
39	द क्रिस्टल केव	अरुप कुमार दत्ता	45.00	पुन.
40	द स्टोरी ऑफ ब्लड	रेखा व यतीश अग्रवाल	40.00	पुन.
41	द स्टोरी ऑफ अवर न्यूजपेपर्स	चंचल सरकार	35.00	पुन.
42	द स्टोरी ऑफ अवर रिवर्स-1	एल. वलिअप्पा	35.00	पुन.
43	द स्टोवे	मेलानी सिक्वेरा	35.00	पुन.
44	द सन एंड द मून	वर्षा दास	35.00	पुन.
45	द टॉप्सी टर्वी वर्ल्ड	आर. एस. भूसनूरमठ	60.00	पुन.
46	द विलेज बाई द सी	अनीता देसाई	65.00	पुन.
47	द व्हाइट हॉर्स	अमरेंद्र चक्रवर्ती	35.00	पुन.
48	दिस अर्थ ऑफ अवर्स	लाईक फतेहअली	35.00	पुन.
49	व्हाट हैपेंड	जगदीश जोशी	45.00	पुन.
50	व्हाट इज ए ट्री	मार्टी	35.00	पुन.
51	हू इज स्मार्टर	गीता आयंगर	50.00	पुन.
नवसाक्षर साहित्यमाला				
52	हड्डी टूटने पर	जीतेंद्र माहेश्वरी	35.00	पुन.

लोकोपयोगी विज्ञान				
53	केमिकल एलिमेंट्स इन द न्यू एज	डी. वी. जहागिरदार	60.00	पुन.
54	इनर्जी	ए. के. बक्शी	70.00	पुन.
55	इन्वेंटर्स हू रिवोल्यूशनाइज्ड अवर लाइव्स	के. वी. गोपालकृष्णन	75.00	पुन.
56	रोबोट एंड रोबोटिक्स	एम. आर. चिदंबरा	50.00	पुन.
57	द स्टोरी ऑफ मैन	बिमान बसु	70.00	पुन.
58	द वंडर चिप	के. डी. पावटे	65.00	पुन.
59	वी ब्रेद एंड ड्रिंक पॉइजन	एन. मणिवासकम	85.00	पुन.
सतत शिक्षा				
60	मदर टेरेसा	राधारमन राय	25.00	पुन.
61	राजा राममोहन राय	बिजित कुमार दत्ता	35.00	पुन.
62	सॉन्गूस ऑफ फ्रीडम मूवमेंट	केशव महंता (संक.)	35.00	पुन.
63	स्वाधीनता जुधे आजाद हिंद फौज	शिशिर कुमार बोस	40.00	पुन.
तरुण भारती				
64	डेमोक्रेसीः 80 क्वेश्चंस एंड आन्सर्स	डेविड बाथम, केविन बायले	60.00	पुन.
65	एलिफैंट : द लॉर्ड ऑफ द जंगल	रमेश बेदी	75.00	पुन.
66	ह्यूमन राइट्स	अर्जुन देव एवं अन्य	75.00	पुन.
67	ट्रायल्स ऑफ इंडिपेंडेंस	बी. आर. अग्रवाल	85.00	पुन.
बांग्ला				
राष्ट्रीय जीवनचरित				
68	चैतन्य	दिलीप कुमार मुखर्जी	100.00	पुन.
69	महाजीवन श्यामाप्रसाद	अनंत बंधु चट्टोपाध्याय	100.00	मूल
70	शंकराचार्य	टी. एम. पी. महादेवन	85.00	पुन.
71	श्री अरबिंदो	नवजात	110.00	पुन.
72	द मैन हू न्यू इनफिनिटी : ए लाइफ ऑफ रामानुजन	रॉबर्ट कनिगेल	300.00	पुन.
नेहरू बाल पुस्तकालय				
73	राजकुमारी हासी ओ अनन्य गल्प	राजेश बसु	125.00	अनु.
74	द जोड़ासांको हाउस-1	लीला मजूमदार	25.00	पुन.
75	द जोड़ासांको हाउस-1	लीला मजूमदार	25.00	पुन.

76	द जोड़ासांको हाउस-2	लीला मजूमदार	25.00	पुन.
सतत शिक्षा				
77	रवि कहानी	अमिताभ चौधरी	30.00	पुन.
तरुण भारती				
78	चंदर पहाड़ ओ मोरोनेर डंका बाजे	विभूति भूषण बंद्योपाध्याय	190.00	पुन.
		भोजपुरी		
नेहरू बाल पुस्तकालय				
79	सम स्ट्रीट गेम्स ऑफ इंडिया	मुल्कराज आनंद	75.00	पुन.
सतत शिक्षा				
80	समता के समर्थक आंबेडकर	वसंत मून	70.00	पुन.
		अँग्रेजी		
आदान-प्रदान				
81	बासिल ब्लॉसम्स एंड अदर स्टोरीज	शांताराम	200.00	पुन.
82	साहब बीबी गुलाम	बिमल मित्र	310.00	पुन.
83	द क्विल्ट फ्रॉम द फ्ली मार्केट एंड अदर स्टोरीज	उमाशंकर जाशी	215.00	मूल
सृजनात्मक शिक्षा				
84	एक्टीविटी बेस्ड लर्निंग साइंस	एम. एच. गुफरान	125.00	पुन.
85	लर्निंग साइंस-3	इंदुमती राव, सी.एन.आर. राव	305.00	पुन.
86	लर्निंग साइंस-4	इंदुमती राव, सी.एन.आर. राव	250.00	पुन.
87	प्ले एक्टीविटीज फॉर चाइल्ड डेवलपमेंट	मीना स्वामिनाथन, प्रेमा डैनियल	155.00	पुन.
88	टेन लिटिल फिंगर्स	अरविंद गुप्ता	135.00	पुन.
लोक संस्कृति और साहित्य				
89	फोक म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स ऑफ हिमाचल प्रदेश	सूरत ठाकुर	125.00	पुन.
90	फोकलोर ऑफ बेंगाल	आशुतोष भट्टाचार्य	130.00	पुन.
विविध				
91	बुलेट ट्रेंस	आर. के. राउसन	150.00	मूल

92	सरदार स्वर्ण सिंह : ऐन एब्ल पार्लियामेंटेरियन	मोहम्मद इदरीस	120.00	मूल
भारत : देश और लोग				
93	कॉइन्स	परमेश्वरी लाल	185.00	पुन.
94	कंटेम्परेरी आर्ट इन इंडिया	प्रेम नाथ मागो	620.00	पुन.
95	ग्राउंड वाटर रिसोर्सेस ऑफ इंडिया	सत्यज्योति दास	260.00	संशो.
96	इंडियन फेडरलिज्म : ऐन इंट्रोडक्शन	महेश्वर प्रसाद सिंह	115.00	पुन.
97	मेडिसिनल प्लांट्स	एस. के. जैन	400.00	संशो.
98	मेडिसिनल प्लांट्स	एस. के. जैन	310.00	संशो.
99	म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स	बी. सी. देवा	125.00	पुन.
100	अवर पोलिटिकल सिस्टम	सुभाष सी. काश्यप	175.00	पुन.
101	पॉलिटी एंड गवर्नेंस ऑफ देल्ही	पुरुषोत्तम गोयल एवं एस.के.शर्मा	210.00	पुन.
102	क्वेस्ट फॉर ओलंपिक गोल्ड	अरुण कुमार पंड्या	135.00	संशो.
103	ट्रेडिशनल इंडियन थिएटर	कपिला वात्स्यायन	265.00	पुन.
104	ट्यूबर क्रॉप्स	के. वी. पीटर	195.00	पुन.
राष्ट्रीय जीवनचरित				
105	अरुणा आसफ अली	जी. एन. एस. राघवन	120.00	पुन.
106	कनकदास	बसवराज	110.00	पुन.
107	एम. एन. रॉय	वी. बी. कार्निक	90.00	पुन.
108	द मदर	प्रेमानंद कुमार	85.00	पुन.
नेहरू बाल पुस्तकालय				
109	ए बॉन्ड ऑफ लव	पुष्पा सक्सेना	35.00	पुन.
110	ए हेल्पिंग हैंड	समरेश चटर्जी	35.00	पुन.
111	ए लेसन फ्रॉम ग्रैंडमा	देवाशीष मजूमदार	35.00	मूल
112	ए रीयल जिराफ	दीपा अग्रवाल	40.00	पुन.
113	ए स्टोरी एबाउट टी	अरुप कुमार दत्ता	35.00	पुन.
114	ए ट्रिप टू माउंटेंस	स्वप्न दत्ता	35.00	पुन.
115	द एडवेंचर्स ऑफ रस्टी	रस्किन बॉन्ड	50.00	पुन.
116	अलामेलू' ज एपेटाइट	जया परमाशिवन	40.00	पुन.

117	ऑल टाइम स्टोरीज फॉर चिल्ड्रेन	सावित्री पांडियन	85.00	पुन.
118	एवरेस्ट : माई जर्नी टू द टॉप	बचेंद्री पाल	35.00	पुन.
119	गोआ : ए स्टोरी ऑफ माई वंडरलैंड	शशि शेटये	65.00	मूल
120	हैप्पी वन हंड्रेड्थ बर्थडे दिल्ली	शशि शेटये	25.00	पुन.
121	इन्वेंशंस दैट चेंज्ड द वर्ल्ड-II	मीर नजाबत अली	30.00	पुन.
122	काव्या मेक्स अप हर माइंड	रमेश बिजलानी	60.00	पुन.
123	लालू एंड द रेड काइट	आशीष सेनगुप्ता	25.00	पुन.
124	सेवन स्टेअर्स टू सन	दीपान्विता राय	60.00	पुन.
125	द टॉरटॉयज एंड द हेअर	जाकिर हुसैन	60.00	संशो.
126	द मैजिकल नीडल्स एंड अदर स्टोरीज	यतीश अग्रवाल, रेखा अग्रवाल	90.00	पुन.
127	हीरोज डू नॉट ग्रोन ऑन ट्री	सुधा पुरी	45.00	मूल
128	म्यूजिक ऑफ द हिल्स	रंजीता विश्वास	60.00	मूल
129	शीला एंड लीला	नीतू शर्मा	135.00	मूल
130	शीला एंड लीला	नीतू शर्मा	45.00	मूल
131	सो मेनी स्माइल्स	मनोज दास	75.00	पुन.
132	द ब्रोकेन विंग्स एंड अदर एशियन टेल्स	बैलिंदर धनौआ	40.00	पुन.
133	द स्ट्रेंज थर्मोमीटर एंड अदर स्टोरीज	यतीश अग्रवाल, रेखा अग्रवाल	120.00	पुन.
134	द टॉप्सी टर्वी वर्ल्ड	आर.एस. भूषनूरमठ	60.00	पुन.
135	द वीवर बड्र्स नेस्ट	दीपान्विता राय	60.00	मूल
136	द व्हाइट हॉर्स	अमरेंद्र चक्रवर्ती	70.00	संशो.
137	टॉरटॉयज विंग्स अगेन	किरण तामुली	35.00	पुन.
138	टिलटिल्स एडवेंचर्स	स्वप्न दत्ता	30.00	पुन.
139	वी आर डिफरेंट	रमेंद्र कुमार	35.00	पुन.
140	व्हाट इज राइट व्हाट इस रॉन्ग	सिगरुन श्रीवास्तव	25.00	पुन.
141	व्हाटएवर यू गिव	शुद्धसत्व बसु	35.00	पुन.
लोकोपयोगी विज्ञान				
142	ए टच ऑफ ग्लास	सुकन्या दत्ता	235.00	मूल
143	एंजेल्स, डेविल एंड साइंस	पुष्पा एम. भार्गव, चंद्रका चक्रवर्ती (संपा.)	190.00	पुन.
144	केअर ऑफ स्मॉल पेट्स	गीता	180.00	पुन.

145	सेलिएक डिजीज : ए कम्प्रिहेंसिव गाइड	पंकज वोहरा	185.00	मूल
146	आइन्सटीन : ए रिवोल्यूशनरी साइंटिस्ट एंड हिज आइडियाज	एस.चटर्जी, टीवी वेंकटेश्वरन	80.00	पुन.
147	इनर्जी	ए.के. बख्शी	80.00	पुन.
148	एन्वायरन्मेंटल पॉल्यूशन	एन. मणिवासकम	100.00	पुन.
149	एक्सरसाइजिंग फॉर गुड हेल्थ	पारुल आर. शेठ	105.00	पुन.
150	एक्सप्लोरिंग स्पीच एंड लैंग्वेज	मेधा एस. राज्याध्यक्ष	80.00	पुन.
151	एक्सटिंक्शंस : नो कमबैक्स	एम.ए. हक	140.00	मूल
152	जॉय ऑफ मेकिंग इंडियन टॉयज	सुदर्शन खन्ना	85.00	पुन.
153	मर्क्यूरी इन मेडिसिन	अभिजीत कुलकर्णी	140.00	मूल
154	नैनो : द नेक्स्ट रिवोल्यूशन	मोहन सुंदर राजन	310.00	संशो.
155	वंस अपॉन ए ब्लू मून	सुकन्या दत्ता	110.00	पुन.
156	फिजिक्स इन एंशिएंट इंडिया	एन. जी. डोंगरे, शंकर गोपाल नेने	150.00	मूल
157	द सन	पारुल आर. शेठ	100.00	पुन.
लोकोपयोगी सामाजिक विज्ञान				
158	भगत सिंह : सेलेक्ट स्पीचेज	डी.एन. गुप्ता (संशो.)	100.00	पुन.
159	कम्यूनलिज्म : ए प्राइमर	बिपन चंद्र	85.00	पुन.
160	फ्रॉम गवर्नमेंट टू गवर्नेंस	कुलदीप माथुर	85.00	पुन.
161	इंडिया सिक्यूरिटी इन टर्बुलेंट वर्ल्ड	जसजीत सिंह	95.00	पुन.
162	इंडिया'ज फॉरेन पॉलिसी सिंस इंडिपेंडेंस	वी.पी. दत्ता	120.00	पुन.
163	पॉपुलेशन ऑफ इंडिया	महेंद्र के. प्रेमी	190.00	पुन.
164	राइट टू इन्फॉर्मेशन एक्ट 2005	शुची पांडे, शेखर सिंह	65.00	पुन.
तरुण भारती				
165	ऑल एबाउट फोटोग्राफी	अशोक दिलवाली	175.00	पुन.
166	ह्यूमन राइट्स : क्वेश्चंस एंड आन्सर्स	जीन लेविन	90.00	पुन.
167	माई लाइफ माई होरिजन	नीतू	110.00	मूल

गुजराती				
सृजनात्मक शिक्षा				
168	तोत्तो चान	तेत्सुको कुरोयानागी	85.00	पुन.
हिंदी				
आदान-प्रदान				
169	अमरकांत : संकलित कहानियाँ	अमरकांत	105.00	पुन.
170	आजादी की छाँव में	बेगम अनीस किदवई, अनु.: नूर अब्बासी	140.00	पुन.
171	भटके हुए लोग	हरचरण चावला	110.00	पुन.
172	चंद्रधर शर्मा गुलेरी की कहानियाँ	चंद्रधर शर्मा गुलेरी	40.00	पुन.
173	देवेंद्र सत्यार्थी की चुनिंदा कहानियाँ	गुरचरण सिंह आर्शी	245.00	पुन.
174	गुरबख्श सिंह प्रीतलड़ी की चुनिंदा कहानियाँ	बलदेव सिंह बद्दन	385.00	पुन.
175	हिंदी एकांकी	चंद्रगुप्त विद्यालंकार	120.00	पुन.
176	हिंदी हास्य व्यंग्य संकलन	श्रीलाल शुक्ल, प्रेम जनमेजय	110.00	पुन.
177	जयशंकर प्रसाद की श्रेष्ठ कहानियाँ	विजय मोहन (संपा.)	75.00	पुन.
178	जीवन : काँटा या फूल	झमक घिमिरे	210.00	मूल
179	कलेर केलि छपरी	चंदन नेगी	215.00	मूल
180	कश्ती और बरेता	मोहन सिंह कहलो	125.00	पुन.
181	किस पहि खोलऊं गंठड़ी	कर्तार सिंह दुग्गल	205.00	पुन.
182	मेरे प्रिय नाटक	प्रताप सहगल	375.00	पुन.
183	मृत्यु के बाद	शिवराम कारंत	95.00	पुन.
184	नये हिंदी लघु नाटक	नेमिचंद जैन	120.00	पुन.
185	नील शैल	सुरेंद्र मोहांति	270.00	पुन.
186	पूजाघर	जी. शंकर पिल्लई	125.00	पुन.
187	पूर्णमासी	जसवंत सिंह कंवल	180.00	पुन.
188	पंजाबी प्रवासियों की कहानियाँ	जिंदर, बलदेव सिंह बद्दन	435.00	मूल
189	रंगभूमि	प्रेमचंद	240.00	पुन.
190	रांगेय राघव : संकलित कहानियाँ	वीरेन कुमार (संपा.)	115.00	पुन.
191	स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानियाँ	कमलेश्वर (संपा.)	185.00	पुन.

192	तफ्तीश	मित्र सेन मीत	240.00	पुन.
सृजनात्मक शिक्षा				
193	बच्चों की भाषा और अध्यापक	कृष्ण कुमार	55.00	पुन.
194	दिवास्वप्न	गिजूभाई बधेका	50.00	पुन.
195	कहानी कहने की कला	पंकज चतुर्वेदी	70.00	पुन.
196	लिटिल टॉयज	अरविंद गुप्ता	45.00	पुन.
197	पर्यावरण प्रहरी	मीना रघुनाथन, ममता पंड्या (संपा.)	110.00	पुन.
198	टेन लिटिल फिंगर्स	अरविंद गुप्ता	145.00	पुन.
लोक संस्कृति और साहित्य				
199	भारत के आदिवासी क्षेत्रों की लोककथाएँ	शरद सिंह	150.00	पुन.
200	भारत की लोककथाएँ	ए.के. रामानुजम	180.00	पुन.
201	देवेंद्र सत्यार्थी : लोक निबंध	प्रकाश मनु	345.00	पुन.
202	राजस्थान : लोक संस्कृति और साहित्य	डी. आर. आहूजा	85.00	पुन.
203	इक्कीस जापानी लोककथाएँ	सुरेश ऋतुपर्ण	190.00	मूल
204	जापान की लोककथाएँ	सुरेश ऋतुपर्ण	105.00	पुन.
205	महाभारत धरा की लोककथाएँ	श्याम सखा श्याम	170.00	पुन.
विविध				
206	हिंदू पंच : बलिदान अंक	कमलादत्त पांडे (संपा.)	255.00	पुन.
207	भारत का आर्थिक संकट और समाधान	बिमल जालान	110.00	पुन.
208	भारत राष्ट्र और उसकी शिक्षा पद्धति	नीरजा माधव	125.00	मूल
209	चीनी यात्री फाहियान का यात्रा विवरण	जगनमोहन वर्मा (संपा.)	60.00	पुन.
210	ढब्बूजी का धमाल	आबिद सुरती	65.00	मूल
211	एक प्रयास धरती के छोर पर	रेखा भाटिया	270.00	मूल
212	गांधी'ज़ इंडिया : यूनिटी इन डाइवर्सिटी	महात्मा गांधी	60.00	पुन.
213	गुलबदन बेगम का हुमायूँनामा	गुलबदन बेगम	65.00	पुन.
214	हिमालय में विवेकानंद	रमेश पोखरियाल 'निशंक'	195.00	मूल
215	हिंदू धर्म क्या है?	महात्मा गांधी	70.00	पुन.
216	हिंदुस्तानी कहावत कोश	एस.डब्ल्यू.फैलन	325.00	पुन.

217	इब्नबतूता की भारत यात्रा	मदनगोपाल (संपा.)	100.00	पुन.
218	जवाहरलाल नेहरू - इयर्स ऑफ स्ट्रगल	अर्जुन देव (संपा.)	165.00	पुन.
219	कोमगाता मारू	मलवेंद्र सिंह	200.00	अनु.
220	लुकिंग बैक : इंडिया इन द ट्वेंटिथ सेंचुरी	एन.एन.वोहरा, सब्यसाची भट्टाचार्य	140.00	पुन.
221	मनुष्य बनाम मिथक	बैरोज़ दुनहम	135.00	पुन.
222	मौलाना अबुल कलाम आज़ाद : विचार यात्रा	समीर कुमार पाठक (संपा.)	430.00	मूल
223	मुट्ठीभर सैलानीपन	अरुणेंद्र नाथ वर्मा	195.00	मूल
224	नेशनलिज्म	रबीन्द्र नाथ टैगोर	50.00	पुन.
225	पहाड़ों का तिलिस्म	जगन सिंह	270.00	मूल
226	संस्कृत आलोचना की भूमिका	अवधेश कुमार सिंह	170.00	मूल
227	द हे चो डायरी : मेमॉयर ऑफ द पिल	हे चो	60.00	पुन.
228	वुमन हू डेयर्ड	ऋतु मेनन (संपा)	110.00	पुन.
स्वर्ण जयंती पुस्तकमाला				
229	अक्खर खंभा	श्री पंकज	180.00	पुन.
भारतीय साहित्य पुस्तकमाला				
230	अब्दुल बिस्मिल्लाहः श्रेष्ठ कहानियाँ	अब्दुल बिस्मिल्लाह	180.00	मूल
231	अज्ञेय की प्रतिनिधि कहानियाँ	कृष्ण दत्त पालीवाल (संपा)	115.00	मूल
232	भीष्म साहनी : संकलित कहानियाँ	भीष्म साहनी	245.00	मूल
233	चंद्रधर शर्मा गुलेरी की संकलित कहानियाँ	चंद्रधर शर्मा गुलेरी	110.00	मूल
234	गिरिराजशरण अग्रवाल : श्रेष्ठ व्यंग्य	गिरिराजशरण अग्रवाल	195.00	मूल
235	गोविंद मिश्र : संकलित कहानियाँ	गोविंद मिश्र	280.00	मूल
236	हसन जमाल : श्रेष्ठ कहानियाँ	हसन जमाल	185.00	मूल
237	इतर प्रवासी महिला कथाकारों की कहानियाँ	सुधा ओम धींगड़ा	270.00	पुन.
238	मोहन राकेश की श्रेष्ठ कहानियाँ	मोहन राकेश	100.00	पुन.
239	मृदुला गर्ग : संकलित कहानियाँ	मृदुला गर्ग	120.00	पुन.
240	नरेंद्र कोहली : श्रेष्ठ व्यंग्य	नरेंद्र कोहली	205.00	मूल
241	नरेंद्र मोहन : श्रेष्ठ नाटक	नरेंद्र मोहन	290.00	मूल
242	राम प्रसाद घिल्डियाल पहाड़ी : संकलित कहानियाँ	राम प्रसाद घिल्डियाल	275.00	मूल

243	सुभाष चंद्र : श्रेष्ठ हास्य व्यंग्य	सुभाष चंद्र	220.00	मूल
भारत : देश और लोग				
244	ए गाइड टू स्टेज लाइटिंग	जी.एन. दासगुप्ता	105.00	पुन.
245	औषधीय पौधे	सुधांशु कुमार जैन	145.00	पुन.
246	भारत के भू जल संसाधन	शुभ ज्योति दास	245.00	अनु.
247	भारत के दुर्लभ पौधे	सुधांशु कुमार जैन एवं आर.एस. सिकरवार	135.00	पुन.
248	भारत के संरक्षित वन क्षेत्र	महेंद्र प्रताप सिंह	140.00	पुन.
249	भारत की नदियाँ	राधाकांत भारती	130.00	पुन.
250	भारत में मानवाधिकार	सुभाष शर्मा	100.00	पुन.
251	छत्तीसगढ़	शिव अनुराग पटैरया	240.00	पुन.
252	ग्रोथ एंड डेवलपमेंट ऑफ मास कम्युनिकेशन	जे.वी विलानिलम	250.00	अनु.
253	हरियाणा एट क्रॉस रोड्स	डी. आर. चौधरी	85.00	पुन.
254	हिमाचल प्रदेश	हरिकृष्ण मिट्टू	85.00	पुन.
255	इन्सेक्ट्स	एस.एस मणि	120.00	पुन.
256	झारखंड	अनिल कुमार	110.00	पुन.
257	मसाले	जे.एस. प्रुथी	155.00	पुन.
258	अवर कंस्टीट्यूशन	सुभाष काश्यप	195.00	पुन.
259	अवर पार्लियामेंट	बालमुकुंद अग्रवाल	125.00	पुन.
260	फिजिकल जियोलॉजी ऑफ इंडिया	शंकर मोहन माथुर	85.00	पुन.
261	पॉलिसी एंड गर्वनेंस ऑफ डेल्ही	पुरुषोत्तम गोयल तथा एस.के शर्मा	190.00	अनु.
262	टेम्पल्स ऑफ नॉर्थ इंडिया	कृष्ण देव	75.00	पुन.
263	टेम्पल्स ऑफ साउथ इंडिया	के.आर. श्रीनिवासन	120.00	पुन.
264	द मेकिंग एंड वर्किंग ऑफ इंडियन कंस्टीट्यूशन	शिवानी किंकर चौबे	115.00	पुन.
265	उत्तराखंड	चित्रा फुलेरिया	410.00	मूल
हिंदी नवजागरण के अग्रदूत				
266	भारतेन्दु हरिशचंद्र : प्रतिनिधि संकलन	कमला प्रसाद एवं नामवर सिंह (संपा)	115.00	पुन.
राष्ट्रीय जीवनचरित				
267	अमर शहीद सरदार भगत सिंह	जितेंद्रनाथ सांगल	155.00	पुन.

268	अनिकेत संत : दीनदयाल उपाध्याय	मनोहर पुरी	155.00	पुन.
269	बटुकेश्वर दत्त : भगत सिंह के सहयोगी	अनिल वर्मा	105.00	पुन.
270	देशभक्त बिरसा	श्याम सिंह शशि	50.00	पुन.
271	डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर	वसंत मून	115.00	पुन.
272	होमी जहाँगीर भाभा	चिंतामणि देशमुख	85.00	पुन.
273	कमलादेवी चट्टोपाध्याय	जसलीन धमीजा	85.00	पुन.
274	लाल बहादुर शास्त्री	राजेन्द्र भारती	240.00	मूल
275	महाराणा कुंभा	राजेन्द्र एस. भट्ट	155.00	पुन.
276	महाराणा प्रताप	राजेन्द्र एस. भट्ट	50.00	पुन.
277	मास्टरदा सूर्यसेन	प्रवीण शर्मा	50.00	पुन.
278	नेताजी सुभाष चंद्र बोस	शिशिर कुमार बोस	80.00	पुन.
279	शंकराचार्य	टी.एम.पी महादेवन	65.00	पुन.
280	शाश्वत विद्रोही राजनेता आचार्य जे.बी कृपलानी	राम बहादुर राय	200.00	पुन.
281	स्वामी विवेकानंद	नरेंद्र कोहली	150.00	पुन.
282	टैगोर : ए लाइफ	कृष्ण कृपलानी	145.00	पुन.
नेहरू बाल पुस्तकालय				
283	ए हैप्पी सन्डे	देबाशीष देब	35.00	पुन.
284	ए टेल ऑफ टू डॉग्स	दीपक प्रहराज	40.00	पुन.
285	ए विज़िट टू द सिटी मार्केट	मंजुला पद्मनाभन	30.00	पुन.
286	अजूबे	लक्ष्मी खन्ना सेठी	55.00	पुन.
287	अक्खन की आँख	सय्यद आज़ाद अली	30.00	पुन.
288	ऑल टाइम स्टोरीज़ फॉर चिल्ड्रन	सावित्री पांडयन	85.00	पुन.
289	अमर गोस्वामी की चुनिंदा बाल कहानियाँ	अमर गोस्वामी	95.00	मूल
290	ऐन एन्शिएन्ट टेल फॉम अंडमान	अन्विता अब्बी	35.00	पुन.
291	आनंदी'ज़ रेनबो	अनूप राय	40.00	पुन.
292	बच्चों की सुभद्रा	सुभद्रा कुमारी चौहान	50.00	पुन.
293	बालगीतम	शशिपाल शर्मा	30.00	पुन.
294	बिरजू एंड द फ्लाइंग हॉर्स	दीपा अग्रवाल	25.00	पुन.

295	बोलती डिबिया	दिविक रमेश	50.00	पुन.
296	कैप्टन मनोज कुमार पांडे	गौरव सावंत	25.00	मूल.
297	छोटा सा मोटा सा लोटा	सुबीर शुक्ला	30.00	पुन.
298	छोटे जीवों से जान-पहचान	कालूराम शर्मा	115.00	पुन.
299	चिड़ियाघर की सैर करें	सनत सुरती	50.00	पुन.
300	चीनु, मीनू और गोगो	मनोरमा जफा	35.00	पुन.
301	चुघ गिलहरी	बिट्टी मिट्ठल	55.00	पुन.
302	कंपनी क्वार्टर मास्टर हवलदार	गौरव सावंत	25.00	पुन.
303	दलदल वाली गुफा	शोभा माथुर	45.00	पुन.
304	डीयर फादर	भवेंद्रनाथ सैकिया	45.00	पुन.
305	धारीदर बाघ का नाच	दिलीप कुमार बरुआ	40.00	पुन.
306	दुष्ट कौआ	संजीव ठाकुर	45.00	पुन.
307	एक थी चिड़िया	संतोष साहनी	60.00	पुन.
308	रंगों का महोत्सव	मधु पॉवले	25.00	पुन.
309	फ्लाई हाई इन द स्काई	जगदीश दास	45.00	अनु.
310	गोलू-गुडुप-गुडुपदास	प्रमोद कुमार शर्मा	50.00	पुन.
311	गोनू का कुआँ	रणीराम गढवाली	50.00	मूल
312	गुस्सा	कुलवंत कोछड़	30.00	पुन.
313	हवेली का रहस्य	सुकृति भटनागर	70.00	पुन.
314	होम्स	संकलन	25.00	पुन.
315	इंडिया'ज यंग हीरोज	सिगरुन श्रीवास्तव	30.00	पुन.
316	इसरो की कहानी	वसंत गांवानदीर	115.00	पुन.
317	जादू की सुइयाँ	यत्री एयरवाल	110.00	पुन.
318	झूठ का थैला	गरिमा श्रीवास्तव	100.00	पुन.
319	काकी कहे कहानी	मोनिका गुप्ता	30.00	पुन.
320	कमाल का जादू	अशोक शर्मा	45.00	मूल
321	खोये का गुड्डा	अवनींद्रनाथ ठाकुर	50.00	पुन.
322	लॉन्ग एण्ड शॉर्ट बिग एण्ड स्मॉल	पलक बिस्वास	50.00	अनु.

323	मधुमक्खी के अनोखे काम	एम.आई. फारूकी	45.00	पुन.
324	मेजर शैतान सिंह	गौरव सावंत	25.00	अनु.
325	मेजर सोमनाथ शर्मा	गौरव सावंत	25.00	अनु.
326	मदर टेरेसा	लीला मजूमदार एवं बची करकरिया	25.00	पुन.
327	नेम दैट एनिमल	निरंजन घोषाल	30.00	पुन.
328	नोना एण्ड द रेन	प्रिया नागराजन	40.00	पुन.
329	वन डे	जगदीश जोशी	50.00	पुन.
330	पाँच दोस्त	शिरीन रिजवी	45.00	पुन.
331	पिऊ और उसके जादुई दोस्त	सोरित गुप्ता	35.00	पुन.
332	प्रेमचंद की तेरह बाल कहानियाँ	प्रेमचंद	70.00	पुन.
333	प्रोसेसन	मिकी पटेल	30.00	पुन.
334	रूपा द एलिफैंट	मिकी पटेल	40.00	पुन.
335	सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल	गौरव सावंत	25.00	अनु.
336	सोने की शिला	सुरेश यादव	30.00	पुन.
337	स्पेस शटल	काली शंकर	195.00	पुन.
338	द स्टोरी ऑफ अवर रिवर्स - 2	अल वलिअप्पा	40.00	पुन.
339	द वाइज एण्ड द विली	कला थैरानी	40.00	पुन.
340	तितली जैसे न्यारे दिन	राजेन्द्र निशेष	30.00	मूल
341	विष्णु प्रभाकर की चुनिंदा बाल कहानियाँ	विष्णु प्रभाकर	90.00	मूल
नवसाक्षर साहित्यमाला				
342	आदमी जिसने भगवान को देखा	बाल गंगाधर तिलक	20.00	पुन.
343	ऐसा ही होगा	निशात फातिमा	16.00	पुन.
344	ऐसा क्यों	बालकृष्ण बोकिल	18.00	पुन.
345	अँधेरा घर	पदुवई चंद्रहरि	19.00	पुन.
346	अपंगता से मुकाबला	विनोद कुमार मिश्र	20.00	पुन.
347	बात आँख की	श्रीनिवास जोशी	18.00	पुन.
348	बात कान की	श्रीनिवास जोशी	18.00	पुन.
349	बहादुर दीदी	गार्गी चक्रवर्ती	20.00	पुन.

350	भगत की सीख	बलदेव साव	16.00	पुन.
351	एक थी सुल्ताना	नासिरा शर्मा	20.00	पुन.
352	हम भी इंसान हैं	तुहिन देव	20.00	मूल
353	जय स्वच्छता	मोनिका गुप्ता	19.00	मूल
354	जलने से बचाव	कल्पना सूद लाल	50.00	पुन.
355	मिनी माता		25.00	पुन.
356	मौसी का बेटा	देवेन्द्र सत्यार्थी	30.00	पुन.
357	पढ़ना है	अशोक अंजुम	25.00	पुन.
358	पराया धन	जनार्दन मिश्र	25.00	पुन.
359	पॉलिथीन अब नहीं	अशोक अंजुम	19.00	मूल
लोकोपयोगी विज्ञान				
360	अबाउट टाइम	बाल फोंडके	110.00	पुन.
361	एंजल, डेविल एण्ड साईंस	पी एम भार्गव, चंदना चक्रवर्ती	215.00	पुन.
362	अस्थमा : ए मेडिकल एनिग्मा	एम पी एस मेनन	50.00	पुन.
363	एस्ट्रोलॉजी : सेंस ऑर नॉनसेंस	बिमान बसु	115.00	पुन.
364	आयुर्वेद अनरैवेल्ड	शरदिणी डहाणूकर, उर्मिला थत्ते	65.00	पुन.
365	कैंसर	एस.एम. बोस	95.00	पुन
366	केअर ऑफ डोमेस्टिक एनिमल्स	विनोद शर्मा	85.00	पुन.
367	जेनेटिक्स टुडे	जगजीत सिंह	95.00	पुन.
368	हर्ट डिसीज़ एण्ड लेमैन	एस. पद्मावती	60.00	पुन.
369	ह्यूमन बिहैविअर	सुनील के. पांड्या	265.00	अनु.
370	जॉय ऑफ मेकिंग इंडियन टॉयज	सुदर्शन खन्ना	80.00	पुन.
371	कागज और पर्यावरण	वेलवेंद्र भारती	140.00	पुन.
372	कण कण में विज्ञान		130.00	पुन.
373	लर्निंग टू लिव विद डायबिटीज	एम एम एस आहूजा	90.00	पुन.
374	पेन एण्ड इट्स मैनेजमेंट	सुगंधा करापुरकर	110.00	अनु.
375	प्रकृति के बदलते रंग : हरित प्रौद्योगिकी के संग	विनीता सिंघल	200.00	मूल
376	रेडिएशन एण्ड मैन	एच.सी. जैन	100.00	पुन.